

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 217

नई विल्ली, शनिवार, जून 13, 1981 (ज्येष्ठ 23, 1903)

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1981 (JYAISTHA 23, 1903)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation)

भाग Ш-खण्डा [PART III—SECTION 1]

उक्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा भायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अप्रैल 1981 सं प o / 1 4 1 5-प्रणासन-I --- केन्द्रीय सिववालय सेवा के स्थायी चयन ग्रेड प्रधिकारी तथा संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में स्थान पन्न रूप से मंगुक्त सचिव के पद (रु० 2000-125/2-2250) पर कार्यरत श्री एम० एस० प्रूची को निवर्तन भ्रायु प्राप्त करने पर राष्ट्रपति द्वारा 30 श्रप्रैल, 1981 श्रपराह्म से सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है। एवं सी० जाटव

मंग्रत सचिव

संत्र लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 मई 1981 सं० ए० 32014/1/81-प्रकासन-1-संघ लोक मेवा स्रायोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उल्लिखित तारीख से पूर्णतः अनंतिम, श्रम्थायी और तदर्श ग्राद्वार पर उन्त संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्टे० से० का ग्रेंड, ख) के पद पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए महर्ष नियुक्त किया जाता है :---

ऋ०सं०	e.e.xanacranana TIH	ग्रुवि	ग्रध्युक्ति
1	- 8	3	4
सर्व 1. पी ः	श्री गी० सिक्का	2-5-81 से 1-8-81 तक	निजी सचिवों के पदों को श्रस्थायी

1 2	3	4
2. ओ०पी० देवरा	प्रयवा भ्रागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो।	रूप से पदा करने से स्थान पर ' किए गए पर ।
3. एव०सी० कटोच	वही	परिणामी बद्घ रिवि
4. टी०म्रार० गर्मा	4-5-81 से 3-7-81 तक भ्रथवा भ्रागामी ग्रादेशों नक जो भी पहले हो।	à
5. ण्यान प्रकाण	25-4-81 में 24-6-81 तक श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो पहले हो ।	-

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर तें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्टे०से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णत: अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के०स०स्टे०से० के ग्रेड ख में विश्वियन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा और पूर्वोक्त नियुक्तियां इं गर्त पर हैं कि कार्मिक तथा प्रशासनिक मुधार विभाग उनका अनुमोदन कर दे।

एस० बालचन्द्रन, उप सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 मई 1981

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा०-П—संघ लोक सेवा ग्रायोग के क०स०से० संवर्ग के स्थाई ग्रनुभाग ग्रिधकारी श्री डी० ग्रार० मदान को सिचव, संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा 12-5-81 से 11-8-1981 तक की ग्रविध के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, ग्रनुभाग ग्रिधकारी (विशेष सेवाएं) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्रनुभाग श्रधिकारी (विशेष सेवाएं) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर श्री डी० श्रार० मदान का वेतन समय-समय पर यथासंशोधित विक्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का०ज्ञा०से०एफ० 10(24)-ई०-III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के श्रनुसार विनियमित होगा।

पी० एस० राणा, ग्रनुभाग ग्रधिकारी कृते सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1981

सं० 10 म्रार०सी०टी०-3—केन्द्रीय सतर्कता म्रायुक्त एतद् द्वारा श्री एस० एन० धर, कार्यपालक म्रभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को केन्द्रीय सतर्कता म्रायोग में दिनांक 30 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश तक स्थानापन्त रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते है।

> कृष्ण लाल मल्होता, स्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

गह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासितक सुधार विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1981

सं० ए-19036/3/79-प्रशासन-5—-ग्रांध्र प्रदेश पुलिस से केन्दीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री के० फरीदुद्दीन, पुलिस उप-ग्रधीक्षक की सेवाएं दिनांक 30 ग्रप्रैंल, 1981 के भ्रपराह्न से भ्रांध्र प्रदेश सरकार को वापस सौंप दी गईं।

दिनांक 25 मई 1981

सं० ए-19021/4/81-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से श्री एस० पी० डंगवाल, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-1966) को दिनांक 16 मई, 1981 के अपराह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अतिनिधुनंत पर पुलिस अधीक्षक नियुन्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर, प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मई 1981 शद्धि-पन्न

सं० 11/99/79-प्रशा०-I—इस कार्यालय की तारीख 28-4-1981 की समसंख्यक ग्रिधसूचना की पांचवी लाईन में "10 भ्रप्रैल, 1980" अंकों और शब्दों के स्थान पर "10 भ्रप्रैल, 1981" अंक और शब्द पढ़े जाएं।

के० सी० सेठ उप-निदेशक

श्रम मंत्रालय श्रम ब्युरो

शिमला-171004, दिनांक 6 जून 1981

सं० 23/17/81—सी० पी० आई०—अप्रैल 1981 में भौद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960≈100) मार्च, 1981 के स्तर से सात अंक बढ़ कर 427 (चार सो मलाईस) रहा। अप्रैल, 1981 माह का सूचकांक 1949≈100 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 519 (पांच सो उन्नीस) आता है।

ए० एस० भारहाज निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, केरल तिस्वनन्तपुरम, दिनांक मई, 1981

सं० स्थापना /हकदारी / 6/10-3—महालेखाकार, केरल के कार्यालय की लेखा श्रिधिकारी श्रीमती काथलीन ऐसेक श्रिधि-वर्षिता के कारण 20 श्रप्रैल, 1981 श्रपराह्न को सेवानिवृत्त हो गयी।

> एस० सेसुरामन महालेखाकार

मायोज्य निक्सक नेच्छा (डाफ) कलकता--31 मार्च 1980 तक डाक-तार महानिदेशक के प्रधीन संरक्षित त्वका तथा प्रतिज्ञा-पत्नों की सूची डाक-सार लेखा नियम युस्तक खचड-II भाग III (भनु०--1) के पैरा 139 (एफ०) के भनुसार गजर भाफ इक्टिया में प्रकाक्षित

¢1	က	4	w	g.	7	œ	o o	10	11	12	13	14	15	16	17	18
ठेकेदारों के नाम	3°, 1946	3\$ %	3½ % 1900-	4% 1960-	4°/ 1981	4\$ % 1955 -60	4 <u>\$</u> / 0 / 1985	43 °/ 1989	5% 1982	52 % 1991	55.0 1995	5½% 1990	54 % 2000	5 <u>\$</u> % 1999	5\$% 5\$% महाराष्ट्र महाराष्ट्र 1979 1980	54% Reture 1980
1. प्रियक्षाल मुखर्जी				300												
		1300))												
))	400													
4. मेरु धनका इण्डस्टीज प्रार्थिक	500															
	1000															
	2000															
मे जिं	27000															
8. प्रेस ट्रस्ट बाफ इष्डिया सि०, बम्बई	7200															
9. दि भारत साइन सि॰	3000															
10. बलमरलौरी एण्ड कं० लि०, बम्बई	100															
11. नरनदास राजाराम एष्ड कं० (प्रा०) लि॰	3000															
	26200															
13. किल्सिक निक्सन नि	12500															
14. प्रतोस इन्जीनियरिंग कं० (प्रा०) लि०.	10000															
15. टनेर मोरिसन एण्ड कं० सि०	9000															
16. भारतीय जीवन बीमा निषम, केन्द्रीय नायलिय बम्बई	27000															
17. किल्लिक निक्सन जिं	3500															
18. मेनर्स साउच इन्डियन एक्सपोर्ट नं०, मदास	500															
19. दि पायोतियर लि.०, लखनऊ.	1500															
20. मानुसूमि प्रिट एण्ड पब्लिमिन कं० लि॰ को जिकोड, कालीकट	1000															
21. मेममे रविन्द्र कुमार नेममवाला	3000															
22. दि डेली पंबट, करांची	1000															
23. मेससे ए० बी० पंडित एण्ड कंट करांची	1000															
24. मेसर्स कोमामजी एण्ड सन्स, करांची	200															
25. मेससे लुईस ड्रेफ्यून एष्ट कं० लि० करांची	500															
26. मेसमें ईस्टने स्टीमिश्रप (प्रा०) लि॰	2000															
2.7. गेनोन डकली एफड कर्नालः	1000															
28. हिन्द शिपिंग एनेस्तीज	1500															
29. मेसर्स सायोनेल एडवाडेस लि॰	5000															
30. दि डेली गजर प्रेस, करांची	•			100												
31. मे ० बर्माशेल भायल स्टोरेज एड डिस्ट्रोब्य्टिंग कंमनी भाष				9												
.																

	19	50	21	63 63	23	24	22	26
	343 0/ 34,0	1	54,0	6,0	54.0	, ou .		बन्धकी के नाम
उनेदारों के नाम	2003	2000	4040 1982	0 20 31	2002	1896-		
								डाक महाध्यक्ष, बंगाल तथा श्रामाम (पूर्वी वंमाल)
								वंजाब
2. सिवित व मिनिटरी गजर, लोहोर								
3. घरीहरी, ट्रीयान प्रेस एवं गैर-प्रेम संबाद, समाचार-पत्न, लाहीर								11
 मेव बनुका इष्डम्मीज प्राविति 								मुख्य अधासक कन्द्राय तारवर, कलकता
5. मेसमें जे ब के वित्रतेस मशीत्म लि व बलकता								2 4 4
6. मेममं पाल एण्ड कस्पनी								DE RE
्र मेससे नेशनल केबल बक्से लि॰								प्रबन्धक, टेलिकम वर्कशोष, श्रनिपुर
८, यून ट्रस्ट याम इणिड्या लि. बम्बई								मुख्य मधीक्षक केन्द्रीय तारघर बम्बई
				•				n n
10. बन्मस्लीरी एक्ट कुंठ लि.ठ. बम्बर्ड								11 11
								11 11
								23 72
								11
14. प्रनोस इंजीनियरिंग कं० (प्रा०) लि॰								
। 5 टमेर मोरिसन एण्ड कं शिल								В В
								н н
17. किल्लिक निक्मन सि०								٠
18. मेससे साउथ इण्डियन एनसपोटै कं०, मद्रास								मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार्षर, मद्रास
19. दि पायोतियर नि०, लखनऊ								
20. मातृभूमि प्रिट एव्ड पब्लिधिंग कं० लि क्रेजिकोड, कालीकट.								श्रक्षीयक, केन्द्रीय तार्षर, कॉजॉकोड, कालांकट
21. मेमसे गविन्द्र कुमार रेशमवाला								मुक्य स्रद्यांसक, कत्त्रीय तार घर, गई दिल्ला
22. दि डेली गजर, करोंची								प्रमारी प्रदोक्षक, तारघर, कराचा।
23. मेसमें ए० बी० पंडित एण्ड कं० करांची								11 11
24. मेमसे कोम्रामजी एण्ड सन्स, करांची								
25. मेससे लुईम ड्रेम्पूज एण्ड कं बिल करांची								
26. मेमसे ईस्टर्न स्टीमिषप (प्रा॰) सि॰								
27. गेनोन इंकर्नी एण्ड कं िल .								मुख्य अशोक्षक, केन्द्रीय तार्षर, बम्बई।
2.8. हिन्द निर्मिग एजेन्सीज								11 13
29. मेससै लायोनेन एडवाइस लि॰								॥ भलकता
30. दि डेली गनट प्रेम, करांची								प्रमारी प्रदीक्षक, तारघर, करांची।
31. मे ब बा क्षित बायल म्होरेज एक किस्ट्रीज्यूटिंग कम्मती								
une afrant fa								erethers arrests are tall 1

					सुचा(जारा)	(LLL)									
2	3	4	æ	9	7	8	6	10	11 12	13	14	15	16	17	18
32. मेसर्से रेली क्रदर्स लि॰	•			1000											
33. में • बर्माशेल ग्रायल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीक्यूटिंग कम्पनी शाफ	134 134														
इण्डिया लि०, लाहौर	•			200											
34. ,, राबलपिन्डी .	•			200											
35. दि डेली गजट एण्ड प्रेस, करांची 🍨) - 		400									
36. हरबदें सन्स लिमिटेड) !					1400				
37. श्रार० ग्रार० नाबर एण्ड कस्पनी											100				
38. हरबरे सन्स लिमिटेड									000	ç	001				
39. मेससे कुपर इन्जीनियरिय लिमिटेड									020	• •					
40. दि इण्डियन स्रोवरसीज बैंक लि॰						5000			24	•					
41. मेसमें गेनन इंकलीं एण्ड कं० लि०	•					500									
	•				1000										
43. दि सिन्दिया स्टीम नेवीगेसन कं० लि॰ें.	•							35	35000						
	•							15(15000						
45. रिजव बेंक म्राफ इण्डिया	•							40	40000						
	•									700					
47. मेहता वकील एण्ड कम्पनी														300	
	•														
49. इपिडयन प्रोवरतीज बैंक	٠							2000							
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •							1	10000							
	•							5000							
								200							
यूनाइटेड बैंक आफ इंपिडया, कलकता	•											25000			
मसस लायानेल एडवाड्स लिमिटड	•												0009		
मिकिनोन मेकेन्जी कं ० (प्रा०) लिं ०	•											76700))		
मेससे बटली वाला एण्ड करानी	•											1100			
यूनाइटेड वेंक प्राफ इष्डिया, मुख्यालय, कलकत्ता	•										•	75000			-
इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक आफ इण्डिया	•														
मेससे इलाहाबाद बैंक लि॰ (कलकता शाखा)	•														
मूनाइटेड वेंक श्राफ इण्डिया, प्रधान कार्यालय, कलकत्ता															
इण्डियन मोवरसीज वैंक															
6.3. किल्लिक निक्सन लिमिटेड	•													4000	<u> </u>
मेसर्स लियोनेल एडवार्डस लिमिटेड												7	4000	P	
महाराष्ट्र स्टेट कोपरेटिब बैंक (लि॰).	•											•			
	1502	150200 1300	400	3300	1000	400	500 20	5500 20500 90000	00 3300	700	1500 1	1500 177800 10000	1	300 400	. 1.
										1			- 1	- 1	, î
															<u></u>

3.2 के which were effect one freging or sand or set of the control of the cont	मेससै रेली ब्रद्ध लि॰ के बमिशिल शायल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग कम्पनी शाफ हिण्डिया लि॰, लाहीर ,, रावलिफ्डो दि डेली गजट एण्ड प्रेस, करांची हरबार्ट सन्स लि॰ शार० मावर एण्ड कम्पनी हरबार्ट सन्स लिभिटेड सिसं केपर इंजीनियरिंग लिभिटेड दि इण्डियन प्रोवरसीज बैक कि॰ सेससै गेनन इंज्ली एण्ड कं० लि॰			25	
के क कर्मांक काल स्टोक (क्ट क्ट्रीव्हींटन (क्ट क्ट्रिव्हींटन करनी क्रफ करने करने करने करने करने करने करने करने					E 11. 12 11. 11.
के क्यांत क्षांत एक एक हिल्लाहों कम्मी बाफ क्यांत क्षांत एक हिल्लाहों कम्मी बाफ क्यांत क्षांत एक क्यांत क्यांत क्षांत एक क्यांत क्यांत क्षांत एक क्यांत क्यांत क्षांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क्यांत क					
भी के के कि के के कि क					मधीक, तार-कायलिय,
ह दि होंगे तरह एक होता, दर्सांती ह पहर्य स्वात कि स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत					HEZ 21 THE 1-1-1
ह हवर्ष सम्त किया हाए कमानी क्या कार क्या कार कार कार कार कार कार कार कार कार का					डें अवाराम, क्षेत्राच तारघर, लाहोर।
कि क्षांत के					प्रधानी मासीयम्
हुं हुं कर प्रतिदेह के मार्थ देश कर प्रतिदेह के मार्थ देश कर प्रतिदेह के मार्थ प्रतिदेह के मार्थ कर प्रतिदेह के मार्थ हों कर हों हों कर हों हों कर हों कर हों हों कर हों हों कर हों हों हों कर हों हों हों हों कर हों हों हों हें कर हों हों हों हें कर हों हों हों हें कर हों हों हों हें कर हों हों हें कर हों हों हें कर हों हें कर हों हें कर हों हों हें कर हों हों हें कर हों हें कर हों हें कर हों हें कर हों हों हें कर हों हों हें कर हों हें कर हों हें कर हों हों हें कर					नगारा जवातक, तार कायालय, कराचा ।
ा संक्षण क्षण क्षण क्षण क्षण करें कि कि का क्षण करें कि कि का					कन्द्राय तारघर,
देशकार प्रतासकार क्षितकार क्षितकार कार्या क्षितकार कार्या क्षितकार कार्या क्षितकार कार्या क्षितकार कार्या क्षितकार कार्या कार					
भाव कर मान्ता के कि कि भाव कर मान्ता के कि कि भाव कर मान्ता के कि कि भाव कर मान्ता के कर मान्ता के कि भाव कर मान्ता के कर मान्ता कर मान्ता के कर मान्ता कर मान्ता के कर मान्ता कर मान्					
मुख्य क्षप्रीक्षक, केन्द्रीय तारपर, कककता किर्मान केन्द्रीय होना केन्द्रीय तारपर, कककता किर्मान केन्द्रीय होना केन्द्रीय तारपर, कककता किर्मान केन्द्रीय होना केन्द्रीय होना केन्द्रीय होना होना केन्द्रीय होना होना केन्द्रीय होना होना केन्द्रीय होना होना होना केन्द्रीय होना होना होना होना होना होना होना होना					श्रघीक्षक, केन्द्रीय तारघर, पुना
ा प्रिता स्टीम मेबोनेसा कं कि. - तिवा बंक ब्राप्ट के का प्राप्ट के का प्रकार कि. - तिवा बंक ब्राप्ट के का प्रकार कि. - तिवा स्था कर करनी कि. - तिवा बंक ब्राप्ट के का प्रकार कि. - तिवा बंक कि. - तिवा विव के. - तिव के. - तिवा विव के. - तिव के. - तिवा विव के. - तिवा विव के. - तिवा विव के. - तिव के. - तिव के. - तिवा के. - तिव क					न्द्रीय तारधर.
े दिसित्या स्टीम मेंग्रोनेसन कं लिं					
े रिवर्ड बैक झाफ इंपिटवया , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,					x
स्वात क्षांक श्रम्मी विक महात क्षांक सम्मी विक महात क्षांत एक कम्मी विक महात क्षांत एक कम्मी विक महात क्षांत क्षा					2
सहीवाय एक इम्मती हिंदे,,,,,,,, .	्र रिज्ञे बैक ग्राफ दगिरुमा				n n
भूराजा कर्डक कमनी ताल ह					n n n
हाक्यन हैंदिर्ग (एक.) मासीय वीचन बीचा 5 11 11 11 11 11 11 11	भटाबाय एग्ड कम्पना ।ल ०				n n n
हबवपमंद सेक्टरी (एफ.०) भारतीय जीवन बीमा	महिता बकाल एंग्ड कम्मनी है				" " "
हण्ड्यन बोदसींग दीक , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,					" "
मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तारकार, महासा 113500 13500 25000 25000 13500 1			0006		टेलीग्राफिस्ट, विभागीय तारघर मान्नाकः
मा 11					मधीक्षक, केन्द्रीय तारघर. महाम।
13500 मास्त्र, कलकत्ता					?
में क्लिकता। में क्लिकता। में कलकता। में कलकता। माखा) माखा) प्राखा) माखा) माखा) माखा मा मा </td <td>•</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td>'</td>	•				'
, कलकता , कलकता , कलकता , कलकता , कलकता या हुई , 10 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1,	मृनाइटेड बैक साफ इष्डिया. कलकत्ता ैं				
, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	मेससे लायोनेल एडवार्डस लिमिटेड 🖟				a
, भन्मक्ष , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	मेकिनोन मेकेन्जी कं० (प्रा०) लि०				4
ग्रा क्ष्यक्ता	मेससे बटलो वाला एण्ड कराती				a
या क्ष्यं । 13500	सुनाइटेड कैंक प्राफ इष्डिया, मुख्यालय, कलकत्ता				
भाखा)	•				;
प्रिलंब, कलकता 25000 <td>•</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td>The second secon</td>	•				The second secon
25000	बुनाइटेड बैंक ग्राफ इण्डिया, प्रधान कार्यालय. कलकत्ता				
, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	-	250	00		:
., , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	il section in the section is a section in the secti				a
मदास प्रभारी झधीक्षक, विभागीय तारघर, झक्षा रोड, 	•				*
	मेससे शियोनेल एडबाईस जिपिनेड ः				
	महाराष्ट्र स्टेट कोषरेहिव बैंक (लिं ०)				र ह
		25000			7

पंजीकृत-पनांक प्रकाशन (पब्लिकेशन) जी० एस० 327 दिनांक 21-5-81

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय

पुरु सीठ रेलव मालीगांग

गुवाहाटी-781011, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं एस ब्यो अो 81—इस कार्यालय के श्री एस विक भट्टा चार्जी, एस ब्या र एएएएस अनुभाग अधिकारी को, जो इस समय इतर सेवा में केन्द्रीय अन्तर्वेशीय जल परिवहन निगम लि वाबाहाटी में लेखा अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 29-8-80 (अपराह्न) में अगले आदेश तक तिनम्न नियम (नेक्स्ट बिलो रूल) लेखा परीक्षा अधिकारी के ग्रेड में वेतनमान 840-40-1000—द रो --- 40-1200 रू में प्रोफार्मा प्रोन्ति की स्वीकृति दी गयी है।

दिनांक 27 जनवरी 1981

सं एस । ओ० ओ० 83—एस । ज्यार । एएस । संवर्ग के स्थायी सदस्य तथा स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रिधकारी श्री जी० रामबिन का, पूड कारपोरेशन श्राफ इंडिया (कलकत्ता) में स्थायी विलियन के परिणामस्वरूप, एफ आर-14(ए) (डी) के अन्तर्गत दिनांक 25-4-1979 से उनका पूर्विधकार समाप्त किया जाता है।

एस० चन्द्रशेखर, निदेशक, लेखा परीक्षा

गुवाहाटी-781011, दिनांक 17 फरवरी 1981

सं० एस० ओ० ओ० 89 - लेखा परीक्षा कार्यालय के लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी स्व० एस० के० मुखर्जी का, जो भ्रालीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी में बाह्य नेवा पर थे, दिनांक 11 सिनम्बर, 1980 को निधन हो गया।

2. लेखा परीक्षा अधिकारी स्व०एन०सी० दत्ता का, जो भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि०, सान्तालडीह में बाह्य मेवा पर थे, दिनांक 18 तथम्बर, 1980 को निधन हो गया।

> न० नी० गोपाल सिकदार लेखा परीक्षा श्रधिकारी (प्रणा०)

कायलिय, निद्याक लेखा परीक्षा

दक्षिण रेलवे

मद्राक्ष, दिनांक 1981

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा/दक्षिण रेलवे/मद्रास के सर्वश्री पी० ए० मृनिरवामी और एम० मी० वरदराजन जो एस० ग्रार० ए० एस० संवर्ग के स्थायी/स्थानापन्न सदस्य हैं, उनको श्राग्ले ग्रादेश तक 9-4-81 (पू) ग्रीर 6-4-81 (पू) से निदेशक लेखा परीक्षा से वेतनमान क० 840—1200 में लेखा परीक्षा ग्रिकारी पद में स्थानापन्न रूप में पदोन्नित ी जाती है।

इन व्यक्तियों की पदोन्तित किल्कुल तदर्य रूप मेंदी जाती है ग्रीर यह तो उच्चम न्यायालय के ग्रंतिम श्रादेश के ग्रध्य-धीन है।

> सी० एस० मेनन, निदेशक, लेखा परीक्षा

कार्यालय: निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य,

नई दिल्ली-2, दिनांक 8 मई 1981

सं प्रणा०-I/का श्या०/67—निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य एतद्द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखापरीक्षा प्रधिकारियों को स्थायी लेखापरीक्षा प्रधिकारियों के पदों पर 840-1200 ६० के समय वेतनमान में उनके नामों के द्यागे दर्णायी गई तिथियों से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

4700 6 :			
ऋ० नाम			लेखापरीक्षा
सं०			श्रधिकारियों
			के रूप में स्थायी
			नियुक्ति की तिथि
सर्वे श्री			
1. एच०म्रार० कपूर			1-7-1979
2. जी०सी० तुली .			1-7-1979
3. कें०्सी० शर्मा .			1-7-1979
4. सी०बी० मलिक			1-7-1979
5. जे ० एस० साहनी			1-7-1979
6. पी०सी० मलिक			1-7-1979
7. बी०डी० सहगल			1-7-1979
8. एम <i>०</i> वी० रामाकृष्णन		•	1-7-1979
9. के०एस० वर्मा			1-7-1979
10. एम० एम० एल० बक्शी		•	1-7-1979
11. पी० एस० जैन			1-7-1979
12. यू०एस० माथुर			1-7-1979
13. रवीन्द्र कुमार		•	1-7-1979
14. डी०पी० शर्मा.			1-7-1979
15. म्रार०के० उप्पल			20-7-1979
16. डी०पी० देवगुन			29-7-1979
17. डी०ग्रार० मलहोत्रा			21-9-1979
18. पी०एल० वली			1-10-1979
19. पी०सी० गुप्ता .			1-11-1979
20. जे०एस० गांधी	•		1-3-1980
21. श्रमर नाथ-∐			1-4-1980
2.2. पी०एस० तलवार		•	4-5-1980
23. स्रार०मी० मलिक			1-6-1980
24. टी० आर० कपूर			1-7-1980
25. एस० एल० बसल			1-8-1980
26. देव राज-II .			9-9-1980
	$\overline{}$	<u> </u>	

बलदेघ राय, संयुक्त निदेशक ले०प० (प्र०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 मई 1981

सं० 496/ए-प्रशासन/130/79-81--निदेणक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं प्रधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० एस० दीवान को, लेखा परीक्षा ग्रधिकारी रक्षा सेवाएं, इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 31-3-1981 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के रूप में अगले श्रादेण पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

इन्द्र पाल सिंह, संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय

भारतीय **भ्रार्डने**न्स फैक्टरियौ सेवाएं (भ्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड)

कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1981

सं० 37/81/जी०—वार्धक्य सेवा निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, निम्निखित श्रिष्ठकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तारीख से सेवानिकत्त हुए :—

श्री के० विक्नोई, ग्रपर महानिदे गक/ओ०ई०एफ० 28-2-1981
 (मौलिक एवं स्थायी उप-महा- (ग्रपराह्म)
 निदेशक, ग्रा०फै०)

 श्री एच० पी० प्रस्थाना, प्रबन्धक 30-9-1980 (मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबन्धक) (ग्रपराङ्क)

> वी०के० मेहता, सहायक महानिदेशक ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मंद्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेणालय बम्बई, दिनांक 21 मई 1981

सं० 15/4/80-स्थापना—महानिदेशक, श्री ग्रार० जी० वाकडे, स्थाई प्रधान लिपिक को, कारखाना सलाह सेवा ग्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर दिनांक 15 मई 1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त करता है।

> ए० के० चक्रवर्सी, महानिदेशक

उद्योग मंद्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिस्ली-110011, दिनांक 14 मई 1981

सं० 12/64/61-प्रशासन (राज \circ)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के निदेशक ग्रेड-2 (वैद्युत)

श्री जी० पी० अग्रवाल को विनांक 4 मई. 1981 (पूर्वाह्न) से लघ उद्योग सेवा संस्थान जयपुर में ही तदर्थ ग्राघार पर निदेशक ग्रेड-I (वैद्युत) के रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० 12/219/61-प्रणा० (राज०) — राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग विकास संगठन के श्री बी० एन० भट्टाणाली, निदेशक ग्रेष्ठ-1 (औद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, दिनांक 31 जनवरी, 1981 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान करते हैं।

सं० ए-19018/(543)/81-प्रशा० (राज)—राष्ट्रपति जी, संघ लोक सेवा ग्रायोग, नई दिल्ली में ग्रवर सचिव श्री एच० वी० लालरिंगा, भारतीय प्रशासनिक सेवा (एम०टी० 72) को दिनांक 15 अर्थेल, 1981 (पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-I (इंजीनियरी उद्यमियों को सहायता) के पद पर निमुक्त करते हैं।

सी० सी० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन घनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1981

सं० प्र-I/I(1011)—पूर्ति निवेशक (वस्त्र) के कार्यालय में स्थायी श्राधीक्षक और स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेंड- I^I) श्री बी० के० बहल निवर्तमान श्रायु होने पर दिनांक 30 श्रप्रैल, 1981 के श्रपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन मनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1981

सं० प्र० 6/247 (368) — राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म), जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्रिधिकारी (धातुकर्म) श्री ए० के० चटर्जी को दिनांक 28 ग्रप्रैल, अप्रेल 1981 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III, धातुकर्म शाखा ग्रुप "ए") के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री चटर्जी ने दिनांक 28 अप्रैल, 1981 को सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म) का पदभार छोड़ दिया और सहायक निदेशक निरीक्षण (धानुकर्म) का पदभार सम्भाल लिया।

पी०डी० मेठ उप निदेशक (प्रणासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भू**वैज्ञा**निक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, विनांक 16 मई 1981

सं० 2408/B/ए/19012 (एल एम एम)/19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रणामनिक ग्रधिकारी श्री एल०एम० मैकेंजी स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से 1-9-1980 (पूर्वाह्न) से मिवृत्त हो गए।

दिनांक 26 मई 1981

सं० 2398/B/v-19012 (ए जी/एके)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूजौतिकीविद् श्री श्रश्यनी कुमार का त्यागपत्र 3-6-80 (पूर्वाह्म) से स्वीकार किया जाता है।

वी० एस० कृष्णस्यामी, महानिदेशक

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई बिल्ली, दिनांक 25 मई 1981

सं० 5(12)/68-एस-एक — महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतव्-द्वारा श्री टी० ग्रार० गोपालकृष्णमाचारी, श्रसारण निष्पादक, श्राकाशवाणी, हैवराबाद को श्राकाशवाणी, हैवराबाद में 2 मई, 1981 से श्रगले श्रादेणों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(26)/68-एस एक — महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एतत्द्वारा श्री एस० के० शर्मा, प्रसारण निष्पादक, ग्राकाशवाणी दिल्ली को श्राकाशवाणी रीवा में 27 ग्राप्रैल, 1981 से ग्रागले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(50) 68-एस-एक—महानिदेणक, प्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन०राय चौधरी, प्रसारण निष्पादक, प्राकाण-वाणी, कलकत्ता को श्राकाशवाणी, विज्ञापन प्रसारण सेवा, कलकत्ता में 4 मई, 1981 से अगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल, प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

मूचना और प्रमारण मंत्रालय फिल्म समारोह निदेणालय नई दिल्ली-3, दिनांक 16 श्रप्रैल 1981

सं० 1/4/81-एफ एफ डी--यह एतत्वारा अधिसूचित किया जाता है कि फिल्म समारोह निवेशालय अधिसूचना संख्या 1/1/81—एफ एफ डी दिनांक 21-2-1981 में प्रकाशित राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1981 की नियमावली नियम 9 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने दो राष्ट्रीय ज्यूरियों द्वारा की गयी सिफारिणों के आधार पर निम्नलिखित फिल्मों/निर्माताओं/निदेशकों/कलाकारों/तकनीशियनों को पुरस्कार देने का निर्णय किया है जिनके नाम इस प्रकार हैं:--

ऋम सं०	फ़िल्म का शीर्षक स्रौर भाषा	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार
1	2	3	4
1. स	र्वोत्तम फ़ीचर फ़िल	म के लिए पुरस्कार	
	ाकालेर सन्धाने बंगला)	निर्माता	''स्वर्ण कमल''
,	,	(1) श्रीधिरेश	
		कुमार चक्रवर्ती	
		द्वारा डे०के०	म्रौर 50,000/-
		फ़िल्म इन्टरप्राइज	रुपये का नगद
		पी०-36 इंडियन	पुरस्कार (केवल
		एकसेंचन प्लेस	पचास हजार ६०)
		कलकत्ता-1	
		निर्वेशक	''स्वर्ण कमल''
		श्री मृणालसेन	भ्रौ र 25000/-
		14 बेलटोला रोड,	रुपये का नकद
-		कलकत्ता ।	पुरस्कार (केवल पचीस हजार रु०)

2. वितीय सर्वोत्तम फीचर फ़िल्म के लिए पुरस्कार

श्रोपोल (मृलयालम)	निर्माता श्रीमती रोजज्मा जार्ज, चित्रा गोमवती बिल्डिंग श्ररन्धाट क्रांस रोड, कोचीन-18	"रजत कमल" श्रीर 30,000/- रुपये का नकद पुरस्कार बिकेवल तीस हजार रुपये
	निर्देशक श्री के०एस० से पु माधवन 3, काम्हानाडयू स्ट्रीट, मद्रास-17	"रजत कमल" - भौर 15,000- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पन्द्रह् हुजार रु०)

1 2	3	4	1 2	3	4
 राष्ट्रीय एकता प 	र सर्वोत्तम फीचर फ़िल्म	—————— विलए पुरस्कार	<u> </u>	चिस्ना गोमयती	दस हजार नपये)
भवनी भवाई (गुजराती)	निर्माता	"रजत कमल"		बिह्डिंग, श्ररनघाट क्रास	
(An star)	मैसर्स संचार फ़िल्म	श्रीर 30.000/-		रोड,	
	कोग्रापरेटिव सो-	रुपये का नकद	~ 6.5.6	कोचीन-18	
	साइटी लि॰	पुरस्कार (केवल	सर्वोत्तम ग्रभिनेत्री	- 	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	नेहरू फांडडेशन फार	तीस हजार ६०)	चक्र (हिंदी)	कृमारी स्मिता पाटील,	"रजत कमल"
	डवलेपमेंट,वस्त्रा -			सुमित हाउस	भौर 10,000/-
	पुर रोड तहलताज			फारगैट रोड,	रुपये का नकद
	टेकरा, ग्रहमेवाबाद			तारदेव, बंबई-35	पुरस्कार (केवल
	निर्वेशक '	'रजत कमल''	सर्वोत्तम बाल		दस हाजर राय)
	श्री केतन मेहता	भौर ् 15,000/-	ग्राभनेता ग्राभनेता		
	6-ए कुमकुम	रुपमे का नकद	भ्रोपोल (मलयालम)	मास्टर श्ररविन्द	''रजत कमल''
	सोसाइटी नजदीक	पुरस्कार	,	द्वारा श्री एम॰	श्रौर 5,000/-
	सरधार पटेल	(क्षेत्रल पन्द्रह		श्रार० परमेश्वरत	रुपये का नकद
	कालोनी, उस्मान	हजार रुपये)		नथमज हाउस,	पुरस्कार (केवल
. * .	पुरा, महमदाबाद			चितौड़ रोड,	पांच हजार रुप <i>ये</i>)
 निर्देणक की पहल 		_		कोचीन'।	
मधतातदन्त	निर्देशक	"रजर्त कमल"	 सर्वोत्तम छायोकन 	(रंगीन) के लिए पु	रस्कार
(बंगला)	.4.		नेनजाथाई किलाये	_	"रजत कमल"
	श्री उत्तवपेलन्दु पंक वर्ती	भ्रौर 10,000/- रुपये का नकद	(तमिल)	19, तिरूमुरती	भौर 10,000/-
	यजनता 32, रानी हर्ष-	रुपय का नकद पुरस्कार (केवल		स्ट्रीट,मद्रास-17	रुपये का _र नकद
	_				पुरस्कार (केवल
	मखो रोड.	क्षस हजार रुपये)			_
	मुखी रोड, कलक सा -70000:	क्षस हजार रुपये) 2	० क्वांंंं न क्षांकिक	√स्तरी के किए एउ	दस हजार रुपय)
5. सर्वोत्तम निर्देशन	क लकत्ता-7 0000	· ·	9. सर्वोत्तिम छोयोकन		दस हजार रुपय) स्कृार
5. सर्वोत्तम निर्देशन धाकालेर सन्धारे	कलकशा-70000: ा के लिए पुरस्कार	2	 सर्वोत्तिम छायोकन चगम (मलयालम) 	श्री सिवन	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमले"
श्राकालेर सन्धाने	कलकशा-70000: ा के लिए पुरस्कार ा श्री मृणाल सेन,	2 ''रजत क्षमल'') श्री सिवन सिवनस स्टूडियो	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रौर 10,000/
	कलकशा-70000: ा के लिए पुरस्कार ा श्री मृणाल सेन, 14,बैलटेला रोड,	2 ''रजत कमल'' स्रोर 20,000/-		श्री सिवन	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कर्मल" ग्रौर 10,000/ रुपये का नकद
श्राकालेर सन्धाने	कलकशा-70000: ा के लिए पुरस्कार ा श्री मृणाल सेन,	2 ''रजत क्षमल'' श्रौर 20,000/- रुपये का नकद) श्री सिवन सिवनस स्टूडियो	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रौर 10,000/
श्राकालेर सन्धाने	कलकशा-70000: ा के लिए पुरस्कार ा श्री मृणाल सेन, 14,बैलटेला रोड,	2 ''रजत कमल'' स्रोर 20,000/-) श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरस) तिवेन्द्रम	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कर्मल" ग्रौर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)
श्राकालेर सन्धाने ॄ(बंगला) ृ ृ	कलकशा-70000 ा के लिए पुरस्कार ा श्री मॄणाल सेन, 14,बैलटेला रोड, कलकत्ता-26	2 ''रजत कामल'' श्रौर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल	घगम (मलयालम)) श्रीसिवन सिवनसस्टूडियो (केरल) तिवेन्द्रम ।लेखन के लिए पुरस्क	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रौर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)
श्राकालेर सन्धाने (बंगला) ुः 6. सर्वोत्तम पटकथा	कलकशा-70000 ा के लिए पुरस्कार ा श्री मृणाल सेन, 14,वैलटेला रोड, कलकता-26	थ "रजत क्षमल" श्रीर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये)	घगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यनि ग्र	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) त्रिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन,	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर
श्राकालेर सन्धाने [(बंगला)] ; 6. सर्वोत्तम पटकथा श्रकालेर संधाने	कलकशा-70000 ा के लिए पुरस्कार ा श्री मॄणाल सेन, 14,बैलटेला रोड, कलकत्ता-26	2 ''रजत कामल'' श्रौर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल	चगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यनि श्र नैनजाथाई किलाथ	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) तिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14~1, कास रोड,	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/
श्राकालेर सन्धाने (बंगला) ुः 6. सर्वोत्तम पटकथा	कलकशा-70000 त के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14,बैलटेला रोड, कलकत्ता-26 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन,	''रजत कमल'' ग्रीर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये)	चगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यनि श्र नैनजाथाई किलाथ	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) त्रिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14~1, कास रोड, डा० सुब्बया नगर,	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद
श्राकालेर सन्धाने [(बंगला)] ; 6. सर्वोत्तम पटकथा श्रकालेर संधाने	कलकशा-70000 त के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14,बैलटेला रोड, कलकत्ता-26 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन,	थ "रजत क्षमल" श्रीर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये)	चगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यनि श्र नैनजाथाई किलाथ	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) तिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14~1, कास रोड,	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल
श्राकालेर सन्धाने [(बंगला)] ; 6. सर्वोत्तम पटकथा श्रकालेर संधाने	कलकशा-70000 त के लिए पुरस्कार त श्री मृणाल सेन, 14, बैलटेला रोड, कलकत्ता-26 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन,	"रजत क्षमल" श्रीर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये) "रजत क्षमल" श्रीर 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल	चगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यनि श्र नैनजाथाई किलाथ	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) त्रिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14~1, कास रोड, डा० सुब्बया नगर,	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कर्मल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पुरस्कार (केवल
श्राकालेर सन्धाने [(बंगला)] ; 6. सर्वोत्तम पटकथा श्रकालेर संधाने	कलकशा-70000 त के लिए पुरस्कार त श्री मृणाल सेन, 14, बैलटेला रोड, कलकत्ता-26 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन,	2 "रजत भामल" ग्रीर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये) "रजत भामल" ग्रीर 10,000/- रुपये का नकद	घगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यनि श्र नैनजाथाई किलाथ (तमिल)	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) तिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14-1, कास रोड, डा० सुब्बया नगर, मद्रास-24	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल
श्राकालेर सन्धाने [(बंगला)] ; 6. सर्वोत्तम पटकथा श्रकालेर संधाने	कलकशा-70000 त के लिए पुरस्कार त श्री मृणाल सेन, 14,वैलटेला रोड, कलकता-26 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14,बेलटेला रोड, कलकशा	"रजत क्षमल" श्रीर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये) "रजत क्षमल" श्रीर 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल	चगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यनि ग्र नैनजाथाई किलाथ (तिमल)	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) त्रिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14-1, कास रोड, डा० सुब्बया नगर, मद्रास-24	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)
श्राकालेर सन्धाने (बंगला) 6. सर्वोत्तम पटकथा श्रकालेर संधाने (बंगला)	कलकशा-70000: क लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14, बैलटेना रोड, कलकता-26 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14, बेलटेला रोड, कलकता-	"रजत क्षमल" श्रीर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये) "रजत क्षमल" श्रीर 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)	चगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यिनि ग्र नैनजाथाई किलाथ (तिमल) 11 सर्वोत्तम संपादन के धाकालेर संधाने	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) तिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14-1, कास रोड, डा० सुब्बया नगर, मद्रास-24	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)
श्राकालेर सन्धाने (बंगला) 6. सर्वोत्तम पटकथा श्रकालेर संधाने (बंगला)	कलकशा-70000 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14, बैलटेना रोड, कलकता-26 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14, बेलटेला रोड, कलकता	"रजत क्षमल" प्रोर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये) "रजत क्षमल" प्रोर 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)	चगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यनि ग्र नैनजाथाई किलाथ (तिमल)	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) तिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14-1, कास रोड, डा० सुब्बया नगर, मद्रास-24 लेलिए पुरस्कार श्री गंगाधर नस्कर द्वारा मृणाल सेन,	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)
श्राकालेर सन्धाने (बंगला) 6. सर्वोत्तम पटकथा श्रकालेर संधाने (बंगला) 7. सर्वोत्तम श्रभिनय सर्वोत्तम श्रभिनय	कलकला-70000 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14, बैलटेना रोड, कलकता-26 के लिए पुरस्कार श्री मृणाल सेन, 14, बेलटेला रोड, कलकता	"रजत क्षमल" श्रीर 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये) "रजत क्षमल" श्रीर 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)	चगम (मलयालम) 10 सर्वोत्तम ध्यिनि ग्र नैनजाथाई किलाथ (तिमल) 11 सर्वोत्तम संपादन के धाकालेर संधाने	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) तिवेन्द्रम लेखन के लिए पुरस्क श्री एस०पी० रामानाथन, 14-1, कास रोड, डा० सुब्बया नगर, मद्रास-24	दस हजार रुपय) स्कार "रजत कमल" ग्रीर 10,000/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये) गर "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) "रजत कमल" ग्रीर 7,500/ रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)

1 :	2 3	4	1	2 3	4
12 सर्वोत्तम कला रि	निर्देशन के लिए पुरस	कार		निर्देशक	
भवानी भवाई, (गुजराती)	कारपोरेशन सोसाइटी लि० नेहरु फाऊंडेशन फ़ार खबलेपमेंट,	"रजत कमल" प्रारेर 7,500/- कपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पोच सौ रुपये)		श्री बी बएन व साईकिया, कोंठी नं व टी-29, स्टेशन रोड, गुहाटी-1	"रजंत कमलं" श्रीर 7,500/ रुपये का नकः पुरस्कार (केवर सात हजार पांच सी रुपये)
	वस्त्रापुर रोड, तहलताज टेकरा, ग्रहमदाबाद		(ख) हीरक राजार देशे	निर्माता	
 सर्वोत्तम संगीत निः 	देशन के लिए पुरस्कार		(यंगला)	क्रिक्टिकेंट क्रकट	रंजत कमल" और 15.000/- सार्वे
हीरक राजार देशे (बंगला)	श्री ग्रनूप घोषाल द्वारा श्री सत्यजित राय, 1/1, बिष्प ली- फाएं रोड, कलकत्ता-20	"रजत कमल" ग्रीर 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रु०)		डिपार्डमेंट भ्राफ़ इनफोरमेशन एण्ड कलचरल श्रफ़ेयर, गवर्नमेंट श्राफ़ वेस्ट बंगाल,राइटस बिस्डिंग, कलकस्ता-1	15,000/- रुपये का नकद पुरस्- कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)
। ४. सर्वोत्तम पार्श्वगा	यक के लिए पुरस्का			निर्देशक	
हीरक राजार देशे [!] (बंगला)	श्री ग्रनूप घोषाल, ' द्वारा श्री सत्यजित राय, 1/1, बिश्प ली- प्राए रोड, कलकत्ता-20	ग्रीर 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)	-	श्री सत्यजित राय 1/1, बिश्प लीफाए रोड, कलकत्ता-20	"रजत कमल" श्रीर 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)
15. सर्वोत्तम पार्श्वगा	यिका के लिए ५२०	स्कार	(ग) ग्राकोश	निर्माता	
श्रोपोल (मलयालम) 16. प्रत्येक प्रादेशिक	श्रीमती एस० जानकी 49, 3 स्ट्रीट, सीथ- मा कालोनी मद्रास	"रजत क्षमल" - श्रौर 10,000/- रुपये का नकव पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)	(हिन्दी)		''रजत कमल'' श्रौर 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)
पुरस्कार पुरस्कार (क) श्रनिरबान (श्रसमिया)	निर्माता	''रजत कमल''		श्री गोविन्द निहा- लाती 139, 6वीं मंजिल, स्राराधना, पिछे, भविष्य निखान निधि भवन, बान्द्रा (पूर्व) वंबई-51	"रजत कमल" श्रीर 7,500/- रुपये का नगद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)

1	2 3	4	1	2	3	
(घ) यगम,	निर्माता		(छ) हरि	शचन्द्र	निर्माता	<u> </u>
(मलय			दुडु	,(तेलुगू)		
(4,14	,	"रजत कमल"	30		श्री यू०डी०मुरली	"रजत कमल"
		भौर 15,000/~			कृ ष्ण न	भौर 15,000/-
	सिवनस बिल्डिंग	रुपये कानकद			14,3 वीगली	रुपये कानकद
	पांगुममूष त्रिवेन्द्रम	पुरस्कार (केवल			हबीयुला रोड,	पुर स ्कार (केवल
	करल) (केरल)	पन्द्रह हुआर ५०)			टी नगर,	पन्द्रह हजार क०)
	, ,	नम्बर्ध हजार ए०)			मद्रास-17	, ,
	निर्देशक					
	श्री सिवत, सिवनस					''रजत कमल'' श्रीर
	स्टूडियो त्रिवेन्द्रम	भीर 7,500/-			श्रीयू० विशेष्वर	7,500/ रु पये का
	(केरल)	रुपये का नकद			राय 🐧	नकद पुरस्कार
		पुरस्कार (केवल			पता (जैसा उपर	(केवल साप्त हजार
		सात हजार पांच			₹)	पांच सौ रुपये)
-		सौ रुपये)		·· ······	II लघु फिल्में	
(ङ) चन्न	परदेसी निर्माता				TT // 14/4	
(पंजाबी))		1. सर्वोत्तम	सूचना		
,	, श्रीमती स्वर्ण सेद्धा,	"रजत कमल"	फिल्म (य	वृत्त चित्र)		
	2118, सेक्टर	भ्रोर 15,000/-	दलवल		निमीता	
	1 5-सी,	रुपये का नकद	(किव्यि	फ सैंड)	श्रीमती ऋेस्टना	''रजत कमल''
	चण्डीगढ़,	पुरस्कार (केवल	(हिंदी)	·	खोटे द्वारा दुर्गा	स्रीर 5000
	श्री जे०एस०	पन्द्रह हजार रु०			खोटे प्रोडक्शन	रुपये का नकर
	चीना	धराबर बांटने के			ई डिया हा ऊस वे	पुरस्कार (केवा
	श्री बलदेव गिल	लिए)			सामने जी०पी०	पांच हजार रु०
	(पता वहीं)	13/			स्रो० के पहली	
	·				मंजिल, बंबई-1	
	निर्देशक	((,))			निर्देशक	
	श्री चित्रार्थी सिंह,	"रजत कमल"			ागपणण श्री प्रदीप दिक्षित,	''रजत कमल''
	टयूडर-19, उबीं	भौर 7,500/-			श्राप्रदापादादात, 5, ''शंकर'' शि-	
	गली, सान्ताऋुष	रुपयेका नकद				भ्रीर 5,000/-ह
	(पूर्व) बंबई-55	पुरस्कार (केवल			रोले रोड,	का नकद पुरस्का
		सात हजार पांच			शि वा जी नगर,	(केवल पांच ह जा
		सौ रुपये)	-	- Francisco	पूणा-4	रुपये)
(च) नेंनज	तथाई निर्माता				ज्ञानवर्धक-फिल्म :	
बि र	लाये (तमिल)		मेरी कर		नि र्मा ता	
	श्री के० राज-	''रजत कमल''		(म्रंग्रेजी)	•	"
	गोपाल चेट्टी,	ग्रौर 15,000/-			फिल्म प्रभाग,	_
	द्वारा देवी फ़िल्मस	रुपये का नकव			भारत सरकार	
	प्राईवेट लिमिटेड	, पुरस्कार (केवल			"फिल्म भवन"	
		, पन्द्रह हजार ६०)				· पुरस्कार (केब
	मदास-3	•			देश मुखा मार्ग,	पांच हजार रु०
	निर्वेशक				बंबई-26	
	।नवसक श्रीजे० मेहन्द्रन,	"रजत कमल"			निर्देणक	
	•				श्रीसी०जे० पोले	<mark>ास "रजत कम</mark> ल
	12 वीं मेन रोड,	ग्रीर 7,500/-			द्वारा फिल्म प्रभाग	
	मद्रास-28	रुपये का नकद			''फिल्म प्रभाग''	रुपयेका नव
		पुरस्कार (केवल			"24, স্তা০ জী০	े पुरस्कार (केव
		सात हजार पांच			देश मुख मार्ग,	पांच हजार रु०
		सौ रुपये)			वंबई-26	

1 2	3	4	1	2	3	4
3. सर्गोतन प्रेरक फि	 सर्गोतम प्रेरक फिल्म (ग्रव्यावसायिक/व्यावसायिक): 		7. ज्यूरी द्वारा विशेष रूप से सराहना किया जाना :			
श्रांचल ग्राफगोर निर्माता				ोला हरीटेज	1 4 4 4 6 11 14 14	
(भ्रंग्रेजी)					निर्माता ग्रीर	
	श्रीप्रेम प्रकाश	"रजत कमल"	(~ ~	-11)	निर्देशक	
	एशियन फिल्मस				श्री भ्रदूर गोपाल	
	72, जनपथ, नई				कृष्ण दरपनाम	
	दिल्ली ।				प्रोडक्शन,	
	निर्वेशक				त्रिवेन्द्रम- 17	
	श्रीसत्य प्रकाण	''रजस कमल''	पम्पा		C .	
	एशियन फिल्मस		(श्रंग्रे	जो)	निर्माता फिस्म प्रभाग	
	72, जनपथ, नई				भारत संरकार	
	दिल्ली ।				"फिल्म भवन"	
4. सर्वोत्तम प्रयोगात्मक	फिल्म :				24, जी० देश मुख	7
ग्राराईवल	निर्माता				मार्ग, बंबई-26	
(भ्रंग्रेजी)					निर्देशक की की की की	
	फिल्म प्रभाग,	''रजत कमल''			श्री पी०सी० मर्मा फिल्म प्रभाग,	
	भारत सरकार	भौर 5,000/-			भारत सरकार	
	''फिल्म भवन''	रुपये कानकद			"फिल्म भवन" ं	
	24, डा०जी० देश	पुरस्कार (केवल			24, जी० देण मुख	<u>-</u> !
	मुख मार्ग,	पांच हजार रु०)			मार्ग, बंबई -26	
	बंबई-26				दादा साहेब फाल्के	
	निर्देशक				श्री पी० जयराज 593, 19वीं रोड,	''स्वर्ण कमल''
	श्री मणि कोल,	"रजत कमल"			593, 1941 राड, खार, बंबई-52	भ्रौर 40,00ó/- रुपये का नकद
	21 "चित्रकूट"	मौर 5,000/-			31() 444 52	पुरस्कार (केवल
	श्रल्टामाऊंट रोष्ड,	रुपये का नकद				घालीस हजार
	बंबई-26	पुरस्कार (केवल				रुपये) स्रौर एक
		पांच हजार रु०)				शाल ।
 सर्वोत्तम न्यूजरील 						
द्रेजिडी ग्राफ	कैमरा मैन					
गेंडी (श्राई० एन० :	आर०			विन	in 21 স্ <mark>র</mark> মীল 1981	
नं० 1657)			सं०	4/21/81-एफ	एफ डीयह एर	तत्द्वारा श्रधिसूचित
	(1) श्रीराज्	"रजत कमल"			। सरकार के फैसले	
	गोपाल राव श्रौर	भ्र ौर 5,000/-		-		: नये पुरस्कारको
	(ii) श्री एम०	रुपये का नकद				है कि निम्नलिखत
	पी० सिंहा फिल्म	पुरस्कार (केवल	व्यक्ति व	ो पुरस्कार दि	या जाए:	
	प्रभाग, भारत	पांच हजार)	* **********			
	सरकार ''फिल्म	बराबर बांटने के	कम सं०	_	पुरस्कार विजेता	पुरस्कार
	भवन"	लिए ।		और भाषा	कानाम	
	24 जी० देणमुख कर्मा कंटरिय		1. चलि	ात्र समाज ओ	श्री ग्रमितभा	रजत कमल
. ~	मार्ग, बंबई-26			जत राय	चटोपाध्या य	(सिलवर लोटस)
6. सर्वोत्तम भारतीय					फिल्म स्टडी	और 5,000/-
डे श्राफ दी डार्क	नि मी ता				सेंटर ग्रासनसोल	रुपये का नकद
सन (ग्रंग्रेजी)					(पश्चिम बंगाल)	पुरस्कार (केवल
	फिल्म प्रभाग,	"रजत कमल"			•	पांच ह जार
	भारत सरकार ''फिल्म भवन''	भौर 5,000/- रुपये का नकद				रुपमें का)
	ाभएम भवन 24, जी० देशमुख	रुपय का नकद पुरस्कार (केवल				डी० फ्र ल्णाराव,
	24, जाठ दशसस	पुरस्कार किवल				SELV MAKILLIALES.

विज्ञापन श्रौर दृष्य प्रचार निवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1981

सं० ए०-12011/26/80-एग्ज (ए०)---विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक श्री जे० एल० शर्मा को इस निदेशालय में 27-4-81 (पूर्वाह्म) से श्रगले ग्रादेश तक श्रस्थाई इप में वरिष्ठ कलाकार नियुक्त करते हैं।

> जनक राज लिखी, उप-निदेशक प्रशासन कृते विज्ञापन श्रीर ह० प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनाक 16 मई 1981

सं० ए० 19018/5/81-के० सं० स्वा० यो०-1--केन्द्रीय सरहार स्वास्थ्य योजना, इनाहाबाद से केन्द्रीय सरहार स्वास्थ्य योजना दिल्ली में प्रपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप डा० एम० बी० सिंह, ग्रायुर्वेदिक फिजिणियन ने 8 ग्रप्रैल, 1981 ग्रपराह्न को केन्द्रीय सरहार स्वास्थ्य योजना इलाहाबाद से ग्रायुवदिकफिजिशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 10 ग्रप्रल, 1981 ग्रपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली के ग्रिशीन ग्रायुर्वेदिक फिजिणियन के पद का कार्यभार संभाल लिया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० बी० सिंह को 10 ग्रप्रैल, 1981 ग्रपराह्न से केन्द्रीय सरहार स्वास्थ्य योजना में ग्रायुर्वेदिक फिजिणियन के पद पर ग्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राव, उप-निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 20 मई 1981

सं० 6-35/79-डी० सी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेणक ने केन्द्रीय श्रीपध प्रयोगशाला, कलकत्ता के अनुसंधान सहायक (फार्मास्ट्रिटिकल किमस्ट्री) श्री सी० एल० चौधरी को 25 स्त्रजल, 1981 के पूर्वीह्म से स्नागामी स्रादेशों तक उसी प्रयोगगाला में तकनीकी स्रधिकारी (फार्मास्युटिकल कैमिस्ट्री) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

श्रीमती पिषया भट्टाचार्य ने केन्द्रीय भ्रीषधि प्रयोगणाला कतकता से उसी दिन से तकनीकी श्रधिकारी (फार्मास्युटिकल कमिस्टी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> शिव दयाल, उप-निदेशक प्रशासन (स्टोर)

ग्रामीण पुर्नेनिर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 16 मई, 1981

सं ० ए०-19025/5/81-प्र० त० — संघ लोक सेवा घ्रायोग की संस्तृतियों के घ्रनुसार श्री वी० बालक्रण्णन, को इस निदेशालय के ग्रधीन मदास में दिनांक 10-4-81 (ग्रपराह्म) रा अगले श्रादेशहोने तक स्थानापन सहायक विषणन श्रधिकारी (वर्ग-II) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19027/2/80-प्र० त०—इस निदेणालय के अधीन फरीदाबाद में हिन्दी श्रिधकारी के पद पर श्री धनेण्वर प्रक्षाद बन्दूले, की तदर्थ नियुक्ति को 31 मई 1981 तक वढ़ाया गया है।

बी० एल० गनिहार, निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

भागा परमागु ऋतुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085दिनांक 15 मई 1981

सं० पी० ए०/76(3)/80-म्रार-III(i)— नियंत्रक, भाभा परमाणु मनुसंधान केन्द्र, स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री नारायण दामोदर पै को भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक लेखा म्रधिकारी पद पर 7 मार्च 1981 पूर्वाह्न से मन्निम भादेशों तक नियुक्त करते हैं।

ए० शान्ताकुमारा मे**र्मा**न, उप-स्थापना प्रधिकारी

कय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनां क 14 मई 1981

सं० ऋ० भ० नि०/2/15/80-स्थापना/10080—निवेशक, ऋग धौर भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी भंडारी श्री के० उन्ती कुमार को ग्रस्थायी छप से सहायक भंडार ग्रिधिकारी के पद पर ६० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-850-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन कम में 6 ग्रजैन, 1981 (पूर्वाह्म) से ग्रिपिम ग्रादेशों तक तदर्थ छा से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ , प्रशासन म्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैंदराबाद-500 016, दिनांक 20 मई 1981

सं० प० खा० प्र०-1/35/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेणक एतद्द्वारा श्री के० राजगोपाल को परमाणु खनिज प्रभाग में 13 मई, 1981 के पूर्वाह्म से लेकर अगले श्रादेश होने तक अस्थाई रूप संवक्षानिक श्रिधिकारी/श्रिभियंता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राय, वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा अधिकारी

पर्धटन एवं नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली दिनांक, 20 मई 1981

सं० ए०-32014/4/81-स्था०-I—मौसम विज्ञान के महानिरेणक भारत मौगा विज्ञान विभाग के निरुत्तिश्वित व्यावसायिक सहायकों को दिनांक 15-4-1981 से श्रागामी श्रादेशों तक इसी विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री एस० वेंकट रमणी
- 2. श्रीभ्रार० पी० कपूर
- 3. श्री बाई० एन० कानितकर
- 4. श्री वी० एम० मैध्यू
- 5. श्री भ्रार० एन० जालपुरी
- 6. श्री जी० रक्षित
- 7. श्री बी० रामाराय
- 8. श्री ए० के० दास
- 9. श्री भ्रार० डी० भ्रग्निहोत्नी
- 10. श्री के० वी० कुष्णम् ति
- 1.1. श्रीपी० मानिकम
- 12. श्री एम० वेंकटरमणी
- 13. श्री एच० सी० मल्होत्रा
- 14. श्री एन० एन० टंडन
- 15. श्री सी० ग्रार० चटर्जी
- 16. श्री सी० के० मणि
- 17. श्री एम० दास
- 18. श्री हरबंस सिंह-I
- 19. श्री एस० एम० रूद्रा
- 20. श्री ग्रुबब्स सिंह
- 21. श्रीजी० कृष्णम्ति
- 22. श्री एस० ग्रार० साहनी
- 23. श्रीवाई० एच० जोशी
- 24. श्री बी० नागर
- 25. श्री बी० नटराजन
- 26. श्री हरबंस सिंह-II
- 27. श्री के० एस० कृष्णमूर्ति
- 28. श्री एम० गोबिंद राजन
- 29. श्री ग्रार० लक्ष्मीनारायणन
- 30. श्री एस० वेंकटरमन
- 31. श्री जे० श्रार० बनर्जी
- 32. श्री एन० सी० विश्वास
- 33. श्रीके० सुन्द्रम
- 34. श्री के० सी० पंस
- 35. श्री एम० कल्याण
- 36. श्री के० एस० ऋष्णास्यामी
- 37. श्री एस० एन० सक्सेना
- 38. श्री एल० एघ० पीटरसन
- 39. श्री जी० ग्रार० स्वागीनाधन
- 40. श्री बी० एस०नागर
- 41. श्री के० गोगालन

- 42. थी वजीरगिंह
- 43. श्री जे० मी० गर्मा
- ात. श्री मिर्जा नवाव
- 45. श्री लारेंस जोसेफ
- 46. श्रीपी० ए० कामले
- 47. श्री धार० रामगुन्नगणियन
- 48. श्री बी० बी० दारा णर्मा
- 49. श्रीपी० जी० गवाई
- 50. श्रीपी० एम० गोंडोले
- 51. श्री रतन लाल
- 52. श्री आर० श्रशोक राज
- 53. श्री एन० ग्रार० वडनेप
- 54. श्री एच० धान
- 55. श्री एन० टिग्गा
- 56. श्री ई० राजू
- 57. श्री श्राई ० एम० नाइक

के० मु<mark>खर्जी,</mark> मौसम विज्ञानी (स्थापना) **कृते** मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का वार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1981

मं० ए०-32013/14/79-स्था०-1---राष्ट्रपति ने निम्न-तिखित उप-निदेशक/नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण को 18 मार्च 1981 से नियमित ग्राधार पर निदेशक, विमान निरीक्षण वैमानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है:---

र्त्र ० नाम सं०	नैनाती स्टेशन
सर्वेश्री	
1. के० एन० एस० ऋष्णन	निदेशक, विमान निरीक्षण, मुख्यालय
2. एस० पी० मार्या	निदेशक, वैमानिक निरीक्षण, क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नई दिल्ली ।
3. एस० एन० मर्मा	निदेशक, वैमानिक निरीक्षण, मुख्यालय

दिनांक 15 मई 1981

सं० ए० 19011/7/80-ई०-]—राष्ट्रपति ने उपनिदेशकः, नागर विमानन सुरक्षा को उपमहानिदेशक नागर विमानन का पदेन स्तर प्रदान किया है।

 तदनुसार, श्री एम० एल० भनोट, उपनिदेशक, नागर विमानन सुरक्षा, नागर विमानन विभाग में पद्देन उपमहा-निदेशक भी होंगे।

दिनांक 16 मई 1981

मं० ए० 12025/3/71-ई०-I (खण्ड-II) — महानिदेणक नागर विमानन ने श्री कृष्ण कुमार गर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 31-12-1981 तक था पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वी कि प्रदान की हैं।

विनांक 22 मई 1981

सं० ए० 32013/7/80-ई० I—इस विभाग की दिनांक 5 सितम्बर, 1980 की श्रिधसूचना सं० ए-32013/7/80 ई-I के कम में, राष्ट्रपति ने श्री जगदीण चन्द्र की नागर विमानन विभाग में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर की गई तदर्पनियुक्ति को दिनांक 16-2-81 से 17-3-81 तक जारी रखने की स्वीpनि प्रदान की है।

सुधाकर गुप्ता, उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1981

सं० ए 32013/10/80-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो संचार अधिकारियों को प्रस्येक के नाम के सामने
दी गई तारीख से छः मास की श्रवधि के लिए श्रीर अथवा
ग्रेड में रिक्तियां उपलब्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले हो,
वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त
किया है और उनके नामों के सामने दिए गए स्टेणन पर
तनात किया है।

र्का० नाम सं०	श्रतीमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
सर्वे श्री			
1. डी० वी० एस० डाहैया	र्वै० सं० स्टे∼ शन, ग्रगर-	वै० सं० स्टे- शन, कलक रा ।	30-3-81 प् व ह्नि
-	तला	stay to restr	रुगल्ल
2. बी० एम० बरारी		- वै०सं०स्टे- ग शन, कलकता	16-3-81 (पूर्वाह्न)

दिनाँक, 23 मई 1981

सं० ए० 32013/2/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्त-लिखित महायकों तकनीकी अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम सामने दी गई तारीख से 30-6-81 तक ग्रौर दिए गए स्टेशन पर तक्तीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है:--

ऋं० नाम सं०	वर्तमान तैनाती स्टेणन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यग्रहण करने की नारीख
1 2	3	4	5
सर्वेश्री		•	
1. सी० एन०	वै० सं० स्टे-	वै० सं० स्टे-	8-4-81
महादेव	शन पालम	शन, पालम	(पूर्वाह्न)
2. ग्रार० रामामूर्ति	—वही — -	वही -	8-4-81
•			(पूर्वाह्न)
3. के० जी० सुई	वै० सं० स्टे-	वै० सं० स्टे-	14-4-81
~	शन, हैंदरा-	शन, हैदरा-	(पूर्वाह्न)
	बाद	बाद	
4. एम० जी०	नागर विमा-	नागर विमा-	10-4-81
सुदर्शन	नन प्रशिक्षण	नन प्रशिक्षण	(पूर्वाह्न)
-	केन्द्र,	केन्द्र,	
	इलाहाबाद	इलाहाबाद	
5. एम० वी०	वै०सं०स्टे-	वै०सं०स्टे-	16-4-81
रमणन्	शन, मद्रास	गन, मद्रास	(पूर्वाह्न)
 ए० राजगोपालन् 	र्वै० स० स्टे-	घै ० स० स्टे-	16-4-81
	शन, बम्बई	शन, बम्बई	(पूर्वाह्व)
7. मुखस्यार सिंह	वै० सं०स्टे-	वै० सं० स्टे-	23-4-81
-	शन, स्रीला-	शन, गोहाटी	(पूर्वाह्म)
	बाड़ी		

दिनांक मई 1981

सं० ए०-31014/1/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित ध्रिधिकारियों को दिनांक 1-4-1981 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में सहायक तकनीकी ध्रिधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है:—

ऋं० नाम सं०	तैनाती स्टेशन
1 2	3
सर्व श्री 1. के० जी० लुईस 2. एम० वी० रमणन् 3. ए० राजगोपालन 4. मुखत्यार सिंह 5. ग्रार० राममूर्ती	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद वै० सं० स्टेशन, मब्रास वै० सं० स्टेशन, बम्बई वै० सं० स्टेशन, गोहाटी वै० सं० स्टेशन; पालम
5. ग्रार० राननूता6. सी० एन० महादेव7. एम० राघवन8. एम० ए० राव	वै० सं० स्टेशन, पालम वै० सं० स्टेशन, बम्बई वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता

1 2	3	1 0	_
सर्वं श्री	-	1 2	3
9. सरजीत सिंह	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	सर्वश्री	
10. सिरिल हुम्न	वै० सं० स्टेगन, हैदराबाद	45. ए० के० मिश्रा	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र,
11. एम० पी० सामा	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र,	201 41 11 11 11	इलाहाबाद
	इ लाहाबाद	46. भार० श्रीनिवासन	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
12. एस०के० भटट्यांचार्यं	वै०सं० स्टेशन, भ्रप्नतला	4.7. कें ० जी ० जोजफ	वै० सं० स्टेशन, कोचीन
13. एच० एस० सरना	रे० नि० एवं विकास एकक, मई दिल्ली	48. एच० सी० तिवाड़ी	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र,
14. एन० एस० प्राप्टे	वै ० सं० स्टेशन, भावनगर	49. के० बी० क्रुपलानी	इलाहाबाद वै० सं० स्टेशन, बम्बई
5. भाई० एम० कृष्णन्	वै० सं० म्टेशन, मदुरै	50. बी० के० मुक्कर्जी	वै० सं० स्टेशन, कलकता
6. के०सी० देवगुण	रे० नि० एवं विकास एकक,	51. ए० सी० वसा	वै० सं० स्टेशन, कलकता
u	नई दिल्ली	52. भाषीदास मुखर्जी	वै० सं० स्टेशन, फलफला
.7. वी० पी० नारंग	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली ।	53. एस ० सी० घोष	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई विल्ली ।
8. एस० एस० नेपल्ली	वै० सं० स्टेशन, मलकता	54. एस० एस० पाराशर	नक्ष । परला । वै० सं० स्टेशन, नागपुर
9. ए० के० डे	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	55. टी० वी० गोपालकृष्णन्	वै० सं० स्टेशन, कलकता
0. मार० विद्ठल सिंह	वै० सं० स्टेशन, बंगलीर	56. सी० म्रार० दासगुप्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकसा
1. टी० एन० विश्वनायन्	वैमानिक संचार स्टेशन,	57. एम० भे० चक्रवर्ती	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता
r	कोयम्बट्र	58. एस० पी०चक्रवर्ती	वै० सं० स्टेशन, कलकता
2. पी०सी० जैन	स्टाक टेकिंग पार्टी, नियंत्रक,	59. एम० बी० गजभिए	वै० सं० स्टेशन, गोहाटी
,	केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो,	60 एन० एस० सपरे	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
	नई दिल्ली	61. बी० एस० बनशी	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो स्टोर
3. विश्विक शर्मा	वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली	• • •	डिपो, नई दिल्ली
4 हरभगवान	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	62. सी०पी० राव	बै० सं० स्टेशन, केशोव
5. टी० डी० शर्मा	वै० सं० स्टेशन, पालम		
8. एम० के० चटर्जी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता		प्रेमचन्द,
7. पी० के० सेनगुप्ता	वै० सं० स्टेशन, रां ची		सहायक निदेशक प्रशासन
8. जी० डी० कुलकर्णी	वै० सं० स्टेशम, बम्बई		
 राय चन्द 	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली	नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1981	
0. प्यारा सिंह 🖰	वै० सं० स्टेशन, भ्रमृतसर		o-६० एस०महानिदेशक नागर
1. इन्त्रजीत शर्मा	वै० सं० स्टेशन, गया		० शिन्दे, ग्रधीक्षक को दिनांक 1
2. टी• ग्रार० मेनम	वै ० सं० स्टेशन, कलकत्ता	ग्रप्रैल, 1981 पूर्वाह्म से छ	: मास की ग्रवधि के लिए क्षेत्रीय
3. जी० एस० कोचीकर	वै० सं० स्टेशन, इम्फाल		एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय में
4. के० एस०बलासुब्रह- मण्यम	र्वै० सं० स्टेशन, बम्बई	तवर्ष ग्राधार पर प्रशासी के पद पर नियुक्त किया है।	नेक श्रधिकारी (समूह "ख" पद)
 मनोहर सिंह 	वै० सं० स्टेशन, भ्रहमदाबाद		ूजे० सी० गर्गै,
6. पी० एम० नायर	नियंस्नक, केन्द्रीय रेडियो भंडार		सहायक निदेशक प्रशासन
	ष्ठिपो, नई दिल्ली	Coffeen mi à	खा परीक्षा निवेशालय
7. एम० बी० रंगनाथम	वै० सं० स्टेशन, तिरुपति	•	
8. एष० एस० शर्मा	वै० सं० स्टेशन, पालम		ुकेन्द्रीय उत्पादन शुरुक
9. वाई० पी० भाटिया	र्वै० सं० स्टेशन, लखनऊ	नई दिल्ली, दि	नांक 23 मई 1981
0. बी० झार० राव	वै० सं० स्टेशन, बस्यई		सी० भाटिया ने, जो पहले सहायक
1. बी० कृष्णमूर्ति	वै० सं० स्टेशन, मद्रास		यर, के पद पर तैनात थे, राजस्य

पहले सहायक नारकोंटिक्स आयुक्त, ग्वालियर, के पद पर तैनात थे, राजस्य विभाग के दिनांक 24-3-81, श्रादेश सं० 41/81 (फा० सं॰ कः 22012/33/81-प्रशा॰-II) द्वारा स्थानांतरण होने पर, विनांक 1-5-81 (पूर्वाह्म) से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा

42. एस० एन० सिंह

43. एम० के० गौरे

44. डी० एन० विश्वास

वै० सं० स्टेशन, वाराणसी

वै० सं० स्टेशन, बम्बई वै० सं० स्टेशन, कलकला निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरुक, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण श्रिधकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस० बी० सरकार, निरीक्षण निवेशक ।

केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-1100-22, दिनांक 21 मई 1981

सं० ए०-1901 2/904/81-स्था० पाच--- अध्यक्ष, केन्द्रिय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सकने विखाई गई तारीखों से अतिरिक्त सहायक निवेशका/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में रूप 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-रा० रो०-40-1200 के केतनमाम में छः महीने की अवधि के लिए अथवा इन पर्धों के नियमित आधार पर अरे अभने तक्क, जो भी पहले हों, पूर्णतथा अस्थाई तथा तदकी आधार पर नियुक्त करतें हैं:---

अं० ग्रक्षिकारी का ग्रितिरिक्त सहायक जहां प्रस्थापित सं० नाम तथा पदनाम निदेशक/सहायक किए गए हैं । इंजीनियर के रूप में कार्यकार ग्रहण करने की तारीख

10-3 -8 1	सी० एस० एम॰
(पूर्वाह्न)	म्रार० एस०
11-3-81	एच० सी० डी०-2
	निदेशालय
	(पूर्वाह्म) 1 1- 3-8 1

दिनांक 22 मई 1981

म् द्विपस

सं० ए०-19012/291/8०-प्रशा० पांच--ग्रिधसूचना सं० ए०-32014/1/80-प्रशा०-पांच दिनांक 29 दिसम्बर, 1980 के क्रम सं० 4 पर उल्लिखित श्री राजेन्द्र प्रसाद, पर्यविक्षक से संबंधित ऋतिस्कित सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यमार ग्रहण करने की तारीख ध्रर्थात् 10-11-80 को 3-11-80 पढ़ा जाय।

ए॰ भट्टाचार्य, ऋवर सचिव

रेल मजालय (रेलवे बोर्ड) नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1981

सं० 79/ई० की॰-1/1500/8— सर्वसाधारण की सूचना हेतु एसदहारा प्रधिसूचित किया जाता है कि 1-2-1981 से गुन्त- कल्लु (रहित)-नंडयाल (सहित) खंड को दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाडा मंडल के श्रिष्ठकार-शेंत्र से उसी रेलके के गुलाकल्लु मंडल में अन्तरित कर दिया गया है। अब गुलाकल्लु मंडल का श्रिष्ठकार क्षेत्र नंडयाल (सहित) तक बढ़ जाएगा और निजयवाड़ा, मंडल का श्रिष्ठकार क्षेत्र उतना ही कम हो जाएगा।

यह सम्बन्धिकान इस्तं क्षेत्रक में परिचालकान: क्षुशकालक में सुधार के क्षिणक् रेंसके के क्षिण प्रतिदिन के क्षणकालक के क्षिण में किया गया है।

हिल्मता सिंह, समित्र, रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त समित्र ।

विधि, न्यायः **एवं काम्य**नी कार्य संत्रालय (काम्पनीं कार्य" विभाग) काम्पनीः लां_ट बोड[‡]

कम्पणिको के विकास का अवस्थित

कम्पनी अधिनियम 1950 भीर लिमिटेड के विषय में

नई किल्ली, विनाम, 20 मई 1981

ग्रिधिसूचना सं० 603/9903 — कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में इतच्छार सूचना दी जाती है कि मैं दिस्ती मैंडिसन सिडीकेट ग्रा० लिमिटेड का नाम ग्राफ रिपस्टर से काट दिका गया है और उक्त कम्पनी विविद्ति हो गई है।

कम्पनी ब्राधिनियम 1956 और लिमिटेड के किया में

मैं॰ राष्ट्रीध्य स्माहित्य निकेतन लि॰ नई विल्लीः, विन्तंकः 20 मई 1981

ग्रधिस्चना सं 0 1060/9899—कम्पनी ग्रविनियम १७56 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में इतकृतर स्चना दी जाती हैं कि राष्ट्रीय साहित्य भिकेतम लिनिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काष्ट दिया गया है ग्रीर उपक करनी विघटित हो गई है।

कम्पत्ती ऋधिनिममः 1956 और लिमिटेड के विषय में नई किल्ली किनोक 20 मई 1981

श्रिधसूचमा सं० 1377/9894--- कम्पनी श्रीविन्धम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुकरण के एकद्वारक सूचना दी जाती है कि मैं० पील तील खुरामा एंड कावर्स शाल लिल का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया स्था है और उपछ कम्पनी विषटित हो गई है।

> ही० एन० पेगू, सहायक रजिस्ट्रार ऑफ़ सम्मानीज, दिल्ली ।

क्रमणी क्रांक्रिक्सम्, १ 9% क्रोपि सी० गलेक्सी फाइसोंस एंड क्रिट फंड प्रा० लिसिटेड के विषय में।

वई बिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

श्रीवस्त्रना स॰ 3827/9662—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रानसरण में एतप्छारा यह सूचना बी जाती हैं कि इस सारीब से किन मास के ग्रवसान पर मैसर्स गलेक्सी क्षाइनेंच एंड चिट मंड प्राईबेट लिमिटेड का नाम इसके ग्रातिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से बाट विद्या जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विधर्टित कर वी

> हु० अपडनीय सहासमः सम्मती रिक्स्ट्रार, विल्ली एवं हरियाणा ।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रौर सिमका आटो प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

ग्रिधिसूचना सं० एव/6320—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रमुसरण में एतव्द्वारा सूचना दी जाती है कि सिमका ग्राटो प्राईवेट लि० का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और मेसर्ज गुड़नामा प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

अधिसूचना सं० 7276—कम्पनी ग्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतवृद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गुड़नामा प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशास न किया गया सो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर बंसत टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में 1

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

अधिसूचना सं० 9455 कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपघारा (3) के श्रनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर बसंत टी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पमी क्रिकिमियम, 1956 और यमुना ही क्रिकी आङ्केट लिमिटेड के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

अधिमूलमा सं० 7456 काम्पनी श्रिधनियम, 1956 की धारा, 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर यमुना टी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति-भूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अभिनियम, 1956 भीर मैसर्स रेड्डी प्रैस आफ़ इंडिया प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिलांक 20 मई 1981

अधिसूचना सं० एच-2506—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्स रेड्डी ग्रेंस श्राफ इंडिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

जी० बी० सक्सेना, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर राज एंड राज लिमिटेड के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 19 मई 1981

सं० 608/एल० सी०/4184—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृद्धारा सूचना दी जाती है कि राज एंड राज लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

> वी० पी० कपूर, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उ० प्र०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्रीरियन्ट मिनरल्स एंड ट्रेंडर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, विनांक 14 मई 1981

मं० एस० ग्रो०-563/81—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्रीरियन्ट मिनरल्स एंड ट्रेडर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया जाए तो रिज- स्टर से काट दिया जाएगा धौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० मील, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ओड़िसा, कटक

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और नेशनल चिटफंड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, विनांक 7 मई 1981

अधिसूचना सं० 1774/560(5)/81—कम्पनी ग्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनसरण में एतवृद्वारा सूचना दी जाती है कि नेग्रनल चिट फंड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> एच० बनर्जी, कम्पनियों के सहायक रिजस्ट्रार, तमिलनाडु

कार्यालय भायकर भायकत

रोची, विनांक 1 ध्रप्रैल 1981

सं० सं० प्रशा०/सा०-30/78-79—इस कार्यालय की सम-संख्यक श्रीधसूचना दिनांक 21-4-1979 का श्रीशिक संशोधन करते हुए, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, विशेष परिसेंग्न, रांची को श्रव से "निरीक्षी सहायक, श्रायकर श्रायुक्त, निर्धारण परिक्षेत्र, रांची" से श्रीभहित किया जाएगा ।

> ण० भा० राठी, ग्रायकर ग्रायुक्त, राजी

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 15 मई 1981

सं० ए० एस० आर०/81-82/52 — यतः मुझे, म्रानन्य सिंह, मार्ह० मार० एस०

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व० से प्रथिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो विजय नगर ग्रम्तसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 19) के ग्रधीन, विनांक सिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उन्त धिक्षियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीए/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूषिका के लिए;

अतः भ्रम, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त भिविनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भिन्नीत निम्नितिबत व्यक्तियों, भर्यात:— श्री गुरजीत सिंह पुत्र श्री सरमुख सिंह, वासी बाजार अवांक मण्डी अमृतसर गली जमुआ, मकान नं० 1249/VI

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री जसवन्त सिंह पुत्र गुरबचन सिंह, वासी चौक चब्तरा, मकान नं० 2168, गुजरां स्ट्रीट, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसां कि ऊपर सं० नं० 2 श्रीर किरायेदार यदि कोई हो।
 - (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पुराना मकान प्लाट नं० 5 ग्रौर 6 मिन खसरा नं० 421 मिन जो निजय नगर, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर के सेलग्रीड नं० 5218 दिनांक 14-9-80 में दर्ज है।

> ग्रानन्य सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, अमृतसर

तारी**ख** 15--6--81 मोहर: प्रक्रम आइं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर अमृतसर, विनांक 15 मई 1981

सं० ए० एस० श्रार०/81/82/53—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/रुट से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक फैक्ट्री सैंड है सथा जो तरन तारन रोड, श्रमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर 1980

को धूर्वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिक का के लिए अस्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विषवास कर्मने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन निम्मलिखित उच्चेश्य से उक्त अस्तरण निस्ति में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का -27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भक्त: अच्च, उच्चत अधिनियभ की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात्:-- श्री महिन्द्र सिंह मृतवना पुत्र श्री किशन सिंह श्रीमती शाम कौर विधया श्री किशन सिंह, श्रीणायव सिंह पुत्र सन्त सिंह, श्रीमती रछपाल कौर विधया सन्त सिंह, इन्द्रपाल सिंह, गुरशरन सिंह, हरवीप सिंह, रिजन्द्र पाल सिंह, पुत्रान प्रजायव सिंह, वासी चौक मोनी, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री मुरारी लाल बत्तरा पुत्र श्री मदन लाल, वासी चाटीविण्ड गेट के बाहर, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. क्रीसाकि कपर संघ मं० 2 क्रीर किरावेदार यदि कोई हो?

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में क्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्पृत्ति के अधीन के जिल्हा कार्यभातियां अधिक हो।

जक्त समारित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) 'इस सूचना के राज्यक की प्रकारक की सार्यक की अविकास की कार्यक की अविकास कर कार्यक की की कार्यक कार्यक की कार्यक कार कार कार कार कार्यक कार कार कार कार कार कार कार का
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिक से 45 किन के शीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित्बहुध किसी जन्म व्यक्ति इतारा जधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--अस्सभै अयुक्त सम्बर्धे -शौर पत्नों का, श्रो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्स् भी

1/2 हिस्सा आफ़ प्रापर्टी नं० 2392 /1617 मिन खाना शुमारी नं० 3157 /14-25 जो बैसन चाटी पिण्ड गेट में स्थित है जैसा कि एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सेल डीड नं० 1708 दिमाक 1-9-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम घिषारी सहायक घायकर धाणुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3 चन्त्रपुरी, टेसर रोड, ग्रमृतसर।

तारीख: 15-5-81

भोहर :

प्रकार प्राचीक देरीक एकक एकक ---

भाषनर **महिनियम, 1961** ((1961 फा 43) की भारा 269-म ('1') के असीन सुमान

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भ्रमृतसर अमृतसर, विनांक 15 मई 1981

सं॰ ए॰ एस॰ श्रारः /81-82/54—यतः, मुझे, भानन्द सिंह,

भागवर व्यक्तिकान, 1981 (1981 का 43). (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उन्त अधिनियम' नहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का मारण है कि स्थावर सम्पन्धि, जिसका उचित याजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है मौस जिसकी सं० एक फैक्ट्री गैंड है तथा जो तरन तारन रोड, प्रमृत्वस में स्थित है (और इससे उपाव्य अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूक से बंजित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1981

का 16) क प्रधान, विनास सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित राजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्ष्म भी किए अन्तरित की गई है भी र मुझे यह विश्वास करने का कालक हैं कि अन्वपूर्वोक्ता सम्मति कह खिलत बाजार मूल्य, उसते वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्वरण के लिये वय पाया गया प्रतिग्रस, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरक लिखित में वानावित करने के तथित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरग में हुई किसी आय की बाबत सक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत धिसिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तिस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानक काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

जतः अच, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपकारत (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः :--

1. श्री मिहन्द्र सिंह मुतबता श्राफ़ श्री किशन सिंह, श्रीमती शाम कौर विधवा श्री किशन सिंह, श्री श्रजायब सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह, श्रीमित रखपाल कौर विधवा सन्त सिंह, इन्द्रपाल सिंह, गुरशरन सिंह, हरदीप सिंह, श्रीर रिजन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री श्रजायब सिंह वासी चौक मौनी, श्रमृतसर।

(अम्लरकः)

 श्रीमती बिमला बतरान पत्नी श्री मुरारी लाल, वासी बैखन चाटिविण्ड गेट, ग्रमृतसर।

(ग्रन्सरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 और किरायेवार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है), और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरीः जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसकद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के झजंन के लिए कार्यमाहिता करता हूं ।

प्रका सम्मक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई: भी आबेक :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राथपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से, 4.5. दिन के घीतर उकत स्थावर सन्पत्ति में क्षिणक्य किसी अन्य व्यक्ति क्षाय, प्रक्षोक्त्याकरी के पास सिखित में किए जा सकों ।

स्वव्दीकरण :--इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याध्य में विस्ता स्था है।

धन् सूची

1/2 हिस्सा श्राफ़ प्रापर्टी नं० 2399/1617 मिन खाजा श्रुमारी नं० 3157/14-25 मिन जो बैखन चाटीविण्ड गेट, में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी से सेल डीड नं० 1709 दिनांक: 1-9-80. में दर्ज है।

श्राचन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3, चन्द्रपुरी, टेलर रोड, ऋकृतसर

दिनांक : 15-5-81

मोहर:

प्ररूप भाष्ट्रं. टी. युन्, एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंण 1 , विल्ली

मई निल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/I/एस० भ्रार०-III/9-80/ 1333—भ्रतः मुझे बिमल विशष्टः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव नैव सराय तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर 1980 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है !—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अथीत् :--- श्री खेल सिंह पुत्र ठोक राम० (1/3), हरकरन चन्द्र सुपुत्र कैन्या 1(1/3) रिचपाल सिंह तथा तारा चन्द्र मै०श्रीचन्द्र पुत्र खूबा ग्रालिग्रारा (1/3,) निवासी गांव नैव सराय नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. श्री ग्ररूणा मैथाई चाकू पुत्र स्वर्गीय श्री वोमैथाई चाकू निवासी-82, उदय पार्क, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्वीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वनुसूची

1/2 सेर कृषि भूमि इलाके का 5 बीगा भौर 5 बिशवा, किस्सा नं० 255(1-9), 256 (3-16) जो भ्रांव नेभ सराय, तहसील महरौली नई दिल्ली में है।

बिमल विशिष्ट, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंम रेंज 1 नई दिल्ली-110002

तारीख 21-5-1981 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजेंन रेंज I

नई दिल्ली-110002, विनांक 21 मई 1981

सं० घाई० ए० सी/एनयू/1/एस घार-III/9-80/1334:—
ग्रतः मुझे बिमल वशिष्ड
आयकर धिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के श्रधीन सकाम श्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य
25,000/- रु॰ ये श्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भुमि है तथा जो गांव नेभ सराय तहसील महरौली नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के तृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्यत प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल का पे किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीक्शिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त श्रिधिनियम, या श्रम-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री जेल सिंह पुत्र श्री ठोक राम (1-3) हर करण चन्द्र पुत्र श्री कन्यैया (1-3) रिचपाल सिंह तार चन्द्र मेंचन्द्र पुत्र खूबा भ्रालिश्राण (1-3) निवासी गांव नेभ सराय नई दिल्ली।

(मन्तरक)

 श्री श्ररूणा मैथाई चाक पुत्र स्वर्गीय श्री वी० मैथाई निवासी-82, उदय पार्क नई दिल्ली।

(प्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन्द्रप्रध्याय में वियागया है।

प्रनुसूची

1/2 सेर कृषि भूमि इलाके का 5 बीगा, श्रौर 5 बिसवा किला नं० 255 (1-9), 256 (3-16) जो गांव नेभ सराय शहसील महरोली नई दिल्ली।

िबमल विशिष्ट सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली।

तारीख 21-5-1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू/एस० मार०-39-80/ 1241—मत: मुझे, बिमल विषष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव महरौली चहुसील महरौली नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1980

को प्रमुक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :- श्री राम प्रशाद सुपुत्त राम मोहर निवासी लाडो सराय नई दिल्ली।

(भन्तरक)

 श्री महिन्द्र प्रताप सिंह सुपुत्र स्वर्गीय सरदार प्रताब, सिंह निवासी पंचशीला पार्क नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

आधा भाग किष भूमि का जिस का क्षेत्रफल 12 बिगहा और 12 बिसवा, एम० नं० 78, किस्ला नं० 1(4-16), 10(4-16) 11(3-0) गांव महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> बिमल विशिष्ट, सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ^{क्ष} (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, I दिल्ली

तारीख 23-5-81 मोहर:

प्रकप माई० टी० एन०एस

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मिश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I

नई दिल्ली-110002, विनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू/एस० श्रार०-3/9-80/ 1242 श्रतः मुझे बिमल विशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या किष भूमि है तथा जो गांव महरौली तहसील महरौली नई दिल्ली है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रम्तरक (श्रम्तरकों) श्रीर धन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तविक छए से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व में कमी करन या उससे बचने में बुविधा के लिए; श्रीर/पा
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 209-ग के प्रतुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीं राम प्रशाद सुपुत्र श्री राम मेहर निवासी गांव लाडो सराय तहसील महरौली नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री महिन्द्र प्रताप सिंह सुपुत्र स्वर्गवासी सरवार प्रताब सिषं निवासी पंचशील पार्क नई दिल्ली। (ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के **प्रजैन के लिये** का**र्यवाहियां करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्भ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:---इसर्में प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

श्राधा भाग कि भूमि का जिस का क्षेत्रफल 12 बिगहा और 12 बिसवा और जो एम॰ नं॰ 78, किला नं॰ 1 (4-16), 10(4-16) 11(3-0) गांव महरौली तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है।

विमल विशिष्ट सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I दिल्ली ।

तारीख 23-5-1981 मोहर:

प्रकृप आइ. टी. एन. एस. ----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० माई० ए० सीं०/एक्यू०/एस० मार०-3/9-80/ 1214 मत: मुझे बिमल विभिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता धिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण घिधनियम, 1908 (1908 का 16) के घाषीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित कन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अश्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अधीत:—

1. सर्वश्री लाल चन्द, श्री चन्द, शयो चन्द सुपुत्र श्री चमन लाल निवासी गांव कापसहेरा, तहसील महरौली नई विस्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री परवीन जैन सुपुत्र मानक चन्द जैन निवासी सी-2/54 सफदरजंग निकास एरिया, नई दिल्ली। (ध्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, ओ भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रापा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 26 विघा, ग्रीर 1 विसवा है ग्रीर जो कि खाता नं० 186 पुराना खसरा नं० 114 ग्रीर नया खसरा नं० 193 मिन, गोव विजयासन तहसील महरौली, नई विल्ली।

> धिमल विशिष्ठ, सक्षम घधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I दिस्ली

तारीख:23-5-81

मोहर:

प्ररूप आह. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई 1981 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ एस० श्रार०-3 /9-80-1216. -श्रतः मुझे, विमल वसिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन, तहसील महरीली नई देहली है (ग्रीर हससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उपत अधिनियम की धारा 269-भ की उरशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- 1. श्री लाल चन्द, श्री चन्द, शयो चन्द सुपुत्र चमन लाल निवासी गांध कापसहरा तहसील महरौली नई देहली (अन्तरक)
- 2. श्रीमती मंजू जैन पत्नी रमेश जैन निवासी सी-2/54, एस०डी० एरिया, नई देहली (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

यम्सूची

श्राधा भाग कृषि भूमि में जिस का क्षेत्रफल 13 विधा श्रीर 10 विसवा खाता न: 375, पुराना खसरा न० 113, नया खसरा न० 193 मिन, गांव विजवासन, तहसील महरौली, नई बेहली

> विमल बसिष्ट सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

आयंकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार। 269-थ(1) के ब्रह्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- I,

नई दिल्ली, तारीख 23 मई 1981.

निर्देश सं०ग्नाई०ए०सी०--एक्यू०--एस०ग्रार०-3/9-80/

1215.— श्रतः मुझे, विमल विसिष्टः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक ह

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन तहसील महरौली नई देहली है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख सितम्बर 1980. को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित्त बाजार पूर्य से कन के पृथ्यमान प्रतिकत के निष्ण अन्तरित की गई है और मुखें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्त बाजार पूर्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रष्ट श्रितात से अधिक हे और प्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिक का निम्निविखित बहेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक का में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या

अतः, जन, उनत अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) धादीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— सर्वेश्री लाल चन्द, श्री चन्द, शयो चन्द सुपुद्र चमन लाल निवासी गांव कापस हेरा नई देहली

(म्रन्तरक)

2. श्री रमेश जैन सुपुत्र श्री मानक चन्द निवासी सी-2-54. सफदरजंग विकास एरिया नई देहली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्व त्वास्तृति के धर्णन के विए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोद्द्रताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों भा, को उक्त अधिनियम के ब्रह्माय 20-क में परिकाषित हैं, वही भये होगा, जो उस मझ्याय में दिया गया है।

यनु**स्ची**

कृषि भूमि का ई भाग जिसका क्षेत्रफल 26 बिगहा श्रीर 1 बिसवा है खाता नं० 186, पुराना खसरा नं० 114 श्रीर नया खसरा नं० 193 मिन, गांव बिजवासन तहसील महरोली, नई दिस्ली में स्थित हैं।

> विमल वसिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), वर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-5-1981.

मोहर:

269- (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भर्षन रेंज-1, नई विस्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 23 मई, 1981

मिर्वेश-सं० भाई० ए० सी० /एक्यू०/एस० श्रार०-3/9/ 80-1382---भतः मुझे, विमल वसिष्ट,

बायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त किशिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जथीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से विश्वह है।

प्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव खानपुर तहसील महरौली नई देहली में है (ग्रीर इससे उपाबदा अनैसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीम तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का शिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का शिवास बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्तह प्रतिकृत से प्रधिक है और बन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित खेश से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत उकत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिष्ट; भौर/या
- (क) ऐसी किसी न्नाय या किसी धन या अन्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय न्नायकर न्निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त न्निधिनयम, या धनकर न्निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के न्निधिनामं सन्तरिती द्वारा न्नकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूषिमा के लिए;

भवः, भवः, उक्त प्रवितियम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, मैं, उक्त प्रवितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रवीत, निक्तिविति क्यक्तियों, प्रयत्ति:—— श्री एम० के० जैन सुपुत्र श्री फतह चन्ध जैन निवासी सी-41, ग्रीन पार्क, नई देहली

(भ्रन्तरक)

2. श्री जे० सी० खनडेलवाल सुपुत्त श्री गौरी शहजी, सी-1/33 एस०डी०ए० नई देहली

(भ्रन्तरिती)

को यत् सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए शुँजा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इ ामें प्रयुक्त जन्धों भीर पदों का, जो उक्त अधि-निथम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होमा, जो उप प्रश्वाय में दिशा गय। है।

प्रमुस्ची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 4 बीघा धौर जो कि आसरा नं० 231 मिन, गांव खानपुर, तहसील महरौली। नई देहली में स्थित हैं।

> विमल वसिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-5-81

मोहर :

प्ररूप बाई ० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर भाष्यक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-I, नई विस्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1.981.

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०--एस० ग्रार०-3 9-80--1344----ग्रतः मुझे, विमल वसिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

भीर जिसकी सं०

कृषि भूमि है तथा जो गांव श्राया नगर नई देहली में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1980.

को पूर्वों क्स सम्पित्त के उक्ति बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पित्त का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा का लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिम्बित् कार्किनयां अर्थात्:---

1. श्री खजान सुपुत्र छाजवा निवासी गांव श्राया नगर तहसील महरौली नई देहली

(भ्रन्तरक)

2. दी विल्लेज हट, एच-39, ग्रीन पारक एक्स-टैनगन नई देहली

(शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

1/6 कुषि भूमि का भाग, क्षेत्रफल 28 बिगहा श्रौर एक बिसवा खसरा नः 1792/1(1-17), 1793/1 मिन (3-15), 1848/3(0-4), 1820/1 (1-18), 1821/2 (3-11), 1844/2(3-11), 1845/2 (2-9), 1552/3(1-6), 1553/1 (2-4), 1554/1 (2-4), 1555/2 (1-3), 1884/1 (2-4), 1885/3 (0-12), 1883/3 (1-3) श्रौर $\frac{1}{4}$ भाग 1871 मिन (4-0), में जो कि गांव श्राया नगर नई देहली में स्थित है।

विमल वसिष्ट यक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-I, नई दिल्ली

नारीख: 21-5-1981.

मोहर -

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, तारीख 21 मई 1981.

निर्देण मं० ग्राई०ए०मी०/एक्यू०/एस०ग्रार०-3-9-80/

1247--- ग्रतः मुझे, विमल वसिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं०

कृषि भूमि, है तथा जो गांव श्रायानगर तहमील महरांली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रिजण्ट्रीति अधिकारी के वार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख सितस्बर, 1980

कां पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उजित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिकक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री मुनो राम व मूल चन्द सपुत्र श्री मंगत निवासी गांव ग्राया नगर तहमाल महरौली नई देहली। (भ्रन्तरक).

2. दी विस्लेज हट, एच-39 गरीन पार्क, एक्सटैनशत नई दिल्ली जरीये श्री एम०सी०गुप्ता। (अन्तरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्द सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 4 बिगहा खसरा नं 1863/1 (3—0), 1870/3 मिन (1-0) गांव आया नगर, तहसील महरौली नई देहली।

विमल वसिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्राधकर श्राधुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज्-ा, नई दिल्ली

अतः अय, उन्न अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

नारीख: 21 मई 1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, एच० ब्लान्त० (आई०पी०ईस्टट)

नई दिल्ली, तारीख 21 मई 1981

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी० एक्यू० एस० ग्रार०-3 9-80 1251 ग्रतः मुझे, विमन वसिष्ट ग्रीर

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्चित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०

कृषि भूमि है तथा जो गांव ग्राया नगर तहसील महरौली नई देहली है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित म्यक्तियों अर्थात्:-- श्री—मुनी राम व मूल चन्द सुपुत श्री मंगत निवासी गांव ग्राया नगर तहसील महरौली नई देहली। (ग्रन्तरक)।

2. दी विल्लेज हट, एच० 39, ग्रीन पारक एक्सटैनगन, नई देहली जिरये श्री एम० सी० गुप्ता (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर, सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 4 बिगहा खसरा नं० 1858(3-18), 1364-2 मिन (0-2), गांव आया नगर तहसील महरौली, नई देहली।

बिमल वसिष्ट सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख** 21 म**ई** 1981। मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याश्वयः. सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज, एव० ब्लाक्त०, (प्राई०पी०ईस्टेट) नई दिल्ली, तारीख, 21 मई 1981 निर्देश संब्याई०ए०सी०-एक्य०-एसब्ब्यार०-3, 9-80-1407.--प्रतः मुझे, विमल बसिब्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं०

प्रिष भूमि है तथा जो गांव श्राया नगर तहसील महरौली नई देहली है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकत श्रिधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिशीन तारीख सितम्बर 1980।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के एर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिकल से, एसे एर्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिसित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिसित में वास्त- बिक कप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वास्तिय में कभी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री सोहन लाल सुपुत्र थादु निवासी गांव श्राया नगर नई देहली। (श्रन्तरक)

2. श्री, श्रीमती मारी दी विल्लेज हट, एच-39, ग्रीन पारक एक्सटैनशन नई देहली।

(भ्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः - असमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 3 बिगहा 1 बिसवा खसरा नं 770-1-(1-11), 772-2 (1-10), जो कि गांव ग्राया नगर तहसील महरौली नई देहली में स्थित है।

विमल वसिष्ट सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रोंज, जालन्धर । दिल्ली, नई दिल्ली—110002।

अतः अत्र, अन्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः--

तारीख: 21 मई 1981।

मोहर:

प्रकृप बाह्रे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-, एच ब्लाक, विकास भवन (श्राई०पी०ईस्टेट) नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०-एन्यू-एस०ग्रार०-3, 9-80-1408---ग्रत: मृष्टे, विमल वसिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं आधिक है

म्रौर जिसकी सं०

कृषि भूमि है तथा जो गांव श्राया नगर नई देहली में स्थित है(और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन नारीख सितम्बर 1980

को पृथा कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिंतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृदम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री— सोहन लाल सुपुत्र श्री यादु निवासी गांव आया नगर तहसील महरोली नई देहली।

(भ्रन्तरक)

2. दी विल्लेज हट, एच०-39, ग्रीन पारक एक्सटैन शन, नई देहली।

(भ्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पछ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 5 विगहा भौर 5 विसवा है खसरा नं० 771-2, गांव भ्राया नगर, नई देहली।

> (विमल वांसष्ट) सक्षम श्रिष्ठकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 21-5-81

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, एच० ब्लाक०, विशास भवन (आई०पी०ईस्टेट)

नई दिल्ली, तारीख 21 मई 1981।

निर्देश—संब्याईब्एव्सीब्/एक्यूब्—I—एसब्यारबाП— 9-9 80/1393.—-प्रतः मुझे, विसन विविद्यः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी

संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव श्राया नगर, तहसील मह-रौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें अपाबद्ध श्रन्मची मे पूर्व छाप सं वणित हैं, रिजस्ट्रीजिती श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन नारीख सितम्बर 1980।

का पृवांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण हा कि यथाप्वांक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री गन्नी सुपुत्र श्री याद राम निवासी गांव श्राया-नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 गाँव हट, एच०-39, ग्रीन पार्क ऐक्सटैनशन नई दिल्लो जरीया श्री एम०सी० गुप्ता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सू घी

कृषि भूमि ऐरिया 5 बिबा श्रीर 12 विस्वा खसरा नं 1584/3 (1--2), 1810/1 (3--8), 1883/ 1 (0--12) स्थित गांव में श्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> विमल विणिष्ट सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, दिल्ली

तारीख: 21 मई 1981।

कार्यालय, महायक आयहर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, 21 मई 1980।

निर्देश सं० म्राई०ए०सी०-एक्यू०-एस०म्रार०-3 9-80-1248---म्रतः मुझे, विमल वसिष्ठ,

आयकर ६ धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार, 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार भूरूप 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं०

कृषि भूमि है तथा जो गांव ग्राया नगर तहसील महरीली नई देहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधनारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर 1980.

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्वरित की गई है धौर सुझ यह विश्वाम अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उत्तिन बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृत्वह प्रतिगत से प्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्त्य में उसा प्रतिकार है प्रोर

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त धिन नियम के ग्रिधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायिस्य म कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए ; धीर/मा
- (श) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यक्तारेती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, छिनाने में स्रीका के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुवरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- मुनी राम व मूल चन्द सुपुत्र श्री मँगत निवासी गांव भ्राया नगर तहसील महरौली नई देहली। (भ्रन्तरक)

2. दी त्रिल्लेज हट, एच० 39 । गरीन पारक एक्सटैनशन नई देहली जरीये श्री एम०सी० गुप्ता । (भ्रन्तरिती ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस नूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन का अवधि, जो सं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्ने प्रथमत अब्दों मीर पदों का, जा उनत अधिनियम के भ्रष्टमाम 20-क में परिभाषित है, यहां अर्थ होगा, जो उन भ्रष्टाप में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्र फल 4 बिगहा खसरा नं० 1857 मिन दक्षिण दिशा (3-5), 1864-2, मिन (0-15) गोंव ग्राया नगर तहसील महरौली नई देहली।

विमल वसिष्ट सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारी**ख, 21 मई 198**1। मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-I, एच०ब्लाक०, बिकास भवन (ग्राई०पी०ईस्टेट)। नई दिल्ली, तारीख 21 मई 1981।

निर्देश संब्ह्याई०ए०सी०-एक्यू०-1-एस०झार०।।।-9--80-1345.--श्रतः मुक्षे, विभल वसिष्ट, श्रीर जिसकी
आयअर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक हैं

जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव श्राया नगर महरौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पूर्त किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, चा धन-कर अधिनियम, चा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीप्रियीं पुक्षोछज्वा गांव ग्राया नगर नई विल्ली। (ग्रन्सरक)
- 2 दी विलैंज हट एच०-39, ग्रीन पार्क एक्सटेनशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धमसर्ची

एक कृषि भूमि 1/6 शेयर जिसका क्षेत्रफल 28 बिधा जिस्या खसरा नं० 1792/1 (1/17) 1793/1 मिन (3/15), 1848/3 (0-4), 1820/1 (1-18) 1821/2 (2-11), 1844/2 (3-11) 1845/2 (2-9), 1552/3 (1-6) 1553/1 (2-4), 1554/1 (2-4) 1555/2 (1-3) 1884/1 (2-4) 1885/3 (0-12), 1883/3 (1-3) और 1-4 शेयर में कृषि भूमि क्षेत्रफल 4 विद्या खसरा नं० 1871 बिधा जो गांव ग्राया नगर में स्थित है।

(विमल विमिष्ट) सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख 21 मई 1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा, एच०ब्लाक, विकास भवन (ग्राई०पी०ईस्टेट) ।

नई दिल्ली-110002 दिनांक 21 मई 1981।

निर्देश मं० श्राई०ए०सी०-एक्यू०-I-एस०श्रार०-III- 9-80-1249.--श्रतः मुझे, विमल वासिष्ट श्रीर जिसकी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राविकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव ग्राया नगर तह्सील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रोंग इससे उपाबड़ ग्रामुची में पूर्ण क्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ख्रय से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री-मुनीराम श्रौर मूलचन्द सुपुक्त श्री मंगत गांव श्राया नगर, तहसील महरौली नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. गांव हट, एच०-39, ग्रीन पार्क ऐक्सटेनाशन नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्तृ सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

कृषि भूमि ऐरिया 4 विद्या खसरा नं० 1862-1 (3-0), 1864-2 मीन (0-12), 1870-3 (0-8), गांव श्राया नगर, तहसील, महरौली नई दिल्ली ।

विमल वासिष्ट) सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002.

तारीख 21=5=1981। मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज। एच० ब्लाक, विकास भवन, (स्राई० पी० ईस्टेट)

प्रजीन रेंज I, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 21 मई, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एवय०/ा/एस० ग्रार०-III/9-80/ 1250---श्रतः, मुझे, विमल वसिष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रिकि है, और जिसकी संख्या छिष भूमि है तथा जो गाँव आया नगर

तहसील महरोली, नई बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससं उपाबद्ध श्रमुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या तथ बिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां हितस्बर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधान दिना सितम्बर, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह् प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकृत रूप से किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रज, उक्त ग्रधिनियम की श्रारा 269-म के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निविति व्यक्तियों, ग्रयीत:---

 श्री मुनीराम श्रीर मूलचन्द स्पुत श्री मंगत, गांव श्राया नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 गांव हट, एच०--39, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन, नई दिल्ली, के जिर्थे एम० सी० गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीर उन स्थार स्थाि में हितबद्ध किसी प्रस्थ ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निजा मं कि रजा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो खक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

रूपि भूमि एग्या 4 बीधा, खसरा तं० 1867 (3-18) 1870/3 सीन (0-2), गांव ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

विमल विसण्ट सञ्जम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-5-1981

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस०----

आधकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

एच० ब्लाक , विकास भवन (श्राई० पी० इस्टेट) ग्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एनयू०/एस० श्रार० III/ 9-80/1391—श्रतः मुझे, विमल वसिष्ट आयकर प्रविधियन, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रितियम' उत्तारा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उवित वाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं किष भूमि है तथा जो ग्राम ग्राय नगर, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में रजिल्ली करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त स्रिष्ठि-नियम के स्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उनसे बचा में मुद्रिया के लिए; भीरा
- (च) ऐसी किया प्राप्त या किसी बन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए या, हिसाने में मुविश के निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री हुकम सिंह पुत्र श्री चेतराम, निवासी ग्राम ग्राय नगर, तहसील महरोली, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विल्लेज हट, एच०-39,ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली, थरू श्री एम० सी० गुप्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कृषि योग्य भूमि 7 बीघा ग्रौर 6 विसवा के० नं० 1552/2 (1,11), 1553/2, (2-12), 1554/2 (2-12) 1555/(0-11) ग्राम ग्रायनगर, तहसील महरोली, नई दिल्ली ।

विमल वसिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-5-1981

प्रकप भाई। हो। एतः प्राची

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीन सूचना

यारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एच० ब्लाक, विकास भवन (श्राई० पी ईस्टेट) श्रर्जन रेंज-^I नई दिल्ली-110002 नई विल्ली, दिनांक 23 मई, 1981

आंगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उकित बाजार मूल्य 25,000/र र• से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव ताजपुल नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक शितम्बर, 1930, को

पूर्वोक्त संपत्ति के छचित बाजार मृख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मृझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से खम्त धन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से काबत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अभव की बाबत, उस्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आहितयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिंधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :--

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामस्वरूप जैरथ (एच० यू० एफ०) सुपुत्र श्री ग्रचरू रान, निवासी 389, बसंत एवेन्यू, ग्रन्तसर (पंजाब)। (ग्रन्तरिसी)

को यह युचना उस्ते करके। पूर्वीन्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना कुं

उक्त संपत्ति के अर्जन है तंश्वेय में हो भी प्राक्षेप ।---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की यविधि, औं भी धवांत बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांका प्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रशासन का तारी खास 45 दिन के भीतर उपन स्थायर सम्पत्ति में दिताबद्ध किसी अस्य काकित सारा अधीहमनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ष्य।

स्पद्धीकरण: इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्राविनियम के शब्दा 20का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अद्याय में विया गया है।

मृत्सूची

कृषि भूमि का 1/3 भाग जिस का क्षेत्रफल 5 बीघा भौर जो कि खसरा नं० के० नं० 113/1(1-10), 121/2 (3-10), गांव ताजपूल, नई देहली में स्थित हैं।

> विमल वसिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, नई विल्ली-110002

दिनांक : 23-5-1981

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज I, एच० ब्लाक, विकास भवन नई दिल्ली-110002 (म्राई०पी० ईस्टेट)

नई दिल्ली, दिनां 🖟 23 मई , 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/क्यू०एक्यु०/I/एस० श्रार०-III/9-80/1364—-प्रतः मुझे, विमल वसिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि हैं तथा जो गांव ताज पूल, नई दिल्ली, में स्थित हैं (क श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विज्ञ है), रजिस्ट्रीक्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक सितम्बर, 1980,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रितिफल से, एसे इश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है दे--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्रीमती मनोरमा पत्नी श्रमृतलाल, निवासी 59-14, एनं डी॰ एसं॰ ई॰ II नई दिल्ली तथा चंचल रानी पत्नी हरबन्स लाल, निवासी एफं०-41, एनं॰ डी॰ एसं॰ ई॰ I, नई दिल्ली, यशरानी पत्नी रामेश्वर नाथ, निवासी ए॰-271, डिफैन्स कालौनी, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- श्री राम स्वरूप जैरथ (एच० यू० एफ०) सुपुत्र श्रचरू राम, निवासी 389, बसन्त एवन्यू, श्रमृतसर (पंजाब) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग ऋषि भूमि में जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा खसरा नं॰ 113/1(1-0) 121/2 (3-10) जो ताजपुल गांव में स्थित है।

> विमल वसिष्ठ सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रिजेन रेंज-^I, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 23-5-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज । एव० ब्लाक, विकास भवन
नई दिल्ली-110002 (ग्राई० पी० इस्टेट)
नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1981
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/I/एस० ग्रार०-III/9-80/
1365—ग्रत: मुझे, विमल वासिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है

श्रौर जीसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव ताजपुल तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नुलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी कर्ने या उससे बजने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिमय की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिक्षित व्यक्तियाँ अर्थात्:- 1—श्रीमती मनोरमा पत्नी श्री श्रमृतलाल निवासी डी०14, एल० डी० एस० ई०—II नई दिस्ली, श्रीमती चंचल रानी, पत्नी हरबन्स लाल निवासी एफ०-41, एन० डी० एस० ई०—I, नई दिल्ली श्रीर यशरानी पत्नी रमेश्वर-नाथ निवासी ए० -271, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)

2—श्रीमती जनक जेरथ पत्नी रामस्वरूप जेरथ निवासी 389, बसंत एवेन्यू, (श्रमृतसर, पंजाब)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/3 शेयर एरिया 5 बीधा खसरा नं० 113/1 (1-10), 121/2 (3-10), जो कि स्थित गांव ताजपुल सहसील महरौली, नई दिल्ली ।

विमल वासिष्ट सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राययक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

चिनांक : 23-5-1981

प्ररूप बाइ ्टी. एन्. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, डी० एल० एफ० रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 मई 1981

निर्देश सं० जी० ग्रार० जी०/20/80-81—श्रतः मुझे, गो० सिंह गोपाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तत जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 659 है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरणु से हुई किसी जायु की बाबत, उक्त अधिनियम के ज्ञीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्यूने में सूचिता के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था कियाने में सृत्या के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तिरायों, अर्थात् हिन्न (1) श्री त्रिनोद कुमार महेन्द्र कुमार पुत्र श्री ज्ञानी राम, बैंक कालोनी, गुड़गांव

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री सुरिन्द्र सिंह, गृङ्गांव छावनी

(मन्तरि)

को यह सुचुना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीजर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 659/10 जो कि गुड़गांव में स्थित है और जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय गड़गांव में रजिस्ट्री कमांक 3036 दिनांक 5-9-80 में दिया गया है।

> गो० सिं० गोपास सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज,रोहतक

दिनांक 21-5-1981 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

पाषकर प्र**धिनियम, 1**961 (1961 का 43) जी बारा 269-घ (1) के प्रधीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, डी० एल० एफ०, रोहतक रोहतक, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० हिसार /36/80-81—ग्रतः मुझे, गो० सिंह, गोपाल,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, तियका उचित जानार मृत्य 25,000/- स्पर्ण से अधिक है

श्रौर जिसकी संब्प्लाट रकवा 1480 वर्ग गज है तथा जो हिसार में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध धनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सिनम्बर, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रति-कत के लिये अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययानूर्योकत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रौर प्रन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उथ्य भ उक्त प्रन्तरम विविक्त में बास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अश्वीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसो किया आप या किसी धन पा प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपमारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) श्री किशन मुरारी
 - 2. बलराज राजेन्द्र प्रशाद
 - 3. श्रीमित कमला देवी विधवा श्री जगन्नाय निवासी हिसार । (श्रन्तरक)
- (2) श्री शिव मन्दिर ट्रस्ट, हिसार

मार्फिति श्री प्यारेलाल सैकेटरी हिसार । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यकाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितब द किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडिशकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम, के ब्रह्माय 20-कमें परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अमुसुची

सम्पत्ति प्लाट रकवा 1480 वर्ग गज जो कि डी०एन० कालेज हिसार के नजदीक है और जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2826 दिनोक 30-9-80 में दिया गया है।

> (गो० सिंह गोपाल) सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 21-5-1981 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज, डी० एल० एम० कालोनी रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० भ्रम्बाला/71/80-81—श्रतः मुझे, गो० सिंह गोपाल,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 108, गीता नगरी, श्रम्बाला शहर है तथा जो श्रम्बाला शहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को प्थोंकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल किन्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्रीमती शान्ता सेठी पित्नी श्री राम श्रासरा क्षेत्रीय होस्टल मकान नं० 11-12 थर्मल पावर कालोनी सैक्टर 22, एच० एस० ई० बी० फरीदाबाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह गांव एवं डाकघर काकस तह जिला भ्रम्बाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पह्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

मन्स्ची

सम्पत्ति मंकान नं० 108 गीता नगरी, श्रम्बाला में स्थित है तथा जिसका भीर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 2926 दिनांक 20-9-1980 में दिया गया है।

> (गो० सिंह गोपाल) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक 21-5-1981 मोहरः

प्रस्य मार्च, टॉ. एव. एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई, 1981

निदेश सं० बल्लभगक्/60/80-81----म्रत: मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 801, सैक्टर 7-सी है, तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावश्व श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्णंख्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
7—106GI/81

1. श्री एष० के० मेहता पुत्र एल० ए० ग्रार० मेहता, 5 श्री/84, एन० श्राई० टी० फरीदाबाद।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती शकुन्तला कमरा पत्नी श्री टी०डी० कमरा,
 इंनिंग रोड, साउथ सिविल लाइन्ज,
 जबलपुर (गू० पी०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्यव्यक्तिस्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भ्रो उन्त् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुत्थी

सम्पत्ति मकान नं० 801, सैक्टर 7-सी, फरीदाबाद में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बरूलभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 7134, दिनांक 23-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 14-5-1981

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायुल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रीहतक रोहतक, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० रोहतक/14/80-81—श्रतः मझे, गो० सिं० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 747 वार्ड नं० 16 (हाल संख्या 932 वार्ड नं० 18 है तथा जो हरी नगर, रोहतक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रोहतक, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पृषों कत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतिधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

 गोसिन चमन लाल पुत्र गोसिन गोकल चन्च मार्फत बीर घाटो स्टोर , जी०टी० रोड, करनाल इन्डस्ट्रीयल एरिया, माजाद पुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री चौधरी राम पुत्र श्री ठाकुर दास,
 मकान नं० 747, वार्ड न० 16 (न्यू नं० 932/ वार्ड नं० 18), हरी नगर, रोहतक ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूचाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्वना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

सम्पत्ति मकान नं० 747, वार्ड नं० 16 (न्यू नं० 932/ वार्ड नं० 18) जोकि हरी नगर, रोहतक में स्थित है तथा जिसका और मधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रोहतक के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋमांक 2653, दिनांक 8-9-1980 में किया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-5-1981

प्रकप जाहाँ. टी. एन. एस.---

काय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० जगाधरी/64/80-81—-म्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० म० नं० 140-ए, माडल टाउन, है तथा जो यमुना नगर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और्/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित क्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री चमन लाल दुग्गल पुत्र श्री ज्ञान चन्द माडल टाउन, यमुना नगर ।
 - (2) सुभाष दुग्गल पुत्र श्री चमन लाल दुग्गल, माडल टाउन, यमुनानगर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री बज मोहन पुन्न श्री रामेश्वर दास मार्फत फर्म रमेश मैटल इन्डस्ट्रीज, जगाधरी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवांकत म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं 140-ए/एल माडल टाउन, यमुनानगर में स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 3610, दिनांक 24-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-5-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० छाछरौली/4/80-81—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उन्त प्रिधित्यम' कहा गया है), की धारा 266-व के अधीन सक्षम श्रिषकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- ४पये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि 193 कनाल 8 मरला है तथा जो छाछरौली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय छाछरौली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की वर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिन्नित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में पुंविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय क्षायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अमुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ग्यक्तियों. श्रयौत्:—— श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री शिव चरण सिंह, निवासी छाछरौली श्रश म० नं० 433, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 सर्वश्री परदीपेन्दर पाल सिंह एवम् कमलजीत सिंह पुतान श्री तेजिन्दर सिंह, निवासी छाछरौली

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत पमात्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर:---

- (क) इत्य पुत्रता के राजात्र में प्रकाशत की तारीआ से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूवता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिनके भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रश्रीकरण: --इमर्भे प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रशिविषम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

सम्पत्ति भूमि 193 कनाल 8 भरले छाछरौंली में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय छाछरौली में रिजस्ट्री संख्या 839 दिनांक 22-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 19-5-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 15 मई, 1981

निवेश सं० करनाल/83/80-81—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० सी-685, जी० टी० रोड है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्णरूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

- की पूर्वोक्त संपत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिवत बाजार मूल्य, जसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित जद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ज्य से किश्यत नहीं किया गया है:---
 - (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ध्रम, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- श्रीमती प्रेमलता विधवा श्री रमेश चन्द्र मकान नं० 1540, सैक्टर, 13, श्ररबन स्टेट, करनाल (म्रन्तरक)
- (1) श्री विजय कुमार सुनिल कुमार सर्वे पुत श्री हरी शरन दास मकान नं० 619, चैशटीयन मोहल्ला, करनाल
 - (2) श्री पवन कुमार, ग्रनिल कुमार सर्व पुत्र स्व० श्री सन्त राम, मकान नं० 301, खित्रयन मोहल्ला, करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाक्षियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संनित्त में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्रत श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० सी-685, जी० टी० रोड, करनाल में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 3060 दिनांक 15-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप আ**ई। टी। एन। प्रः--**आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) ভী धारा

269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक
रोहतक, दिनांक 21 मई, 1981

निदेश सं० पानीपत/38/80-81--- ग्रतः मृझे, गो० सि० गोपाल 1961 (1961 प्रायकर ग्रिधिनियम, 43) (जिने इसमें इसके पश्वात् 'खकत प्रधिनियम' कहा गयाहै), को धारा 269- ब के स्रधीत सक्षत प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिन्हा उचित बाजार म्हय 25,000/- रुपए से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो पानीपत में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980 को पूर्वोक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफलका पन्त्रह प्रतिशत से श्रविक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छड़ेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आर्थ की बाबत, उक्त मधि-नियम के भधीन कर देने के सन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नल भ्रधिनियम, या धनकर ग्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अता, धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री दरबारा सिंह पुत्र श्री ईश्वर दास,
 - (2) श्री गोविन्द सिंह श्री दरबारा सिंह निवासी (ग्रन्तरक)
- श्री प्रभु दयाल पुत्र श्री मांगे राम, निवासी 118, राम नगर, तह० भैम्प पानीपत । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्यत्ति के भ्रार्यन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप: ---

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी धनिध खाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
 किती प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूताक्षरी के पास लिखितः
 में किये जा सकेंगे।

स्याध्या तर्ग :--इतमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त शिध-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

सम्पत्ति मकान जो कि पानीपत में स्थित है धौर जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 2701, दिनांक 8-8-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 21-5-1081

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) र्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 21 मई, 1981

निदेश सं० हिसार/31/80-81--ग्रत : मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डबल स्टोरी, दुकान कम-रलाट नं० बी० 15-267, पुरानी श्रनाज मंडी है तथा जो हिसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हिसार में रिजर्ड्र, करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुम्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न

 श्री रूली राम पुत्र श्री राम सरुप ध्रग्रवाल निवासी कृष्णा मण्डी, हिसार ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र कुमार पुष्त श्री खजान चन्द निवासी बी-15, 267, पुरानी मन्डी, हिसार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० बी-15/267 जो कि पुरानी ग्रनाज मंडी, हिसार में स्थित है और जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2690, दिनांक 19-9-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 21-5-1981

प्रूप आहें, टी. एन. एस ------

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई, 1981

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० प्रर्जन/939—म्रत : मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं प्लाट नं डी-73 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-9-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन :---

- 1. श्री राम गोपाल एवं श्री बंसी लाल, पुत्रान, श्री वृद्धि चन्द यादव, प्लाट नं० डी-73, मंगल मार्ग, जयपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रतन लाल पुत्र गूजर मल जैन,
 प्लाट नं० डी-38, ज्योति मार्ग, बापू नगर, जयपुर
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं शी-73, मंगल मार्ग, उत्तरी लाईन में, बापूनगर, जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या : 2358 विनांक 10-9-1980 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 21-5-1981

प्रकृप भाई • टी • एन • एस •----

भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 21 मई 1981

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/१४०—श्रत: मझे, एम० एल० चौहान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० डी-73 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जयपर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस्थ प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरक मे हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिक्ष-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, शौर/या;
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 192? (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या श्रव-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाले में सुविधा के लिए;

खतः मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त व्यधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) धादीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:—— 8—106GI/81 1. श्री राम गोपाल एवं बन्सी लाल पुत्नान, श्री वृद्धि चन्द यादव प्लाट नं० डी-73, मंगल मार्ग, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री रतन लाल पुत्र गुजर माल जैन, निवासी प्लाट नं० डी-38, ज्योती मार्ग, बायूनरगर, जयपुर ।

(ग्रन्तिरती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कायबाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदां का, जो उक्त ग्राधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अये होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है

असम्ब

प्लाट नं० 73, मंगल मार्ग, बापूनगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर ऋम संख्या 2367, दिनांक 10-9-1980 पर पंजिबद्ध विऋय पन में और विस्तृत रुप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख** : 21-5-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई 1981

श्रादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/944—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रमिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रमीन सक्षम भ्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से भ्रमिक है

श्रौर जिसकी सं० डी०-6 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण, श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त ग्रांधिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के विए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बान्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविद्या के किए;

मतः भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात:--

- (1) श्री देणबन्धु खेड़ा पुत्र श्री सुन्दर दास खेड़ा, प्लाट नं० बी—1, श्रादर्श नगर, जयपुर ।
 - (श्रन्तरक)
- (2) डा॰ महेण उपाध्याय पुत्न स्व॰ श्री बी॰ डी॰ उपाध्याय 741 गांधी नगर, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्थन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूबना के राजपक्क में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीविनयम, के ग्रध्याय 20-क में परिमाचित हैं। बही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गवा है।

श्रनु सूची

प्लाट श्राफ लण्ड जिसके शौरभ नम्बर डी-6, वर्फ खाना, श्रादर्शनगर, जथपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2331 दिनांक 9-8-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० चौहान सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 21-5-1981 मोहर : प्रकप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश संख्यां ॄै: राज/सहा आ० अर्जन/94—यत: मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसाग उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रीधक है

प्रौर जिसकी सं० 17 है तथा तथा जो जयपुर में स्थित है, (प्रौर इससे उपाधद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-9-1980,

करें पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर ग्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निखिक्त व्यक्तियों, प्रयौत:—

- (1) श्रीमती सरदार क़ुमारी, 17, कल्याण क़ुज जयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुखजीत सिंह पुत्र श्री रणबीर सिंह ग्राम चक उत्तम सिंह वाला जिला श्री गंगानगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्यहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

श्रावासीय भूमि (खुली जमीन) जिसमें बाउण्ड्री बाल बनी हुई है तथा जो 17 कल्याण कुंज, सिविल लाईन्स जयपुर में स्थित है ग्रौर उप पंजियक , जयपुर द्वारा कम संख्या 2360 दिनांक 10-9-80 पर पंजियद्ध विकथ पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> एम० एल० चौहान सक्षम अधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

विनांक 21-5-1981 मोहर : प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई 1981

श्रादेश संख्या : राज०/सहा० श्रा० ग्रर्जन /942—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या एस० बी० 108 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण-श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनोक 30-10 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृथ्यमान प्रतिकल के लिए सन्तरित की गई है सीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण पे हुई किसी आय की बाबत, **उक्त अधिनियम** के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; **और**/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के समुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती स्नेहलता पत्ति श्री पुष्पेन्द्र सिंह, प्लाट नं० ई०--39 णास्त्री नगर, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रानन्द केंबर पत्नि श्री चन्द्रमौली सिंह, परशुराम मार्ग जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पार्ट म्राफ मोप नं० 3, एस० बी० 108, टौंक रोड, लालकोठी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2819 दिनांक 30-10-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवर-णित हैं ।

> एम० एल० चौहान सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 21-5-1981 मोहर : प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई, 1981

त्रादेश संख्या : र सहा० म्रा० म्रर्जन/943—यत मुझे, एम० एल० चौहान,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से धिक है

श्रौर जिसकी मं० दुकान नं० 3 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (2908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-11-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उितत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उितत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अतिशत से श्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त श्रिष्ठितियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भन, उन्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अयीत् :--

- (1) श्रीमती स्नेहलता पत्नि श्री पुष्पेन्दर सिंह, प्लाट नं० ई-39 शास्त्री नगर, जयपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्नानन्द कॅंबर पहिन श्री चन्द्रमौली सिंह, परणुराम मार्ग, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ**बोप !--**

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविद्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविद्य, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रष्ट्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

प्रनुसूधी

दुकान नं० 3, एस० बी० 108, टौंक फाटक, लाल कोठी, जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2938 दिनांक 11-11-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम अधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज

दिनांक 21-5-1981

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

ग्रादेश सं० राज०-सहा ०श्रा० श्रर्जन/948--यत: मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० कृषि

भूमि है तथा जो रामगंजमंडी में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-9-1980

क्त्रं पृत्यों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्यू से कथित नहीं किया ग्या हैं।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए;) ब्रॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपभारा (1) के सभीन निम्नलिशित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री मोती लाल पुत्र राम लखन लक्शरी, तह० रामगंजमंडी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नारायण लाल पुस्न श्रमर लाल बैरवा, तह० रामगंजमंडी

(धन्सरिती)

को यह सूजना जारी करके पृथा कित् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वनुसूची

16 बीधा 14 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम सलीस खेड़ा तहसील रामगंजमंडी (कोटा) में स्थित है श्रौर उप पंजियक, रामगंजमंडी (कोटा) द्वारा क्रम संख्या 6 दिनांक 19 सितम्बर 1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 23 मई, 1981.

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰, एस॰-

आयकर ध्रिष्ठिनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

म्रादेश संख्या राज०-सहा० म्रा० म्रर्जन/949--यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रामगंजमंडी में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रमिक है भीर भ्रम्तरक (भ्रम्तरकों) भीर भ्रम्तरितो (भ्रम्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से छक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत सकत भिन्न भिन्न नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या पा किया जाता चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः; ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यिम्तियों, ग्रयीत् :---

- (1) श्री सुवालाल नानगा मोतीलाल पिता भूरा लक्ष्करी (श्रन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रा पुत्र देवबद्ध्स लश्करी, सातल खेड़ा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनु**सूची**

25 बीघा 2 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम सातल खैडी तह० रामगंजमंडी (कोटा) में स्थित है ग्रौर उप पंजियक, रामगंजमंडी, कोटा द्वारा कम संख्या 7 दिनांक 19 सितम्बर 1980 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जयपुर

तारीख: 23 मई, 1981

प्ररूप शाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्टर बायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 22 मई 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन-945--यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र• से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रामगंजमंडी में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रामगंजमंडी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख 23 सितम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत प्रकिन नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घरव घारितकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर घिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर घिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ घरतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः ग्रव, उक्त धिवियम की धारा 269-य के धनुसरक में, में, खक्त धिवियम की धारा 269-य की खपवारा (1) के अधीन, निक्ममिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री काणी राम पुत्र मोती, दुर्जनपुरा, रामगंजमंडी जिला कोटा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स ए० एस० श्राई० लिमिटेड, रामगंजमंडी, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 पर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (बा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्य क्यन्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, को उक्त घडि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुमुचो

10 बीघा कृषि भूमि जो दुर्जनपुरा, तह० रामगंजमंडी, कोटा जो उप पंजियक, रामगंजमंडी द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 22 मई, 1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रिप्तित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981 निर्देश संख्या :राज०/सहा०ग्रा० श्रर्जन/ 946—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रामगंजमंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19 सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किमी ग्राय की बाबत, उक्त प्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पं सुविधा के लिए।

अतः, अम, उक्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-म के भ्रनुसरण में, में, जक्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभ्रीत, निस्तिमिश्चन व्यक्तियों, ग्रयीत :---

(1) श्री काशी राम पुत्र मोती, दुर्जन पुरा, रामगंज-मंडी, कोटा

(भन्तरक)

(2) मैसर्स ए०एस०ग्नाई० लिमिटेड, रामगंजमंडी, कोटा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितन ब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

धनुसूची

8 बीधा 3 बिस्त्रा कृषि भूमि जो ग्राम वुर्जनपुरा तहसील रामगंजमंडी, कोटा में स्थित है ग्रीर उप पंजियक, रामगंज-मंडी, कोटा में द्वारा ऋम संख्या 10 दिनांक 19 सितम्बर, 1980 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23 मई 1981

प्रकृप घाई० टी० एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश संख्या राज०/सहा०आ० अर्जन/951—यतः मुझे, एम०एल० चौहान,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क में अधिक हैं

भ्रीर जिसकी सं० फृषि भूमि है तथा जो रामगंजमंडी में स्थित है, (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 19 सितम्बर, 1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्भ्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तम पामा गया प्रतिफल का नम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अशीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री वूली चन्द पुत्र श्री नम्दराम, धुर्णनपुरा तह०, रामगंजमंडी

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्स ए०एस०म्प्राई० कं० लिमिटेड, रामगंजमंडी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

एक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन की अविधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त इब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धन्सूची

ग्राम दुर्जनपुरा तहसील रामगंजमंडी (कोटा) में स्थित कृषि भूमि जो उप पंजियक, रामगंजमंडी, द्वारा क्रम संख्या 8 दिनांक 19 सितम्बर, 1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 23 मई 1981

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा० ग्रर्जन/950—-ग्रतः मुझे, एम० एस० चौहान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भीम है तथा जो रामगंज मंडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 1-9-1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निर्जित व्यक्तियों, अधृति ६(1) श्री भवानी सिंह पुत बापू सिंह निवासी कुंभ कोट, रामगंजमंडी

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स ए० एस० ब्राई० कम्पनी लिमिटेड, रामगंज मंडी (कोटा)

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

9 बीघा 14 बिस्या कृषि भूमि जो ग्राम कुम्भा कोट, रामगंजमंडी (कोटा) में स्थित है श्रीर उप पंजियक, रामगंज मंडी द्वारा क्रम संख्या 86 दिनांक 1-9-1980 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एन० **चीहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जय**पु**र

नारीख: 23-5-1981

प्रकृष ब्राई• टी• एन• एस•----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/947—यतः मुझे, एम० एल० चौहान आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उतित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रामगंज मंडी में, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रामगंजमंडी

में, रजिस्ट्रीकरण श्रींधनियम, 1908 (1908 का 16) के

श्रधीन, तारीख 1-9-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मृक्षे यह
दिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
छांचत बाजार मृह्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गरा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, में, रुक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, सर्वति।--- (1) श्री भंवर साल निवासी दुर्जनपुरा, तहसील रामगंज मंडी (कोटा)

(ग्रन्तर्क)

(2) श्री मैंसर्स ए० एस० ग्राई० लिमिटेड, रामगंजमंडी (कोटा)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 बीघा 4 बिस्त्रा अपि भूमि जो ग्राम कुम्भकोट के पास स्थित है और उप पंजियक, रामगंजमंडी, कोटा द्वारा क्रम संख्या 9 दिनांक 19-9-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

ता**रीख:** 23-5-1981

भाग III-- खण्ड 1]

प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 मई, 1981

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 462 है तथा जो रैया रोड, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-9-1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन, विस्नृतिहित व्यक्तियों अधितः—

- (1) मैसर्स रामानी मणीयार एन्ड कं०, राजकोट। (भन्तरक)
- (2) श्री ग्रंजनी को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

खुली जमीन जिसका माप 2 एकड़ 25 गूंठा है श्रीर एस० नं० 462 से रैया रोड, राजकोट में स्थित है, ये जमीन रजिस्ट्री नं० 5428 से तारीख 6-9-1980 ये रजिस्ट्री की गई है श्रीर बिकीखत में संपूर्णत: वर्णित है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारी**ख**: 2-5-1981

रुपए से प्रधिक है

प्रख्य आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1981

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1368, एक्वी०-23/I/81-82--- श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-

भ्रौर जिसकी सं० 2581, सी० नं० 1651/1-2-2, खाड़ीया-I है तथा जो रायपुर, कापडीवाड, सोनी खांची, भ्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 19-9-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बागार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिन्नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त श्रक्षिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती भानुमती जीवराम खोमचंद, श्रीनान कृपा सोसायटी, बंगला नं० 37, उत्तमनगर के पास, मणीनगर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती उर्मिलादेवी राजेन्द्रप्रसाद गुप्ता
2. सावित्रीबेन लक्ष्मीनारायण श्रग्रवाल
डी-59, मुक्ताराम बासु स्ट्रीट, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

की यह सूचता जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कीई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध; जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन जो तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर नदों का, जी उन्त ग्रिविनयम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उन भ्रष्टमाय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मकात जो 58 वर्गगज जमीन पर एस० नं० 2581 सी० नं० 1651-1651/1-2-3 से खाड़ीया बोर्ड नं० 1, कापडीवाड़, रायपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है ग्रीर बिक्रीखत नं० 12356/80/19-9-80 से रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्री किया गया है, यह मकान बिक्रीखत संपूर्णतः विणत किया गया है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-J, श्रहमदाबाद

नारीख : 30-4-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना, दिनोंक 13 मई 1981

निदेश सं० III-485/प्रर्जन/81-82---प्रतः मुझे, भी० एन० श्रीवास्तव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात (उनत प्रधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी तौजी सं० 5-753/18232 थाना सं० 3, खाला सं० 67, खोसरा सं० 751, 752 है तथा जो राजापुर हमत, थाना दीघा, पटना में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद अरुपूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीयीन तारीख 9-9-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगन अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिन में वास्तिवक क्या ने कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबन, उपन अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अभ्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुशिधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्ठितियम, को धारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उक्त श्रिष्ठितियम को धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री भुनेष्यर प्रसाद सिंह, के मगनेष्यर प्रसाद सिंह दोनों वल्द श्री महादेव गरण सिंह साकिन तेउस थाना बरिबघा जिला मंगेर वर्तमान महल्ला कंकडबाग कालोनी, पटना-16।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा श्रग्रवाल जीजे श्री राधे प्रगाय ग्रग्रवाल एवं पिता का नाम श्री बिन्देश्वरी प्रसाद ग्रग्रवाल निवासी दौलतगंज छपरा शहर छपरा वर्तमान निवासी कंकड़बाग कालोनी, पटना-20। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्फेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत ग्रिक्षितियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

मन्सूची

घरारी जमीन का रकवा 4 कट्ठा 1 घूंर 1 घूरकी जो मीजा राजापुर हुसन थाना दीघा जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से बसिका नम्बर 6753 दिनांक 9-9-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुम्रा है।

> भी० एन० श्रीवास्तक्ष सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक स्नायकर स्नायुक्त स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

नारीख: 13-5-1981

प्ररूप् आइ.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० ${}^7\mathrm{II}/486/$ ग्रर्जन/81-82—ग्रतः मुझे भी० एन० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० खाता नं० 471 एम० एस० प्लाट नं० 1358 है, तथा जो मौजा लालपुर, थाना रांची, जिला रांची में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्ष्प से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-9-1980

का पूर्वाक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य में किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिवित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) श्रीमती मंजु वनर्जी जोजै श्री प्रियरंजन बनर्जी निवासी 13 चारु चन्द्र मुखर्जी रोड, श्रादमपुर जिलाभागलपुर द्वारा उसके प्रियरंजन बनर्जी। (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती उथा रानी राठी जोजै श्री रघुवीर सिंह् राठी, निवासी बर्दवान कम्पाउन्ड रांची, थाना लालपुर, जिला रांची।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ ह्येगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 4 कट्ठा 9 छटांक और 37 वर्गफीट दो मंजिल मकान सिंहत मौजा लालपुर, जिला रांखी में स्थित है। तथा पूर्णरूप से वसिका नम्बर 7255 दिनांक 12-9 80 में विजित्त है एवं जिसका नियंधन जिला श्रवर नियंधक पदा-धिकारी रांची द्वारा सम्पन्न है।

> भी० एन० श्रीवास्तव सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 15-5-1981

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनां रु 15 मई 1981

नि ेष संIII-487/श्रजैन/81-82—श्रतः मुझे वी० एन० श्रीवास्तव

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पति, जिल्लका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे प्लौट नं० 628, खाता नं० 1192, वार्ड नं० 5 है, तथा जो मैन रोड, रांची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीक्ती श्रिधकारी के कार्यालय, रांची में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 3-9-1980 को

पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, नसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत प्रिप्तियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतिंती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

अनुसरन-अ

अम्लर्क के नाम

- (1) 1. श्री जगन्निवाश शर्मा पिता का नाम श्री उमा नाथ शर्मा
 - श्री उमानाथ गर्मा पिता का नाम स्वर्गीय गोपाल नाथ गर्मा
 श्रीमती भवानी देवी धर्मपत्नी श्री हरि

श्रीमती भवानी देवी धर्मपत्नी श्री हरि
 वल्लभ मिश्र

- श्रीमती क्यानी देवी धर्मपत्ती श्री द्यानन्द समी
- 5. श्रीमती दक्षायानी देवी धर्मपत्नी श्री प्रानेष्वर पाठक

पनाः ग्राम भन्डारा, थाना लोहरदगा जिला रांची। वर्तमान थाना भन्डारा।

पता सं० 3: ग्राम दड़ामू थाना चन्दवा जिला पलाम ।

पता सं० 4: ग्राम दानेकेरा थाना लायुग, पता सं० 5: ग्राम मकरा थाना घषरा जिता रांची हाल मोकाम रांतु रोड, रानी सनी मन्दिर लेन, रांची। (ग्रन्तरक)

अन्तरिती के नाम

(2) श्री श्रानन्द स्वरूप गुप्ता, वकील, पिता का नाम स्वर्गीत जगन्ताथ प्रसाद गुप्ता, दिवासी मेन रोड, रांची, लीवर वाजार, थाना लीवर वाजार रांची पोस्ट श्राफित लीवर वाजार रांची, जिला रांची। (अन्तरिती)

को यह सूवता जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपा ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो
 भी भविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (चा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त श्राधितियम', ने के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्तबा 2 कट्ठा 1 छटांक जो मौजा मेन रोड, रांची में स्थित है तथा जो पूर्णकृप से विसका नम्बर 6989 दिनांक 3-9-1980 में विणित है एवं जिसका पंजी-करण जिना भ्रत्रर निबन्धक पदाधिकारी रांची द्वारा सम्पन्न हन्ना।

यो० एन० श्रीवास्तव सञ्जम पदाधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीखा: 15-5-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 मई, 1981

निदेण सं० प्रबोहर/2637—पतः मुझे प्रार० गिरधर शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-चं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कीरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो श्रबोहर में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप स विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1980 को

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रध्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने की कारण है कि बचापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रध्यमान प्रतिफल से, एसे द्रद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिकित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कायत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वीने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ऑपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-+

(1) श्रीमती बग्गा बाई, राजिक्षान, शेर बहादुर, णशी कांत, श्रीमती ग्राणा रानी वासी ग्रबीहर तहसीत फाजिनका।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री घनस्थाम दास पुत्र हंस राज वासी ग्रबोहर। (ग्रन्तरिती)

(3) जैना कि जार नं० 2 में निखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्मत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारीं करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गरा हैं।

अम्स्ची

सम्मित जैसा कि विशेख नं० 2006, दिनांक सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी अबोहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सन्वाक श्राप्तकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्ति रेंज, जानस्थर

नारींखा: 20-5-1981

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मई 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2638—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिजियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रार जिसकी सं० जैसाकि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो नवांशहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवांशहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वाकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्वरेष से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथात वहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-सियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तिसीं अधीन :---

(1) श्रो दीवर केरपाल पुत्र जसगन्त राय नासी 31, इन्डसटरीज एरिया, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमरजीत कौर पत्नी डा० गुरबख्श सिंह वासी नवांशहर।

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 सम्पत्ति में हितबृद्ध है)।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्तिहर्यां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि किलेख नं० 2326 दिनांक सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवांशहर में लिखा गया है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 20-5-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2639—यतः मुझे, न्नार० गिरधर आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुस्ची में लिखा है तथा जो कब्लपुर में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर

पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय,

जालंधर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्तरितों (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण ह लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायिख में कमी करने या उससे श्रचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसो किसो आय या किसी धन या भ्रम्ब भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा क्रिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत्:---

- (1) श्री शाम लाल पुत्र रूप लाल वासी-13, सुभाष नगर, जालन्धर।
 - (श्रन्तरक)
- (2) श्री भवदेश कुमार श्रीवास्तव पुन्न बसंत लाल, बासी 562, माडल टाऊन, जालन्धर। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके मर्जन के निए कार्यवाहियों करता हं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इ.स पुचना के राजात में प्रकाशन की नारीखासे 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन को प्रपत्ति जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्रवता के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्रक्डोकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

सम्पति जैसा शि विलेख नं० 3913 दिनांक सितम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा **है**।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 22-5-1981

प्ररूप आई०टी०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2640—यतः मुझे, धार० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो कबुलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिस्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री शाम लाल पुत्र रूप लाल वासी 13, सुभाष नगर, जालंधर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मन्जु श्रीवास्तव पत्नी श्रवदेश कुमार, वासी 562 मा**ड**ल टाऊन, जालंधर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 4057 दिनांक सितम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्बर

तारी**ख**: 22-5-1981

मोक्षरः

प्रस्प जाईक टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिम, विनांक 14 मई 1981

निदेश सं० एल० सी० 507/81-82-यतः मुझे, बी० मोहनलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख मे अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका थाजार म्ल्य 25,000/-रुपय Ħ ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो कालीकट में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वेस्ट हिल में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-9-1980

को पूर्वीकत । शांत के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पति कल के लिए अन्तरित को गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छिनत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे कृष्यमान प्रतिकल से के अपेर अन्तरिक्ष अपिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्षों) को बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया भया प्रतिकल, निम्नलिखित उन्नेश्य में उक्त परतरण लिखित में वास्तविक रूप से किबत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिक नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ध्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर पिछनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अतः, उत्ता मधितियम की बारा 269-ग के अनु-करण में, में, उत्ता प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री सी० सुरेन्द्र

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती फरीदा रहमान

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्बन्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षीप :--

- (क) इस पूत्र कि राजा वें क्रायत की तारी का से 45 विन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, को भी धविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूबता के राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थारर सम्पन्ति में दित्तवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारस्वाक्षणे के पास निश्चित पे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गर्थ्यों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के प्रधाय १०क में परिमाणित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिवर गया है।

.अ**म्ब्**ची

3/4th right over 39 ·23 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 1886/80 dated 24-9-1980.

वी० मोहनालल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोण्चीन

तारीख: 14-5-1981

प्ररूप बाई • टी ॰ एन • प्न • ----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सन्नायक धायकर प्रायुक्त (विरीक्षण) प्रार्जन रेंज, एरणाकुलम कोषीन, दिनांक 14 मई 1981

निवेश सं० एल० सी० 506/81-82---यतः मुझे वी० मोहनसाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम'कहा गया है), की घररा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वस करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कालीकट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्मालय चालप्पुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-9-80, 3-11-80 ग्रीर 3-12-80 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित को गई है और मुद्धे यह विश्वास कः ने का कारण है कि प्रयाप्त शंकत सम्पत्ति का छिलास बाजकर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफक्ष को लए अन्तरित संपत्ति दृश्यमान प्रतिफक्ष का कम्प्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरित (अन्तरित को प्रवार प्रवार प्राप्त प्रवार प

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाःत, उवत ग्रिधिःतयम के प्रधान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसत बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसो किसो आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या सन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:---

(1) श्री ई० पी० महम्मद ग्रौर दो

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० म्रब्दुल्ला हाजी श्रौर तीन

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अपन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

ख्यन सम्पति के ग्रामैन के संबंध में की है भी ग्रामिय 1m-

- (क) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की धविधि या हरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 जिन की धविध, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की नारीख से 45 दिन क भीतर अवन स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध कियो धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहरनाक्ष ते के पास लिकिन में किए जा नर्कों।

स्पक्तोचरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनृ सूची

2.68 acres of land with a building in Sy. R. S. No. 10-2-47 of Nagaraon Amsoon, desoon in Calicut district.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम । कोचीन

तारीख: 14-5-1981

प्ररूप आहु¹.टी.एम.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 14 मई 1981

निवेश सं० एल० सी० 505/81-82---यतः मुझे वी० मोहनलाल

मांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो श्रृंगपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोङ्ड-स्लूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 5-9-1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अब, धक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिलिल व्यक्तियों. अर्थातः :---

- (1) श्रीमती श्रम्मुक्कुट्टी तम्पुराष्ट्री भौर छबह (ग्रन्तरक)
- (2) मनर सुपीरियर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

सहस्र ची

44.75 cents of land with two buildings in Sy. No. 79 of Methala Village.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन

तारीख: 14-5-1981

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, एरणाकूलम

कोचीन, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एल० सी० 510/81-82---यतः मुझे, बी० मोहनलाल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिस्की सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है तथा जो एरणा-कुलम में स्थित है (भ्रीर इससे उपात्रक्ष भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 3-9-1980

करं प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य के कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ग्रेग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अधित :--

(1) श्री सी० पी० जोस

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बेबी मलाई

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूत्रना के राजमूत में प्रकारत की लार्यों से 45 दिस की बहा था तरस्वत्रक्ती बहु स्वापंपर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (स) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की सारिक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबक्थ किसी अन्य क्यक्तित दुवारा जथोहस्ताक्षरी के सास चिक्रिय में किस्सु जा सक्तें हो।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धीं और पर्यों का, को उक्त अधिवयम, को अध्याय 20-क में मृतिभाजित हाँ, बहुत अर्थ होया को उस अध्याम् में विस्ता गया हाँ।

वन्स्ची

6-1/2 cents of land with building in Sy. No. 2603/21 of Ernakulam Village.

बी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन देंज, एरणाकुलम कोक्थिन

सारी**च**: 19-5-1981

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.----

(1) श्री सी० पी० नोस

(ग्रन्तरक)

। (1961 का 43) की भारा (2) श्रीम

(2) श्रीमती बेबी मनाई

(मन्तरिती)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एल० सी०-511/81-82---यतः मुझे, वी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, िम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मीं कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः--इसमें प्रयुक्त श्रक्षों और पयों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया ही।

नन्स्ची

6-1/2 cents of land with building in Sy. No. 2603/21 of Erna-kulam village.

वी० मोहनलाल. सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-5-1981

मोहरः

प्रकप चाई • टी • एन • एस •----

मायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एन० सी० 512/81-82—यतः मुझे वी० मोहनलाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रश्नात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वागर मृख्य 25,000/- वप्प से प्रधिक है और जिसकी सं० धनुसूची के धनुसार है, जो एरणामुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से पुर्व किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के **अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी** करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अण्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की छपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथितः—् (1) श्री चन्द्रशेखर मेनोन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० जे० जोर्ज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर हे पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोज र 30 दिन हो अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्र**नुसू**ची

4 cents of land in Sy. No. 898/2 of Ernakulam Village.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 19-5-1981

विषय है

प्रका सीई - ही - वंश - वंश ----

नायकर श्रीविषयम, 1961 (1981 को 43) की धारा 269-य (1) के सबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एल० सी० 513/81-82—यतः मुझे वी० मोहनलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त सर्विनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के सबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाहर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 22-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया जाया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए।

ग्रतः श्रव, वंदत ग्रविविधम की धारा 28 8- ग के धनुसँदेव में, में, उक्त यश्विविधम की धारा 269-च की वनकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थातः— (1) श्री चन्द्रशेखर मेनोर्न

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें जें जोर्ज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के बेर्जन के सम्बंग्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी भविष बान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानित यों में से सिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य क्येंक्ति हारी, मेंब्रोइंस्ताक्षरी के पांस लिखित में दिए की सकेंगे।

स्थव्डीकरेणाः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वर्षों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचाबित है। बंडी अर्थ होगा, जो उस ग्रब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 cents of land in Sy. No. 1374/2 and 898/2 of Ernakulam village.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 19-5-1981

मोहरः

प्रकेष ग्राई० टी॰ एनं॰ एस॰----

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के ग्रिधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, एरणाकुलमं एरणाकुलम, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एल० सी०-514/81-82--यतः मुझे वी० मोहनेसाल

कायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि से भेभिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूधी के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणा-कुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्ष्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षत का पन्त्रह प्रतिक्षत भाषक है और भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी फीय या किसी घर्न या ध्रम्य खास्तिचीं को जिन्हें भारतीय झाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री चन्द्रगेखर मेमोम

(ग्रस्तरक)

(2) श्री कें जें जोर्ज

(मन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीकत सम्पंत्ति के धंजीन के किए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संस्कृति में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचेना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जी जी आवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पेष्टीकरण:--इसी प्रयुक्त कंट्टी धीर पदी की, जो उन्ते धिन नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिचाबित हैं, वेही अर्थ हींगा जो उसे अंद्र्धीय में विधा गया है।

धनुसूची

5 cents of land is Sy. No. 898/2 of Ernakulam village.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 19-5-1981

प्ररूपु आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीत सुचना

भारत् सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 23/सितम्बर/80--यतः मुझे म्रार० रवि-चन्द्रन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 ग्रौर 4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टै है, जो डूटीकोरिन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०- Π डूटीकोरीन में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-9-1980 (डाकुमेंट सं० 2316/80)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नसिद्धात उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम का धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित ६००० (1) मजूरा कोट्स लिमिटेड

(भन्तरक)

(2) पी० मुत्तुलक्ष्मी श्रम्माल

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिकतयों में से किसी स्पिक्त धुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतद उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को 'सक्त अधिनियम', को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

(भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 4255, 4257, 4258/1 भौर 4262/1 पोलनाथक्कनपेट्टैं, डूटीकोरीन डाकुमेंट सं॰ 2316/80)।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख: 6-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के सुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, मद्रास
मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० 22/सितम्बर/81—यतः, मझे, ग्रार० रवि-

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 भौर 4262/1, पोलनाथक्कपेट्टै है, जो तूतीकोरीन में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० भ्रार०-II तूतीकोरीन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 30-9-1980 (बाकुमेंट सं० 2315/80) को

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अघने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मेजूरा कोट्स लिमिटेड
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० कतिरवेल

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पूर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्व्थ किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहैर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 ग्रौर 4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टै, तूतीकोरीन—डाकुमेंट सं० 2315/80) । जन्मन

> म्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 6-5-1981

प्ररूप सार्च. टी. एन. एस.--

(1) मजूरा कोट्स लिमिटेड

(भ्रन्तरक

भायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के जभीन सूचना (2) श्री पी० परमिसवन कोजार

(भन्तरिती)

भारत सरकार

काय्षिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निवेश सं० 21/सितम्बर/80—यतः, मुझे, ग्रार० रवि-चन्द्रम

शासकर अभिनित्तस, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवाह 'सकत अभिनियस' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्थीन सक्षम प्रामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उन्तित वाजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 भीर 4262/1 पोलनायक्कनपट्टें हैं, जो तूतीकोरीन में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II तूतीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1980 (डाकुमेंट सं० 2276/80)

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; मौह/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में क्रिए आ सकीने।

श्याखीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मैं परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 ग्रौर 4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टै, तूतीकोरीन डाकुमेंट सं० 2276/80) ∤

भार० रविचन्द्रन संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-11, मद्रास ।

तारीख: 6-5-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० 24/सितम्बर/80——यतः, मुझे, स्रार० रवि-चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 श्रौर 4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टै है, जो तूतीकोरीन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-II तूतीकोरीन में रजिरट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-9-1980 को (डाकुमेंट सं० 2317/80)।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के सभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेजुरा कोट्स लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) एस० ग्रयथा पिल्लै

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यित्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

(भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 4255, 4257, 4258/1 और 4262/1, पोलनाथ $\frac{1}{2}$ कनपेट्टै, तूतीकोरीन डाकुमेंट सं॰ 2317/80)।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

٠.

तारीख: 6-5-1981

मोहर:

12-106GI/81

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मई, 1981

निदेश सं० I /सितम्बर/80—-यतः, मुझे श्रार० रवि-चन्द्रन

जायकार अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

थौर जिसकी सं० 34, पन्वीयन रोड, मद्रास-8 है, जो पेरियमेड, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेड, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-9-80 (डाकुमेंट सं० 1102/80)

को पर्वक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारणा है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- (1) दि साउथ इन्डिया सिलिबियन सोसायटी पारसन (ध्रन्तरक)
- (2) पारसन फाउन्डेशन इन्जीनियरिंग कारपोरेशन (ग्रन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(भूमि श्रौर निर्माण श्रव डोर सं० 34, पेन्दियन रोड, मद्रास-8 (डाकुमेंट सं० 1102/80)।

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 14-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 26/सितम्बर/80 श्रीर 27/सितम्बर/80--यतः मुझे, श्रार० रविचन्द्रन मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सें 25,000/- रुपए प्रधिक भौर जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 श्रौर 4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टै है, जो डूटीकोरीन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भ्रार०-II इटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-9-1980 (डाकुमेंट सं० 2440/80 (भ्राइटम सं० 249 भ्रौर 250)

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मनिक्कित व्यक्तियों, अर्थान् ६--- (1) मेजूरा कोट्स लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० म्रलगूलक्ष्मी भ्रम्माल श्रौर मनदर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त् सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों करा व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं[1]

अनुस्ची

(भिम टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 ग्रीर 4262/1, पोल्ठनाथक्कनपेट्टै, डूटीकोरीन डाकुमेंट सं० 2440/80 ग्राइटम सं० 249 ग्रीर 250)।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख: 6-5-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रापकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ब्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 17/सितम्बर/80—यतः मुझे ग्रार० रवि-धन्द्रन श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सन्तित, िक्का उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट ग्रौर 4262/1 पार्ट, पोलनायक्कपेट्टें है, जो इ्टीकोरीन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०- Π इ्टीकोरीन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन (डाकुमेंट सं० 2272/89) तारीख 30-9-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हा से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रंगीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियम का धारा 2--

(1) मेज्रा कोट्स लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० पेरूमाल

(ग्रन्तरिती)

को यह मुजना जारी करक पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य<mark>वाहियां करता</mark> हूं।

उना गमानि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सर्हेंगे।

हपब्टीकरग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वो का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट श्रौर 4262/1 पार्ट, पोलेनाथक्कनपेट्टै, डूटीकोरीन (डाकुमेंट सं० 2272/80)।

म्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकाी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 6-5-1981

प्ररूप माई०टी० एन० एस०----

आयहर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 18/सितम्बर/80—ग्रतः मुक्षे ग्रार० रवि-चन्द्रन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट, श्रौर 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपेट्ट, है, जो डूटीकोरीन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार-II, डूटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-9-1981 (डाकु-मेंट सं० 2273/80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है!—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठिक नियम के श्रश्नीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या िसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, भव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के जनु-गरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सम्रीत, निम्निखिल व्यक्तियों, प्रयत्।—— (1) मेजूरा कोट्स लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० एम० कोथिलपिच्चे नाठार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रंथोहंस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- हममें प्रयुक्त गब्दों भीर नदों का, जो उक्त मधि-नियम के श्रद्धान 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उन ग्रद्धान में दिया गया है।

भ्रनुसूची

(भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 4255, 4257, 4258/1 पार्ट भीर 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कजपेट्ट, डूटीकोरीन। (डाकु-मेंट सं॰ 2273/801)

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास ।

नारीख: 6-5-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन पूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 19/सितम्बर/80---यतः मुझे म्नार० रवि-घन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारम है कि स्थावर संपत्ति, जिसका खिवत बाजार मूल्य 25,000/- ए॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 श्रीर 4262/1 पार्ट पीलजायक्कजपेट्ट है, जो डूटीकोरीन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-II (डूटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-9-1980 (डाकु-मेंट सं० 2274/80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत सम्बक है भीर बन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में बाहतिब ह खर से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अग्नरगरो तुई किसी आप की बावन खकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायिस्व में कभो करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय था किसी धन या ग्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर ग्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मितः, प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनन प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निक्षित अवितयों, अर्थात :— (1) मेजूरा कोट्स लिमिटेड

(श्रन्तरक)

(2) के ल तंकमारियप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपड्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 4255, 4257, 4258/1 पार्ट, ग्रीर 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपेट्टै, डूटीकोरीन—डाकुमेंट सं॰ 2274/80)।

श्चार० रवि**चन्द्रन** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मब्रास ।

नारीख: 6-5-1981

प्ररूप भाई० ही • एत० एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यीलय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 20/सितम्बर/80—यतः मुझे भ्रार० रवि-चन्द्रन

आपकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके उच्चात् 'उन्त्र प्रधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राज्य प्रधिकारी की, यह विश्वास बारने का कारण हैं कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका जिबत बावार मृह्य 25,000/- २० रेश धिव है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 श्रौर 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपेट्टै है, जो डूटीकोरीन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-II डूटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-9-1980 (डाकु-मेंट से॰ 2275/80)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और प्रग्तरक (यग्तरकों) और अग्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वाहसविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनयम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, । अपाने में सुविधा के जिए।

अतः, अव, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उन्त धिधनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्वातः— (1) मेजूरा कोटस लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) एस० ग्रनंतरामन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से
 45 बिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 बिन की घविष, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (च) हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के मंतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रजीह न्ताक्ष ते के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्राधी हरणः -- - इ. में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-तिरान के अध्याय 20-क में परिकाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है ।

अनुसूची

(भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 4255, 4257, 4258/1 मौर 4262/1, पीलनाथक्कनपेट्टै, छूटकोरिन—डाकुमेंट सं॰ 2275/80)।

ग्रार० रविचन्द्रम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीखा: 6-5-1981

प्रारूप् आई. टी. एन. एस्. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निधेश सं० 12/सितम्बर से 16/सितम्बर/80——यतः मुझे श्रार० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं टी एस 4255, 4257, 4258/1 पार्ट ग्रीर 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपट्ट है, जो तूतीकोरीन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जें एस ग्रीर नियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख 30-9-80 (डाकुमेंट सं 2271/80 श्राइटम सं 223 से 227) को की पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मेजुरा कोटस लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला पीरिस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्तै अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

(भूमि टी० एस० सं० 4255; 4257, 4258/1 ूपार्ट श्रीर 4262/1 पार्ट, पोलनथक्कपेट्ट, तूतीकोरीन, डाकुमेंट सं० 2271/80 (श्राइटम सं० 223 से 2271/80

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-I, मट्टास

तारीखा: 6-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-I, मन्नास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निवेश सं० 8/सेण्डमबर/80 से 11/सेण्डमबर/80-यतः, मुझे श्रार० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रत \cdot से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं०टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 पारड भौर 4262/1 पारङ, पोलनायक्कनपे है, जो तूतीकोरीन में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० म्रार०-II तूतीकोरीन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-9-1980 (डाकु-मेंट सं० 2270/80 (इटम सं० 219, 220, 221 ग्रौर 222) को

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुफ्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- 🗷 अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, बक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नस्थिति व्यक्तियाँ अर्थात्:--

13--106GI/81

(1) मेजूरा कोटस लिमिटेड

(श्रन्तरक)

(2) श्री ए० शंकरन पिल्ले ग्रीर ग्रदर्स।

(श्रन्तरिती)

को ग्रह सूचनाजारीकरको पूर्वोक्स सम्पृत्तिको अर्जनको लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट भौर 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपेट्र, तूतीकोरीन--डाकुमेंट सं० 2270/80 (भ्राइटम सं० 219 से 222)।

> भ्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 6-5-1981

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मई, 1981

निदेश सं० 48/सितम्बर/80—यतः, मुझे श्रार० रवि-चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 39 श्रौर 40, ओरक्शप रोड मदुरें हैं, जो मदुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पदुमठपम, मदुरें में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-9-80 (डाकुमेंट सं० 1917/80)

को प्योंक्त संपरित को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री डी॰ पलनियप्पन धौर अनदर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० दरमराजन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जुनुसूची

भूमि एट डोर सं० 39 श्रौर 40, श्रोरकशप रोड, मदुरैं डाकुमेंट सं० 1917/80।

> श्रार० रविचम्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 7-5-1981

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.-----

आय्कर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञ्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π र्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1981

निदेश सं० 49/सितम्बर/80—यतः, मुझे, श्रार० रवि-चन्द्रन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यु 25,000/-एउ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० डोर सं० 39 श्रौर 40, श्रोरकशाप रोड, मदुन हैं, जो मदुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमठपम, मदुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-9-80 (डाक्रमेंट सं० 1918/80)।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे स्थमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सूबिधा के लिए; ब्रौट/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग निम्नसिहिएल, व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री डी॰ पलनियप्पन भौर भनदर

(म्रन्तरक)

(2) श्री श्रारं दरमराजन

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि एट डोर नं० 39 श्रौर 40, श्रोरकशाप रोड, मदुरैं (डाकुमेंट सं० 1918/80)।

> श्चार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 7-5-1981

प्रकप बाई • ही • एन • एस • ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के श्रवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) भर्जन रेंज-1, मद्रास

निवेश सं० 50/सितम्बर/1980—यतः मुझे श्रार० रविधन्द्रन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घ० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 39 श्रौर 40, है, जो श्रोरकशप रोड, मदुरै में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पुदुमठपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-9-1980 (डाकुमेंट सं० 1919/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत धिक है शौर प्रन्तरक (अन्तरकों) शौर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिन्न-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए।

अतः, मन, उनतं मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनतं मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) श्री डी० पलनियप्पन भौर भ्रन्दर

(म्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० दरमराजन

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (च) इस मूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थातर मन्द्रति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकीतरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसके भिवियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिमाणित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में वियागया है।

प्रनुसूची

भूमि एट डोर सं० 39 श्रौर 40, श्रोरकशप रोड, मदुरै।

म्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-5-1981

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1981

निदेश सं० 51/सितम्बर/80---यतः मुझे श्रार० रवि-भन्दन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 39 श्रौर 40, भोरकणप रोड मदुरैं है, जो मदुरैं में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमठपम, मदुरैं में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-9-1980 (डाकुमेंट सं० 1920/80)

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के सुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री डी० पलनियप्पन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी॰ सारवादेवी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

भनुसूची

भूमि एट डोर सं० 39 क्रौर 40, स्रोरकशप रोड, महुरै (डाकुमेंट सं० 1920/80)।

श्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मदुरै ।

तारीख: 7-5-1981

प्रस्प बाइ . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-1, मद्रास
मद्रास, विनांक 7 मई, 1981

निदेश सं० 52/सितम्बर/80—स्यतः मुझे श्रार० रवि चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 39 श्रीर 40, श्रोरकणप रोड, है, जो मदुरें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुदुमठपम, मदुरें में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-9-1980 (डाक्सेंट सं० 1921/80)

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्य- (1) भी डी॰ पलनियप्पन ग्रीए ग्रमदर

(भ्रम्तरक)

(2) श्रीमती डी० सारदा देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूजना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्घी

भिम एट डोर सं० 39 ग्रीर 40, श्रोरकशप रोड, मदुरै—डाकुमेंट सं० 1921/80।

ग्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-5-1981

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1981

निदेश सं० 53/सितम्बर/1980—यतः, मुझे म्रार० रविचन्द्रन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- दपए से प्रधिक है और जिसकी संव डोर संव 39 और 40, श्रोरकणप रोड, मदुरें में है, जो मदुरें में स्थित है (श्रोर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भन्निक है भौर भन्तरिक (भन्तरिकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रीम-नियम, के प्रधीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भास्त्यों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— (1) श्री डी० पलनियप्पन ग्रीर ग्रनदर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी॰ सारदा देवी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए नार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्मत्ति के प्रार्मन के सम्बन्ध में कोई भी धासीप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनधि, जो भी मनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पर्दो का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20 के में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि एट डोर सं० 39 झौर 40, झोरकशप रोड, मद्रौ - डाकुमेंट सं० 1922/80)।

> भ्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

सारीख: 7-5-1981

प्ररूप आई ० टी० एन्० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्ज न रेंज-1, म द्रास

मब्रास-609006, दिनांक 7 मई 1981

निदेश सं० 54|सितम्बर|80—–यतः, मुझे श्रार० रवि -चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुठ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० डोर सं० 39 स्रौर 40, स्रोरकणप रोड, है, जो महुरें में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमंठपम, मदुरें में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 15-9-80 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलित उद्वेष्य से उक्त लिखित में वास्तिवृक्त स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री डी॰ पलनियप्पन ग्रीर ग्रनदर

(म्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० दरमराजन

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्षित सम्मृरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप्:--**

- (क) इस सूजना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी अ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है है

जगुत्र ची

भूमि एट डोर सं० 39 श्रौर 40, श्रोरकशप रोड, मदुरै—डाकुमेंट सं० 1923/80।

> ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-5-1981

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्ज रेंज-I, मब्रास

मद्रास 600006, दिनांक 7 मई 1981

निश सं० 55/सितम्बर/1980--अतः मुझे, रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक ह⁷ .

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 39 श्रौर 40, श्रोरकशाप रोड है, जो मदुरै में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची

में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूद्रमंठपम, मद्दरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-9-1980

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती '(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269- के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपयारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--14--106GI/81

(1) श्री श्री० पत्तनियप्पन, मबूरै

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी० सारवा देवी

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षाराः
- (क्रा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी एट डोर सं∙ 39 ग्रौर 40, श्रोरककाप रोड, मब्रै--- डाक् मेंट सं 0 1924/861

> श्रार० रविचम्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 7-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 7 मई 1981 निर्देश सं० 45/सितम्बर/80—यतः मुझे, भ्रार० रवि-**यन्द्र**न

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 299/1, दिख्वोटरीयर है रोड, है, जो मद्रास-21 में स्थित है श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुरम, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 30-9-1980

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा या या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बी० पदमनाबन श्रीर श्रवसं

(म्रन्तरक)

(2) सुप्रीम स्टार शिपिंग कम्पनी लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण एट डोर सं॰ 299/1, टिस्वोटरीयर है रोड, मद्रास—डाकुमेंट सं॰ 1568/80।

> आर॰ रिवचिन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-5-1981

प्रकृप आहु". टी. एस्. एस. मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1981

निदेश सं० 59/सितम्बर/80—यतः मुझे धार० रवि-चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 281/1, 282, 283/1 श्रीर 284 पिन्जा गांव (डॉमलजाट्) है, जो नार्थ श्रारक ड जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वालाजापेड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-9-1981 (डाकुमेंट सं० 2411/80)

को पूर्वाक्त सम्पति के उजिल बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एगे अन्तरण के लिए सय भाया गया प्रतिक कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिलिखल में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा को लिए;

गतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नुधीन, निम्नलिखित, अधितस्यों, नुधीत् ः--

- (1) श्री ए० भ्रबतुल मरक्कायर भ्रौर एनदर (ध्रम्तरक)
- (2) श्री एम० जमील ग्रहमत श्रीर श्रदर्स (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ति के वर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

भमि श्रौर निर्माण एट एस० सं० 281/1, 282, 283 श्रौर 284, पिन्जी गांव, नार्थ झारकाड जिला (तमिलनाडू) बाकुमेंट सं० 2411/80।

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-5-1981

प्रकृप साईं-ही-दून-एस---

आयकर निवित्तन; 1961 (1961 का 43) की धारा 26कथ (1) के स्थीत तुचना

बारत सरकार

कायौलय सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11, मदास

मद्रास, विनोक 8 मई, 1981

निवेश सं० 15765-यतः मुझे राधा बालकुष्न आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त बांधिनियम' नहा गया है), की धारा 209-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका विवित याजार मूरुय 25,000/- व• से **प्रधि**क **है** भौर जिसकी सं० भूमि भार० एस० 114 है, जो श्रोवियम तोरपाटवम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सैदापेड (डाकुर्मेंट सं० 2960/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन तारीख सितम्बर, 1980 को पूर्वोदन सम्पत्ति के डिवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित काजार मृहय, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पम्प्रह प्रतिकत सक्षिक है भीर ग्रन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिकास, निम्नलिश्वित उद्देश्य से प्रक्स धन्तरण सिबित में वास्तविक रूप से कवित नदी किया नया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत; उक्त अधिनियम ्के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः जनतः प्रधिनियमं की घारा 269-ग के प्रमुस्यण में, में, जकत प्रधिनियमं की घारा 269-थ की उपधारा (1) हो कभीन, निरुम्हिन्दस्य व्यक्तिस्यों मुक्तिः--- (1) श्रीमती लक्ष्मी नासालिनगम

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० सुशीला देवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूजीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिनियम' के प्रख्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ब्रार० एस० सं० 114, ओखियम तोरपाटवम (डाक् मेंट सं 2960/80)।

> राधा बालक्रप्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंप-11, मन्नास

तारीब: 8-5-1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर मित्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-16, कलकत्ता

कलकत्ता,16 दिनांक 23 ग्राप्रैल, 1981

निर्वेश सं० ए० सी०-16/रेंज-IV/कलकत्ता/1981-82--यत: मुझे के० सिंहा
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/इपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० वाग सं० 18 है, तथा जो मौजा स्वालिया जिला हाबड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्श रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्या-लय, हाबड़ा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख 8-9-1980 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान
प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269 न के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 य की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— (1) श्री दिपेन्द्र नाथ चटर्जी

(भन्तरक)

(2) प्रेसीसान पाईपस और ट्यूब्स

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो खक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मौजा स्वालिया, जिला हाबड़ा में स्थित 10 कनाल, 4 स्टोक 42 वर्ग फुट जमीम का सब क जैसे कि 1980 का विकास सं० 3133 में और पूर्ण छप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षश) श्रर्जन रेंज- 16 क्वीकलकता।

तारी**च**: 23-4-1981

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.---

आमुक़र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 19 मई 1981

निदेश सं० 902/एक्य्/ब्रार०- /81-82-पतः श्राई० बी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000 / - रुत. से अधिक **हैं** ग्रीर जिसकी सं० 93/3 बी ग्रीर 93/3 सी० है, तथा जो कानकुलिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय, ग्रलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 4-9-1980 पर्वोवत सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुह्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कानाई लाल घटर्जी

(मन्तरक)

(2) बेनुबन को-श्रापरेटिव हारुसिंग सोसाइटी लि०, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिथ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

जमीन का ठिकाना:
93/3 बी॰ और 93/3 सी॰, कानकुलिया रोड, कलकत्ता
5 कटठा, 8 छटांक जमीन। वदील सं॰ 4304।

ग्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-III; कलकत्ता

नारीख: 19-5-1981

प्रकप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 मई, 1981

निदेश सं० 903/एक्यू भ्रार०-III/81-82—यतः मुझे, भ्राई० वी० एस० शुनेजा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० 93/3 बी० भौर 93/3 सी० है, तथा जो कानकुलिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रिलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-9-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत, खक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :-- (1) श्री अशोक कुमार चटर्जी

(अन्तरक)

(2) बेनुबन कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के **धर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो छक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, वही यथें होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसृषी

जमीन का ठिकाना: 93/3 बी० श्रौर 93/3 सी०, कानकुलिया रोड, कलकत्ता। 5 कट्ठा 8 छटांक जमीन। दलील सं० 4358।

> श्राई० वी॰ एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता।

तारीख: 19-5-1981

प्रकप भाई० टी० एन• एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, I कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1981

निर्देश सं० 574/म्रर्जेन/मार०-I/80-81—यतः, मुझे, म्राई० बी० एस० जुनेजा,

धायकर भ्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्धितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिर्धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ह्य 25,000/-स्पाप से प्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 223 है तथा जो जोरा चन्त रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रयधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-9-1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ -नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुधिधा के लिए।

मतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- (1) श्री गौरी शंकर भट्टाचार्या भौर श्रन्य (मन्तरक)
- (2) श्री मृगेन्द्र किशोर सरकार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

223 गोरा चांद रोड, कलकत्ता में श्रवस्थित 5 कट्ठा 11 छटांक, 9 वर्ग फिट, जमीन जो 12-9-80 तारीख में डीड नं० 817 श्रन्सार एस० श्रार० शियालवह, दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

> श्राई० वी० एस० जनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता।

तारीख: 20-5-1981

प्रकृष भाई। टी। एन० एस।---

भागकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई, 1981

निदेश सं० टी० भार०-394/80-81 एस० एल० नं० 572/म्रर्जन रेंज-I—यत: मुझे भ्राई० थी० एस० जुनेजा, क्षायंकर क्षक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- बपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० मेजानाईन, फ्लोर है तथा जो 24 पार्क स्ट्रीट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनसूची में श्रोर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30-9-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अक्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके दुश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अभ्वरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरक

(क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत अक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, जनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों ज्यति :--15—106GI/81

(1) मैसर्स कलकत्ता केडिट कारपोरेशन, 24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. राजीव गांधी
 2. सन्जीव गांधी
 36/1, यतीन दास रोड, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथंन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की जबिंछ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविछ, जो भी धविछ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उनत अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में मंसिच का मेजावाईन फ्लोर, जो 2886 वर्ग फिट है भौर भाई-9099 पी० डीड नं० भ्रनुसार 30-9-80 सारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता।

तारीख: 20-5-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 20 मई 1981

निदेश सं० टी० श्रार०-390/80-81-श्रर्जन रेंज-I---श्रतः मुझे श्राई० वी० एस० जनेजा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 31 है तथा जो सयार हरिराम गोयेङका स्ट्रीट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-9-1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिभल से ऐसे वृष्यमान प्रतिभल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्ति रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-भल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) जयपुर इनवेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड, 31, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।

(भ्रन्सरक)

(2) भारगेनाइण्ड इनवेस्टमेंट कं लिं लिं , 18, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृवालित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकों ने।

स्य्थ्विकरणः -- इसमें प्रयूक्त सक्यों भौर पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

31 सायर हरिराम गोयेकका स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रयस्थित 9 कट्टा 14 छटांक (लगभग) जमीन पर मकान जो 25-9-1980 तारीख में I-5579 डीड नं० के श्रनुसार रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेज के दफ्तर में रिजस्ट्र हुगा।

> भाई० वी० एस० जनेजा सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेंज-I, कलकत्ता।

तारीख: 20-5-1981

प्रकथ पाई • टी • एन • एस • —

आयक्तर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1981

निर्देश सं० ए० सी०-13/ग्रार०-II/कलकत्ता/81-82— यतः मझे के० सिंहा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पी-502/6 है तथा जो बासुदेवपुर रोष्ठ, पी० एस० बेहाला, कलकत्ता-61 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राई० एस० ग्रार० श्रलीपुर एट बेहाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य कसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अग्तरकों) भीर अग्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यां।
- ्रै(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पाय आस्तियों को अन्हें भारतीय पायकर प्रधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उनत विधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गीता रानी बरमन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रन्जना नन्दी मजुभदार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ चरता है।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप ।--

- (क) इस सूजना के राजगत में प्रकाशन की वारी आ के 4 8 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामी ज से 30 विन की भविष, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राख्डोकरण:--इसम प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के मध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, बही अर्थ होगा, बो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरिया, 3 कनाल, 14 छटांक 27 वर्ग फुट मोकाम पी-502/6, बासुदेवपुर रोड, पी० एस० बेहाला, कलकत्ता-61।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-I^I, कलकत्ता

तारी**ख:** 20-5-1981

मोहर

प्रकेष बीड् . टी. एमें . ऐस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 20 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-12/रेंज-11/कलकसा/81-82—यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 84 है तथा जो सी० ग्राई० टी० रोड, कलकता-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० सियालयह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 22-9-1980 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बांजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेत्रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कांशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बोरेन्द्र नाथ चौधरी ग्रौर ग्रन्य (श्रन्सरक)

(2) श्री भजहरि साहा और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (खं) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकेशिन की तारीखंते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

क्षेत्रफल 5 कनाल, 7 छटांक, 10 वर्ग फुट मोकाम 84, सी० भाई० रोड, कलकत्ता-10।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी संहायक भ्रीयंकर भ्रायंक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अनुसर्वेण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

तारीख: 20-5-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 20 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी० 30/रेंज-II /कलकत्ता/1981-82---यतः मुक्षे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. सी अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दाग सं० 1047 है तथा जो मैदिनिपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के श्रधीन, तारीख 12-9-1980

का पूर्वांक्त संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के रहयमान प्रित्यल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किस्ते आया की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वीयित्व में अभी करने या उससे अचने में सुजिधा के सिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ अधीन:—

(1) श्रीमती रेनुका, मीरा गांगुली

(ग्रन्तरक)

(2) अजय इन्डस्ट्रीज लि॰

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्य सम्पृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवितयाँ पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अवधि , जो की अवधि बाद में सम्बन्ध होती ही, के भीतर पूर्ण केत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन कर तारीच से 45 दिन के शीतर खबत स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स लिखित में किए या सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्यों का, को सक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनस्त्रची

मौजा भवानीपुर, थाना सुवाहाटा, जिला मेदिनिपुर में 2'45 एकड़ जमीन का सब कुछ 1980 का वलील सं० 5284 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम श्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 20-5-1981

मोहरः

प्रकृप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्णन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1981

निर्वेश सं० ए० सी०-14/रेंज-II/कलकत्ता/81-82— यतः मुझे के० सिहा

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 5 है तथा जो राम मोहन मिललक गार्डेन लेन, कलकता-10 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० झार० सियालवह में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-9-1980

की पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हे कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन हैन्स्निल्चित व्यक्तियों, अधीत हैन्स्

(1) श्री कार्निक चन्द्र खान ग्रौर ग्रन्य

(मन्तरक)

(2) ईस्ट एण्ड पार्क कं० ग्र० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, कलकत्ता-16।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्याराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त कक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षत्रफल 9 बीथा, 8 कनाल, 1 छटांक, 38 वर्ग फुट जो 5, राम मोहन मल्लक गार्डेन लेन, पी० एस० बेलेघारा कलकत्ता-10 में श्रवस्थित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, कलकत्ता।

तारीख: 21-5-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयक्तर ध्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) की आहा 2694(1) के ध्रशीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी० 34/रेंज-IV/कलकत्ता/1981-82---मत: मुझे, के० सिंहा

मायकर मिथिनमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त मिथिनमम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 184 है तथा जो जे० एन० मुखर्जी रोड, हावड़ा में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के धिधन तारीख 12-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दमियत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

नत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिस व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) हिन्दस्तान बाउन बावेरी लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोम डेबलपमेंट श्रा० लि०

(मन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्यों का, जो धनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्चन् सूची

184 जे० एन० मुखर्जी रोड, खालिकया, हावड़ा में 8 बीघा, 8 कठा, 5 छटाक जमीन का सब कुछ जैसा सं० 1980 का वलील सं० 5399 में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-IV, कलकत्ता।

सारी**ख**: 21-5-1981

प्रारूप् नार्, टी. प्रमृ. प्रमृ. ----

नायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकार जायुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज- फलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 21 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-35/रेंज-IV/कलकत्ता/1981-82---

यतः मुझे, के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रूपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो बोलपुर, बीरभूम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विकास है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य प्रतिकात से विधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्रिप से क्रिथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सुलेखा भौमिक

(भ्रन्तरक)

(2) एमको जनरल प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० (मन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अन्स्की

मौजा सुरुल, बोलपुर, बीरभूम में 17 छटांक जमीन का साथ मकान का सब कुछ जसे सं० 1980 का दलील सं० 5507 में और पूर्ण रूप से विंगत है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , कलकत्ता।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख: 21-5-1981

प्रस्प आई. टी. एन. एस.----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅंन रेंज-I कलकसा

कलकत्ता, विनांक 22 मई, 1981

575/मर्जन रेंज-I/कलकत्ता/1980-81---निदेश सं० यत: मुझे धाई० वी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है धीर जिसकी सं० 26 है तथा जो बरतल्ला स्ट्रीट में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण मिश्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के **घधीम, तारीख 25-9-1980 को** को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यनाम प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप मे कवित मही किया गया है:---

- (क) घरतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीध-तियम के अधील कर देने के अन्तर ह के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के दिया; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था थे किया जाना बाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः श्रम, उक्त श्रधिमियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:----

(1) मैससं एस० जी० इनवेस्टमेंट एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०।

(ब्रन्तरक)

(2) में सर्स मेनका इनवेस्टमेंट लि॰

(भ्रन्तरिती)

को पह सूचना जारी नरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

धनत सम्पत्ति के भ्रजंत के यम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पध्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तों ग्रीर पदों का, जी उक्त श्राध-निगम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

26 बरतल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता में प्रवस्थित प्रांशिक चार तल्ला श्रौर श्रांशिक पांच तल्ला मकान जो 11 क० 6 छटाक 27 वर्ग, मीटर जमीन पर श्रवस्थित है भौर जो 25-9-80 सारीख में डीड नं० 5578 के श्रनुसार रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्स का वफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता।

तारीख: 22-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 22 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-15/रेंज-II/कलकता/1981-82--यतः मझे, के० सिंहा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 61 है तथा जो सी० श्राई० टी० स्कीम नं० ऍ∏एम, बी० श्राई० पी० रोड, मानिकतल्ला, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० भार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30-9-1980 को

को पूर्वीक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को इदयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंकित संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्कर प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर व्यधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थअन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उभीन निकालिसिस व्यक्तियों अर्थात: --

(1) श्री सत्य रंजन कोनार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सौमेन घोष

(भ्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके प्वार्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की प्रामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ख) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

क्षेत्रफल 6 कनाल, 7 छटोक, 18 वर्ग फुट, प्लाट नं० 61, सी० भाई० टी० VIII एम (एम०), वी० म्राई० पी० रोड, पी० एस० मानिकतल्ला, कलकत्ता ।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

मोहर:

तारीख: 22-5-1981

प्रकृष साई। हो। एमः एसः----

आयकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 22 मई, 1981

निवेश सं० 575/प्रार्जन रेंज-1/कलकत्ता/1980-81---यत: मुझे, धाई० बी० एस० ज्नेजा

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 26 है तथा जो बरतल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भशीन, तारीख 25-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निष्ठित व्यक्तियों, अधीन हिन्निष्ठित व्यक्तियों, अधीन हिन्नि

(1) मैसर्स एस० जी० इन्वेस्टमेंट एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०

(भन्तरक)

(2) मैसर्स मेनका इनवेस्टमेंट लि०

(भन्तरिती)

को यह सूचना जातं अपने पूर्वीक्त समानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां फरसा हूं।

उक्त सम्पन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के चीतर पूर्णोकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेगें।

स्पच्छोकरण:---इसमें प्रवृक्त ग्रन्थों भीर पत्रों का, को उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसू**ची**

26 बरतल्ला स्ट्रीट कलकत्ता में भ्रवस्थित भ्रांशिक चार सल्ला और भ्रांशिक पांच तल्ला मकान जो 11 कट्टा 6 छटांक 27 वर्ग फिट जमीन पर भ्रवस्थित और जो 2539 तारीख में डीड नं० 5578 भ्रनुसार रजिस्ट्रार भ्राफ एसुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> आई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रिंज-I 54, रफीग्रहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 22-5-1981

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-11, the 30th April, 1981

No. P/1415-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri M. S. Pruthi, a permanent Selection Grade Officer of Central Secretariat Service Cadre and officiating as Joint Secretary (Rs. 2000-125/2-2250) in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1981.

H. C. JATAV, Joint Secretary (Admn.), Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 2nd May, 1981

No A. 32014/1/81-Admn. I—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistant: of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. Grade B of CSSS in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below:

S.No.	Namo		Period	Remarks
S/S	hri			
1. P.P.	. Sikka	}	2-5-81 to 1-8-81 or until further	Against 2 posts created by
2. O.P	P. Doora	}.	orders whichever is earlier	temporarily downgrading posts of Pri- vate Secretaries
3. H.C	C. Katoch	•	Do.	Against resul- tant chain vacancy
4. T.R	. Sharma		4-5-81 to 3-7-81 or until further order whichever is earlier.	Do.
5. Sha	m Parkash		25-4-81 to 24-6-81 or until further order whichever is earlier	Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for sensority in that grade. Further, the aforesaid ad hoc appointments are also subject to the approval of the DOP&AR.

S. BALACHANDRAN
Deputy Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 13th May 1981

No. A. 35014/1/79-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri D. R. Madan, a permanent Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis on deputation to the post of Section Officer (Special-Services) for a period from 12-5-1981 to 11-8-1981, or until further orders, whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special-Services), the pay of Shri D. R. Madan will be regulated in terms of the Ministryof Finance, Department of Expenditure O. M. No. F. 10(24)-E. III dated 4-5-1961, as amended from time to time.

P. S. RANA, Section Officer, for Secretary, Union Public Servic & Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 14th April 1981

No. 10 RCT 3.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. N. Dhar, Executive Engineer of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from 30-3-81 (FN), until further orders.

K. L. MALHOTRA,
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd May 1981

No. A-19036/3/79-AD. V.—The services of Shri K. Fariduddin, Dy. Superintendent of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Andhra Pradesh Police were placed back at the disposal of Andhra Pradesh Government with effect from 30-4-1981 afternoon.

the 25th May 1981

No. A-19021/4/81-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Dangwal, IPS (MP-1966) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, with effect from the afternoon of 16-5-1981.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 19th May 1981 CORRIGENDUM

No. 11/99/79-Ad. I.—The last line of this office Notification of even number dated 28-4-1981 may be read as under:

"from the afternoon of the 10th April, 1981".

K. C. SETH Deputy Director

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 27th May 1981

No. Estt./Entt./VI/10-3.—Smt. Catheline Isaac, Accounts Officer of the office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation on the afternoon of 30th April, 1981

(Sd.) Illegible Accountant General

MINISTRY OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Simla-4, the 6th June 1981

No. 23/17/81-CPI.—The All-India Consumer Price Inde Number for Industrial Workers on base: 1960=100 increase by 7 points to reach 427 (Four hundred and twentyseven during the month of April, 1981. Converted to base: 1949=10 the index for the month of April, 1981 works out to 51: (Five hundred and nineteen).

A. S. BHARADWA. Directo:

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL), CALCUTTA

List of Promissory Notes and Debenture kept in the Custody of Director General Posts & Telegraphs on 31-3-1980.

1	15 16 5½% 5½% Comp Bond 2000 1999	p. Moha- i ras.
1. Priyalal Mukherjee 300	Comp Bond	p. Moha- i ras.
1. Priyalal Mukherjee		
2. Civil and Military Gazettee, Lahore 1300 3. The Trustees Tribune Press and non-Press message Newspaper, Lahore 400 4. M/s. Dhanuka Industries (P) Ltd. 500 5. M/s. J. K. Business Machines, Calcutta 1000 6. M/s. Paul and Co. 2000 7. M/s. National Cable Works Ltd. 27000 8. Press Trust of India Ltd., Bombay 7200 9. The Bharat Lime Limited 3000 0. Balmer Lawrie and Co. Ltd., Bombay 100 1. Narandas Rajaram & Co. (Pvt.) Ltd. 3000 2. Press Trust of India Ltd. (Bombay) 26700 3. Killick Nixon Ltd. 12500 4. Protos Engg. Co. (Pvt.) Ltd. 10000 5. Turner Morrison & Co. Ltd. 9000 6. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay 2700 7. Killick Nixon Ltd. 3500 8. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 0. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1000 1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla 3000 2. The Daily Gazette Karachi 1000		
3. The Trustees Tribune Press and non-Press message Nowspaper, Lahore		
Newspaper, Lahore 400 4. M/s. Dhanuka Industries (P) Ltd. 500 5. M/s. J. K. Business Machines, Calcutta 1000 6. M/s. Paul and Co. 2000 7. M/s. National Cable Works Ltd. 27000 8. Press Trust of India Ltd., Bombay 7200 9. The Bharat Lime Limited 3000 10. Balmer Lawrie and Co. Ltd., Bombay 100 11. Narandas Rajaram & Co. (Pvt.) Ltd. 3000 12. Press Trust of India Ltd. (Bombay) 26200 13. Killick Nixon Ltd. 12500 14. Protos Engs. Co. (Pvt.) Ltd. 10000 5. Turner Morrison & Co. Ltd. 9000 6. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay 27000 7. Killick Nixon Ltd. 3500 8. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 9. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1000 1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla 3000 2. The Daily Gazette Karachi 1000		
4. M/s. Dhanuka Industries (P) Ltd. 500 5. M/s. J. K. Business Machines, Calcutta 1000 6. M/s. Paul and Co. 2000 7. M/s. National Cable Works Ltd. 27000 8. Press Trust of India Ltd., Bombay 7200 9. The Bharat Lime Limited 3000 10. Balmer Lawrie and Co. Ltd., Bombay 100 11. Narandas Rajaram & Co. (Pvt.) Ltd. 3000 12. Press Trust of India Ltd. (Bombay) 26200 13. Killick Nixon Ltd. 12500 14. Protos Engg. Co. (Pvt.) Ltd. 10000 15. Turner Morrison & Co. Ltd. 9000 16. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay 27000 7. Killick Nixon Ltd. 3500 18. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 10. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1000 11. M/s. Rabhadra Kumar Reshamwalla 3000 12. The Daily Gazette Karachi 1000		
5. M/s. J. K. Business Machines, Calcutta 1000 6. M/s. Paul and Co		
6. M/s. Paul and Co		
7. M/s. National Cable Works Ltd. 27000 8. Press Trust of India Ltd., Bombay 7200 9. The Bharat Lime Limited 3000 0. Balmer Lawrie and Co. Ltd., Bombay 100 1. Narandas Rajaram & Co. (Pvt.) Ltd. 3000 2. Press Trust of India Ltd. (Bombay) 26200 3. Killick Nixon Ltd. 12500 4. Protos Engg. Co. (Pvt.) Ltd. 10000 5. Turner Morrison & Co. Ltd. 9000 6. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay 27000 7. Killick Nixon Ltd. 3500 8. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 0. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1 1000 1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla 3000 2. The Daily Gazette Karachi 1000		
8. Press Trust of India Ltd., Bombay		
9. The Bharat Lime Limited		
0. Balmer Lawrie and Co. Ltd., Bombay 100 1. Narandas Rajaram & Co. (Pvt.) Ltd. 3000 2. Press Trust of India Ltd. (Bombay) 26200 3. Killick: Nixon Ltd. 12500 4. Protos Engs. Co. (Pvt.) Ltd. 10000 5. Turner Morrison & Co. Ltd. 9000 6. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay 27000 7. Killick: Nixon Ltd. 3500 8. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 0. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1000 1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla 3000 2. The Daily Gazette Karachi 1000		
1. Narandas Rajaram & Co. (Pvt.) Ltd		
2. Press Trust of India Ltd. (Bombay) 26200 3. Killick Nixon Ltd. 12500 4. Protos Engg. Co. (Pvt.) Ltd. 10000 5. Turner Morrison & Co. Ltd. 9000 6. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay 27000 7. Killick Nixon Ltd. 3500 8. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 0. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1000 1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla 3000 2. The Daily Gazette Karachi 1000		
3. Killick Nixon Ltd. 12500 4. Protos Engg. Co. (Pvt.) Ltd. 10000 5. Turner Morrison & Co. Ltd. 9000 6. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay 27000 7. Killick Nixon Ltd. 3500 8. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 9. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1000 1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla 3000 2. The Daily Gazette Karachi 1000		
4. Protos Engg. Co. (Pvt.) Ltd. 10000 5. Turner Morrison & Co. Ltd. 9000 6. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay 27000 7. Killick Nixon Ltd. 3500 8. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 9. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1000 1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla 3000 2. The Daily Gazette Karachi 1000		
5. Turner Morrison & Co. Ltd		
6. Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay		
Office, Bombay		
7. Killick Nixon Ltd		
8. M/s. South Indian Export Co. (Madras) 500 9. The Pioneer Ltd., Lucknow 1500 0. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut 1000 1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla 3000 2. The Daily Gazette Karachi 1000		
9. The Pioneer Ltd., Lucknow		
9. The Pioneer Ltd., Lucknow		
0. Mathrabhumi Printing and Publishing Co. Ltd., Kozikode, Calicut		
Kozikode, Calicut		
1. M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla		
2. The Daily Gazette Karachi 1000		
3. M/s. A. B. Pandit & Co. Karachi 1000		
4. M/s. Cowasji and Sons, Karachi 200		
5. M/s. Louis Dreyfus & Co. Ltd., Karachi 500		
5. M/s. Eastern Steamship Private Ltd		
7. Gannon Dunkerly and Co. Ltd		
3. Hind Shipping Agencies		
). M/s. Lionel Edwards Ltd		
. The Daily Gazette Press, Karachi		
1. M/s. Burmah Sheli Oil Storage and Distributing		
Co. of India Ltd. 1500		
2. M/s. Ralli Bros. Ltd. 1000		

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) CALCUTTA

List of Promissory notes and Debenture kept in the Custody of Director General, Posts & Telegraphs on 31-3-80—Contd.

[Vide Para 139 (F) of the P & T_i Audit Manual Vol Π]

									Manual Vol I	
1	2						21 22		23 24	
. No.	Name of contractors		5-1 % Moha		<u>.</u> 6-1%	5-}% W.B.	Moha-	5 <u>₹</u> %	3%	Name of Plegdee
			rash. 1980	2003	2000	1982	rash. 1985	2002	1896-97	
	lal Mukherjee									P.M.G. Bengal and Assam (East Bengal).
	and Military Gazette, Lahore	•	•							Punjab Tele.graph Traffic Branch.
	Trustees Tribune Press and	non-Pres	is .							
	age Newspaper, Lahore	•	•							Do. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
	Dhanuka Industries (P) Ltd.	•	•							Do.
	J. K. Business Machines, Calcutta	•	•							Controller of Telegraph Stores, Alipore.
	Paul and Co. National Cable Works Ltd.	•	•							Manager Tele work Shop Alipore.
	Trust of India Ltd., Bombay	•	•							Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
	Sharat Lime Limited.	· ·								Do.
	er canfire and Co. Ltd., Bombay									Do.
	ndas Rajaram & Co. (Pvt.) Ltd.									Do.
12. Press	Trust of India Ltd., (Bombay)	-								Do.
13. Killic	k Nixon Ltd									Do.
14. Proto	s Engg, Co. (Pvt.) Ltd	-								Do.
	er Morrison & Co. Ltd.									Do.
16. Life	Insurance Corporation of India	, Centra	1							
	e, Bombay									Do.
	k Nixon Ltd. *.		•							Do.
	South Indian Export Co. (Madras		•							C. S. C.T.O. Madras.
	Pioneer Ltd., Lucknow		•							Supdt. in-charge C.T.O. Lucknow
	rabhami Printing and Publishing	Co. Lto.								Supdt. C.T.O., Kozikode, Calicut.
	Kode, Calicut Rabindra Kumar Reshamwalla	•	•							Chief Supdt. C.T.O., New Delhi.
	Daily Gazette Karachi	•	•							Supdt. in-charge Telegraph Office, Karachi.
	A. B. Pandit & Co., Karachi	•	•							Do.
	Cowasji and Sons, Karachi									\mathbf{p}_{0}
	Louis Dreyfus & Co. Ltd., Karacl	hi.								Do.
-	Eastern Steamship Private Ltd.									Telegraph Traffic Supervisor-III, D.T.O., Matunga, Bombay.
-	on Dunkerly and Co. Ltd.		_							Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
	Shipping Agencies		•							Do.
	Lionel Edwards Ltd.	•	•							Chief Supdt. C.T.O. Bombay, Calcutta.
-		•	•							
	Daily Gazette Press, Karachi									Supdt. in charge Telegraph Office, Karachi.
	Burmah Shell Oil Storage and D	ustri butic	an							fire to find at one are at
	of India Ltd.	•	•							Supdt. Telegraph Office, Karachi.
32. M/s.	Ralli Bros. Ltd.		•							Supdt. in-charge Telegraph Office, Karachi.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) CALCUTTA

List of Promissory notes and Debenture kept in the Custody of Director General, Posts & Telegraphs on 31-3-80—Contd.
[Vide Para 139 (F) of the P & T Audit Manual Vol II]

1	2		3 4	1 5	6	7	8	9	10	11	12	13	14		15	16	17
3. M/s. Burn	nah Shell Oil Storage and Distribu	ning			_									_			
Co. of Ind	ia Ltd., Lahore					2001											
	ah Shell Oil Storage and Distribu	nting				_											
Co. of Ind	ia Ltd., Rawalpindi	-				200											
5. The Daily	Gazette and Press, Karachi							400									
6. Herbartson	rs Ltd.													1400			
7. R. R. Nab	ar & Co													100			
3. Harbartson												800					
M/s. Coop	er Engg. Ltd.											2500					
	Overseas Bank Ltd.								5000								
I. M/s. Gann	on Dunkerly & Co. Ltd.								500								
	on Dunkerly & Co. Ltd						1000										
	a Steam Navigation Co. Ltd.										35000						
4. The Scindi	a Steam Navigation Co. Ltd.	,									15000						
5. Reserve Ba	ınk of India										40000						
6. Batliboy &	. Co. Ltd												700				
7. Mehta Val																	3
8. Developme	ent Secretary (F) LIC of India .	_															
9. Indian Ow	erseas Bank									5000							
0. Indian Ove	erseas Bank									10000							
1. Indian Ove	erseas Bank									5000							
2. Indian Ov	erseas Bank									500							
3. United Bar	nk of India, Calcutta														25000		
4. M/s. Lione	el Edwards Ltd	-														6000	
5. Machinon	Mackenzie Co. (P) Ltd														76700		
6. M/s. Batliy	wala & Karani														11 0 0		
57. United Ba	ank of India H. O. Calcotta .														75000		
8. Industrial	Development Bank of India .																
9. M/s. Allah	abad Bank Ltd. (Calcutta Branch)																
0. United Ba	nk of India H.O. Calcutta																
1. Indian Ow	erseas Bank	-															
2. Indian Ov																	
3. Killick Ni	xon Ltd																
4. M/s. Lion	el Edwards Ltd															4000	
	tra State Co-operative Bank Ltd.																
Total			150200	1300	400	3300	1000	400	5500	20500	90000	3300	700	4500	177800	10000	

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) CALCUTTA

List of Promissory notes and Debenture kept in the Custody of Director General,	Posts & Telegraphs on 31-3-80—Conid.
[Vide Para 139 (F) of the P & T Audit Manua	

1	2	18	19	9 20	0 21	.1 22	2	2 3	24	Name of pledgee
	a Shell Oil Storage and Distributing									mico. v mi
Co. of India	a Ltd., Lahore									Chief Supdt. Telegraph C. T. O., Lahore.
	ah Shell Oil Storage and Distributing									
Co. Ltd., R										Chief Supdt. Telegraph C. T. O., Rawalpindi.
	Gazette and Press Karachi									Supdt. in-charge Telegraph Office, Karachi.
36. Herbartsons										Chief Supdt., C.T.O., Bombay.
37. R. R. Naba	-									Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
38. Harbartson										Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
39. M/s. Coope										Supdt. C.T.O. Poona.
	Overseas Bank Ltd.									Chief Supdt. C.T.O., Calcutta.
	on Dunkerly & Co. Ltd.									Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
	ion Dunkerly & Co. Ltd.									Do.
	ia Steam Navigation Co. Ltd.									Do.
	ia Steam Navigation Co. Ltd.									Do.
	ank of India									Do.
46. Batliboy &										Do.
47. Mehta Vak										Do.
48. Developme	ent Secretary (F) L.I.C. of India .							9000	0	Telegraphist in charge D.T.O. Santacruz, Bombay.
49. Indian Ove										Chief Supdt. C.T.O., Madras.
50, Indian Ove										Do.
51. Indian Ove										$\mathbf{p}_{\mathbf{o}}$.
52. Indian Ove										Chief Supdt. C. T. O., Calcutta.
	nk of India, Calcutta									Do
	el Edwards Ltd.									Chief Supdt. C. T. O., Bombay.
	Mackenzie Co. (P) Ltd.									Chief Supdt. C. T. O., Bombay.
	wala & Karani									Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
•	nk of India H.O. Calcutta									Chief Supdt. C.T.O., Calcutta.
	Development Bank of India			13500						Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
	nabad Bank Ltd. (Calcutta Branch)				50000					Chief Supdt. C.T.O., Calcutta.
•	nk of India H.O. Calcutta						25000			Chief Supdt. C.T.O., Calcutta.
61. Indian Ove			2000 0				-			Chief Supdt., C.T.O., Madras.
62. Indian Ove			28000							Supdt. in-charge D.T.O. Anna Road, Madras.
63. Killick Nix	xon Ltd.	4000								Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
64. M/s. Lion.	el Edwards Ltd.									\mathbf{D}_{0} .
	tra State Co-operative Bank Ltd					25000				Do.
TOTA	<u>t</u>	4000	48000	13500	50000	25000	25000	9000	0	

Regd No. Publication/G.S.-327 dated 21-5-1981

Sd/- Illegible Accounts Officer (Postal) Calcutta.

PART III--SEC. 1]

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT N. F, RAILWAY

Gauhati-781011, the 22nd January 1981]

S. O. O. No. 81,—Shri S. K. Bhattacharjee, SRAS Section Officer of this office, at present working as Accounts Officer on Foreign Service in the Central Inland Water Transport Corporation Ltd., Gauhati, has been granted proforma promotion in the Audit Officers' Grade in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1-1200/- under the Next Below Rule with effect from 29-8-80 (AN) until further orders.

The 27th January 1981

S. O. O. No. 83.—Consequent on his permanent absorption in the Food Corporation of India/Calcutta, the lien of Shri G. Rambin, a permanent member of the SRAS cadre and Officiating as Audit Officer, is terminated under FR-14(A) (d) with effect from 25-4-1979,

S. CHANDRASEKHAR Director of Audit

Gauhati-781011, the 17th February 1981

- S. O. No. 89.—Late S. K. Mukherjee, Audit Officer of this office who was on Foreign Service with Aligarh Muslim University, Aligarh, expired on 11-9-1980.
- 2. Late N. C. Dutta, Audit Officer of this office, who was on Foreign Service with the Bharat Heavy Electricals Ltd., Santaldih. expired on 18-11-1980.

N. N. GOPAL SIKDAR Audit Officer/Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT SOUTHERN RAILWAY

Madras, the May 1981

S/Shri P. A. Muniswamy and M. C. Varadarajan permanent/Officiating members of the SRAS cadre, in the Office of the Director of Audit/Southern Railway/Madras are promoted by the Director of Audit to officiate as Audit Officers in the scale Rs. 840-1200 with effect from 9-4-1981 FN and 6-4-1981 FN until further orders.

Promotions made in these cases are purely on an ad-hoc basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court.

C. S. MENON Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 20th May 1981

No. ADMN. I/O.O./67—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints substantively the following officiating Audit Officers of this office against the permanent posts of Audit Officers, in the time scale of Rs. 840-1200, with effect from the dates shown against them:—

Sr. No.	Na	ıme			8 1	Date of Substantive appoint- nent as audit Officers
1 2			 	 		
S/Sh.					_	
1. H.R. Ka	apur					1-7-1979
2. G.C. Tu	ıli					1-7-1979
3. K.C. Sh	arma					1-7-1979
17106GT	/81		 	 		

						3
C.B. Mullick						1-7-1979
I.S. Sawhney						1-7-1979
P.C. Mullick						1-7-1979
B.D. Saighal						1-7-1979
M.V. Ramakrishnan						1 -7 -1979
K.S. Verma						1-7-1979
M. M. L. Bakshi						1-7-1979
P.S. Jain						1-7-1979
J.S. Mathur						1-7-1979
Ravinder Kumar						1-7-1979
D.P. Sharma						1-7-1979
R.K. Uppal						20-7-1979
D.P. Devgun						29-7-1979
D.R. Malhotra						21-9-1979
P.L. Wali						1-10-1979
P.C. Gupta						1-11-1979
J.S. Gandhi						1-3-1980
Amar Nath II						1-4-1980
P.S. Talwar				-		4-5-1980
R.C. Malik						1-6-1980
r.R. Kapoor						1-7-1980
S.L. Bansil						1-8-1980
Dev Raj II			-			9-9-1980
	C.B. Mullick J.S. Sawhney P.C. Mullick B.D. Saighal M.V. Ramakrishnan K.S. Verma M. M. L. Bakshi P.S. Jain J.S. Mathur Ravinder Kumar D.P. Sharma R.K. Uppal D.P. Devgun D.R. Malhotra P.L. Wali P.C. Gupta J.S. Gandhi Amar Nath II P.S. Talwar R.C. Malik F.R. Kapoor S.L. Bansil	C.B. Mullick J.S. Sawhney P.C. Mullick B.D. Saighal M.V. Ramakrishnan K.S. Verma M. M. L. Bakshi P.S. Jain J.S. Mathur Ravinder Kumar D.P. Shatma R.K. Uppal D.P. Devgun D.R. Malhotra P.L. Wali P.C. Gupta J.S. Gandhi Amar Nath II P.S. Talwar R.C. Malik F.R. Kapoor S.L. Bansil	C.B. Mullick J.S. Sawhney P.C. Mullick B.D. Saighal M.V. Ramakrishnan K.S. Verma M. M. L. Bakshi P.S. Jain J.S. Mathur Ravinder Kumar D.P. Shatma R.K. Uppal D.P. Devgun D.R. Malhotra P.L. Wali P.C. Gupta J.S. Gandhi Amar Nath II P.S. Talwar R.C. Malik F.R. Kapoor S.L. Bansil	C.B. Mullick J.S. Sawhney P.C. Mullick B.D. Saighal M.V. Ramakrishnan K.S. Verma M. M. L. Bakshi P.S. Jain J.S. Mathur Ravinder Kumar D.P. Shatma R.K. Uppal D.P. Devgun D.R. Malhotra P.L. Wali P.C. Gupta J.S. Gandhi Amar Nath II P.S. Talwar R.C. Malik F.R. Kapoor S.L. Bansil	C.B. Mullick J.S. Sawhney P.C. Mullick B.D. Saighal M.V. Ramakrishnan K.S. Verma M. M. L. Bakshi P.S. Jain J.S. Mathur Ravinder Kumar D.P. Shatma R.K. Uppal D.P. Devgun D.R. Malhotra P.L. Wali P.C. Gupta J.S. Gandhi Amar Nath II P.S. Talwar R.C. Malik F.R. Kapoor S.L. Bansil	C.B. Mullick J.S. Sawhney P.C. Mullick B.D. Saighal M.V. Ramakrishnan K.S. Verma M. M. L. Bakshi P.S. Jain J.S. Mathur Ravinder Kumar D.P. Shatma R.K. Uppal D.P. Devgun D.R. Malhotra P.L. Wali P.C. Gupta J.S. Gandhi Amar Nath II P.S. Talwar R.C. Malik F.R. Kapoor S.L. Bansil

(Sd.) ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES New Delhi, the 29th April 1981

No. 496/A-Admn/130-74-81—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri P. S. Dewan, substantive member of subordinate Accounts Service, to officiate as Audit Officer in the Office of the Audit Officer, Defence Services, Allahabad, with effect from 31-3-81 (FN), until further orders.

I. P. SINGH, Joint Director of Audit, D. S.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 20th May 1981

No. 37/81/G—On attaining the age of superannuation (58 years), the undermentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each:—

- (1) Shri K. Bishnoi, Addl. DG/CEF (Substt. & Permt. Dy. DGOF)
- 28-02-1981 (AN)
- (2) Shri H. P. Asthana, Manager (Substt. & Permt. Dy. Manager)

30-09-1980 (AN).

V. K. MEHTHA,
Asstt. Director General,
Ordnance Fys.

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL OF FACTORY ADVICE SERVICE & LABOUR INSTITUTES

Bombay-400022, the 21st May 1981

No. 15-4-80-Estt.—The Director General is pleased to appoint Shri RG WAKADE, a permanent Head Clerk as Administrative Officer in the Directorate General of Factory Advice Service

& Labour Institute in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th May, 1981.

A. K. CHAKRABARTY,
Director General

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 14th May 1981

No. 12/64/71-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri G. P. Agrawal, Director (Gr. II) (Electrical), Small Industries Service Institute, Jaipur as Director (Gr. I) (Electrical) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Jaipur with effect from the forenoon of 4th May, 1981.

No. 12/219/61-Admn. (G)—The President is pleased to permit Shri B. N. Bhattasali, Director (Grade I) (Industrial Management & Training) in Small Industry Development Organisation to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31-1-1981.

No. A. 19018(543)/81-Admn. (G)—The President is pleased to appoint Shri H. V. Lalringa, IAS (MT: 72) and Under Secretary in the Union Public Service Commission New Delhi as Director (Gr. I) (Assistance to Engineering Entrepreneurs) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 15th April, 1981, until further orders.

C. C. ROY, Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th May 1981

No. A-1/1(1011)—Shri B. K. Behal, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles) Bombay, retired from Government service w.e.f. the afternoon of 30-4-1981 on attaining the age of superannuation.

P. D. SETH, Deputy Director (Administration), for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN, SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 13th May 1981

No. A-6/247(368)--The President has been pleased to appoint Shri A. K. Chatterjee, Assistant Inspecting Officer

(Met.) in the office of Director of Inspection (Met.), Jamshedpu as Assistant Director of Inspection (Met.) (Grade III of IIS Met. Branch Group 'A') in the same office with effect from the forenoon of 28th April, 1981 until further orders.

2. Shri Chatterjee relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) on the forenoon of 28th April, 1981.

P. D. SETH, Deputy Director (Administration).

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 16th May 1981

No. 2408B/A-19012 (LMM)/19A—Shri L. M. Mackenzie, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government Service voluntarily with effect from 1-9-1980 (F.N.).

The 26th May 1981

No. 2398B/A-19012(2-AG/AK)/198—The resignation tendered by Shri Ashwani Kumar, Assistant Geophysicist, Geological Survey of India, has been accepted w.e.f. 3-6-80 (F.N.).

V. S. KRISHNASWAMY, Director General

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 25th May 1981

No. 5 (12) 68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. R. Gopalakrishnamachar, TREX AIR, Hyderabad as a Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 2nd May, 1981 and until further orders.

No. 5 (26) 68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. K. Sharma, TREX, AIR, New Delhi as a Programme Executive, All India Radio Rowa in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 27th April, 1981 and until further orders.

No. 5 (50) 68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. Roy Chaudhuri, TREX, AIR, Calcutta as Programme Executive, CBS, All India Radio, Calcutta in a temporary capacity on an *ind hoc* basis with effect from 4th May, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF FILMS FESTIVALS New Delhi-3, the 16th April, 1981

No. 1/4/81-FFD—It is hereby notified that in pursuance of Rule 9 of the Rules for the National Film Festivals, 1981 published in the Directorate of Film Festivals Notification No. 1/1/81-FFD dated 21-2-81 the Central Government on the basis of the recommendations submitted by the two National Juries have decided to give awards to the following films/ producers /directors/artistes/technicians, etc. namely:—

Sl. Title of the Film and language Name of the Award Winner Award

No.

1 2 3 4

I—FEATURE FILMS

1. Award for the Best Feature Film:

AAKALER SANDHANE (Bengali) PRODUCER
(i) Sh. Dhiresh Kumar
Chakraborty
C/o D.K. Film Enterprise,
P-36, Indian Exchange Place,
Calcutta-1
DIRECTOR

DIRECTOR Shri Mrinal Sen 14 Beltola Rd., Calcutta-26 'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 50,000/- (Rupees Fifty thousand only)

'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 25,000/- (Rupees Twenty five thousand only)

1 2	3	4
2. Award for Second Best Feature Film:		
OPPOL	PRODUCER	
(Malayalam)	. Smt. Rosamma George	Rajat Kamal
	Chitra Gomwuthi, Bldg.,	(Silver Lotus) and cash prize of Rs
	Arangath Cross Rd., Cochin-18	Rs. 30,000/- (Rupees Thirty thousand only)
	DIRECTOR	
	Sh. K.S. Sethumadhavan	Rajat Kamal
	3, Kanniah Naidu St.,	(Silver Lotus)
	Madras-17	and cash prize of Rs. 15,000/- (Rupecs Fifteen thousand only)
3. Award for the Best Feature Flim on Nati	<u> </u>	
BHAVNI BHAVAI	, PRODUCER	
(Gujarati)	M/s Sanchar Film	Rajat Kamal (Silver (Lotus) and a cash
	Cooperative Society Ltd.,	prize of Rs. 30,000/- (Rupees Thirty
	Nehru Foundation for Development,	thousand only)
	Vastrapur Road,	
	Thaltaj Tekra,	
	Ahmedabad-380 054	
	DIRECTOR	
	Sh. Ketan Mehta,	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash
	6-A, Kumkum Society	prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen
	Near Sardar Patel Colony Usamanpura,	thousand only)
	Ahmedabad-380 014.	··
. Award for Best First Film of a Director:		
MAINA TADANTA .	. DIRECTOR	
(Bengali)	Shri Utpalendu Chakraborty	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cas
(201.8)	32, Rani Hanshmukhi Rd.,	prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ter
	Calcutta-700 002.	thousand only)
. Award for Best Direction :		
AAKALER SANDHANE	. Shri Mrinal Sen	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash
	14 Beltola Road, Calcutta-26.	prize of Rs. 20,000/- (Rupes Twenty
(Bengali)	14 Deltola Road, Calouttu-20.	thousand only)
. Award for Best Screen play:		,
AAKALER SANDHANE	. Shri Mrinal Sen	Rajat Kamal (Silver Lotus) and cash
	14 Beltola Road, Calcuttr-26	prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ter
(Bengali)	14 Bellola Road, Calculli-20	thousand only)
. Award for the Best Acting :		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
Best Actor		
OPPOL	. Shri Balan K. Nair	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash
(Malayalam)	C/o Smt. Rosamma George	prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousa
	Chitra Gomwuthi Bldg.,	nd only)
	Arangath Cross Rd., Cochin-18.	
Best Actress :		Dolah Manual (Ottom T
CHAKRA	, Km. Smita Patil	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash
(Hindi)	Summit House,	prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten
	Forgett Road	thousand only)
	Tardeo, Bombay-34	
Best Child Actor		
OPPOL	. Master Arvind	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash
(Malayalam)	C/o Shri M.R. Parameswaran	prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five
Constant of the Constant of th	Natham's House,	thousand only)
	Chittor Road, Cochin-682 001.	
. Award for Best Cluematography (Colou	r)	
NENJATHAI KILLATHE (TAMIL)	Shri Ashok Kumar	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash
777111111111111111111111111111111111111	19, Tirumurthy St., Madras-17	prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thou-
		sand only)
	G =3.14. 1.	
, Award for Best Cinematography (Black	v white):	
), Award for Best Cinematography (Black of YASAM	•	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash
	Shri Sivans Studio Trivandrum (Kerala)	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)

1 2	3	4
10. Award for Best Audiography: NENJATHAI KILLATHE (Tamil)	Shri S. P. Ramanathan 14 I Cross St. Dr. Subbaya Nagar, Madras-24	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)
11. Award for Best Editing: AAKALER SANDHANE (Bengali)	Shri Gangadhar Naskar, C/o Mrinal Sen 14, Beltola Rd., Calcutta.	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs, 7,500/- (Rupees Seven thousand and Five hundred only)
12. Award for Best Art Direction: BHAVNI BHAVAI (Gujarati)	Smt. Meera Lakhia, C/o Sanchar Film Cooperative Society Ltd., Nehru Foundation for Develpment, Vastrapur Road, Thaltaj Tekra, Ahmedabad.	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)
13. Award for Best Music Direction: HIRAK RAJAR DESHE (Bengali)	Shri Satyajit Ray 1/1 Bishop Lefroy Rd., Calcutta-20	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
14. Award for Best Male Playback Singer: HIRAK RAJAR DESHE (Bengali) .	Shri Anup Ghosal C/o Shri Satyajit Ray 1/1, Bishop Lefroy Rd., Calcutta-20	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
15. Award for Best Female Playback Singer: OPPOL (Malayalam)	Smt. S. Janaki, 49, 3rd St., Seethamma Colony, Madras-7	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/ (Rupees Ten thousand only)
16. Award for the Best Feature Film in each (a) ANIRBAN (Assamese)	THE CONTROL OF THE PARTY	Rajat Kamal (Silver Lotus) J and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
	Shri B.N. Saikia Bungalow No. T-29 Station Road, Gauhati-1	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand five hundred only)
(b) HIRAK RAJAR DESHE (Bengali)	PRODUCER Department of Information & Cultural Affairs, Govt. of West Bengal Writers Building, Calcutta-1 DIRECTOR	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
	Shri Satyajit Ray 1/1 Bishop Lefroy Rd., Calcutta-20	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)
(c) AAKROSH (Hindi)	PRODUCER Shri Devi Dutt Krsna Movies Enterprise 9, Little Gift, 19th Road, Khar, Bombay-52	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
	DIRECTOR Shri Govind Nihalani, 139, 6th Floor, 'Aaradhana', Behind Bhavishya Nirvan Nidhl Bhavan Bandra (E), Bombay-51	Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)
(d) YAGAM (MALAYALAM)	PRODUCER Smt. B. Chandramani Bai Sivans Building Pongummood,	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cast prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
	Trivandrum (Kerala) DIRECTOR Shrl Sivan Sivan Studio Trivandrum (Kerala)	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cast prize of Rs. 7,500/- (Rupees Sever thousand and five hundred only)

1 2	3	4
(e) CHANN PARDESEE (Punjabi)	PRODUCER Smt. Swarn Sedha 2118, Sector 15-C, Chandigarh.	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Ruepees Fifteen
	Shri J.S. Cheema, (same as above)	thousand only) to be shared jointly)
	Shri Baldev Gill (same as above)	
	DIRECTOR Shri Chitrartha Singh	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cast prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seventhousand and five hundred only)
	Tudor', 19-3rd St., Santacruz (E)	mousand and ave numbed only)
(f) NENJATHAI KILLATHE (Tamil)	Bombay-55. PRODUCER	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cas
	Shri K. Rajagopal Chetty C/O Devi Films Pvt. Ltd. 234, Mint Street,	prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fiftee thousand only)
	Madras-3	
	DIRECTOR Shri J. Mahendran 12V. Main Bond, Madres 28	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cast prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seve thousand and five hundred only)
(g) HARISHCHANDRUDU (Telugu)	12V, Main Road, Madras-28 PRODUCER	mousand and live number only)
,	Shri U.D. Murali Krishna, 14, IIIrd Street	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cas prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fiftee
	Habibullah Road T. Nagar, Madras 17	thousand only)
	DIRECTOR Shri U. Visweswara Row (same as above)	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cas prize of Rs. 7.500/ (Rupees Seve thousand and five hundred only)
	u-short films	
1. BEST INFORMATION FILM (DOCUMEDALDAL (Quicksand) (Hindi)	MENTARY) PRODUCER	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash
DIEDAL (Quessaria) (Illia)	Smt. Krystyna Khote C/o Durga Khote Productions	prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousan only)
	India House, Opp. G. P. O., Ist Floor, Bombay-1 DIRECTOR	
	Shri Pradeep Dixit	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cas
	5 "Shankar", Shirole Road, Shivaji Nagar, Pune 4	prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousan only)
 BEST EDUCATIONAL/INSTRUCTIO MARICULTURE (English) 	NAL FILM PRODUCER	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cas
	Film Division, Govt. of India,	prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
	"Film Bhavaa",	inousand only)
	24, Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-26	
	DIRECTOR Shri C.J. Paulose,	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a case
	C/O Films Division "Film Bhavan",	prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousan
	24, Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-26	ouly)
3. BEST PROMOTIONAL FILM (Non-co	mmercial/Commercial); PRODUCER	Daint Manal (Silver Latus)
O'L OFFSHORE (English) .	Shri Prem Prakash	Rajat Kamal (Silver Lotus)
	Asian Films 72, Janpath, New Delhi	
	DIRECTOR	
	Shri Satya Prakash Asian Films	Rajat Kamal (Silver Lotus)
	72, Janpath,	

1 2	3	4
4. BEST EXPERIMENTAL FILM ARRIVAL (English)	PRODUCER Films Division, Govt. of India, "Film Bhavan", 24, Dr. G. Deshmukh Marg Bombay. DIRECTOR Shri Mani Kaul, 21, 'Chitrakoot' Altarnount Road, Bombay-26	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
5. BEST NEWSREEL CAMERAMAN TRAGEDY OF GENDI (INR No. 1657)	CAMERAMAN (i) Shri Rajgopal Rao & (ii) Shri M.P. Sinha Film Division, Govt. of India "Film Bhawan", 24, G. Deshmukh Marg, Bombay-26	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) to be shared jointly.
6. BEST INDIAN NEWS REVIEW DAY OF THE DARK SUN (Boulish)	PRODUCER Film Division Govt. of India, "Film Bhawan", 24, G. Deshmukh Marg, Bombav-26	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
7 SPECIAL COMMENDATION OF THE THE CHOLA HERITAGE (English)		
PAMPA (English)	PRODUCER Film Division Govt. of India "Film Bhawan" 24, G. Deshmukh Marg, Bombay-26 DIRECTOR Shri P.C. Sharma Films Division Govt. of India, "Film Bhawan", 24, G. Deshmukh Marg, Bombay-26	
1 2	3	4
1 2	3	4

III. DADA SAHEB PHALKE AWARD

Shri P. Jairaj, 593, 19th Road, Khar, Bombay-52. Swaran Kamal

(Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000 (Rupees Forty thousand only)

and a shawl.

The 21st April, 198!

No. 4/21/81-FFD.—It is hereby notified that according to the decision of the Central Government to institute a new award for the best book on Cinema of 1980, it has been decided to give the award to the following person:—

S. Title of the Book No. and language	Name of the Award Winner	Award	
1. Chalachitra Samaj O Satyajit Ray	Sh. Amitabha Chattopadhyaya Film Study Centre Asansole West Bengal	Rajat Kamal (Silver Lotus) & cash prize of Rs. 5,000/- (Rs. Five thousand only)	

D. KRISHNA RAO Deputy Director.

Directorate of Film Festival

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 19th May 1981

No. A-12011/26/80-Exh. (A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri J. L. Sharma as Senior Artist in this Directorate in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 27th April, 1981, Until further orders.

Deputy Director (Admn.),

for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 6th May, 1981

No. A-19018/5/81-CGHS-I—Consequent upon his transfer from CGHS Allahabad to CGHS Delhi Dr. M.B. Singh, Ayurvedic Physician relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician under CGHS Allahabad with effect from the afternoon of 8-4-1981 and assumed charge of the post of Ayurvedic Physician under CGHS Delhi, with effect from the afternoon of 10-4-81.

The Director of Health Service is pleased to appoint Dr. M. B. Singh to the post of Ayurvedic Physician in the CGHS on temporary basis with effect from the afternoon of 10-4-81.

T. S. RAO,

Dy. Director Admn. (CGHS. 1)

New Delhi, the 20th May, 1981

No. 6-35/79-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. L. Chowdhury, Research Assistant (Pharmaceutical Chemistry) General Drugs Laboratory Calcutta to the post of Technical Officer (Pharmaceutical Chemistry) in the same laboratory, with effect from the forenoon of 25th April, 1981 on an ad-hoc basis and until further orders.

Smt. Papiya Bhattacharya relinquished the charge of the post of Technical Officer (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day.

SHIV DAYAL, Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION
Faridabad, the 16th May, 1981

No. A. 19025/5/81-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri V. Balakrishnan has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Gr. II) in this Directorate at Madras w.c.f. 10-4-81 (A.N.) until further orders.

No. A. 19027/2/80-A-III.—The ad-hoc appointment of Sh D. P. Bandooni to the post of Hindi Officer in this Director ate at Faridabad has been extended upon 31-5-1981.

B. L. MANTHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser.
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay, 400085 the 15th May 1981

No. PA/76(3)/80-R-III (I).—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Narayana Damodara Pai officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of March 7, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON
 Dy. Establishment Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORE Bombay-400001, the 14th May, 1981

No. DPS/2/15/80-Est/100/80.—The Director, Directotate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. Unnikumar, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35_850-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the forenoon of April 6, 1981 until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 20th May, 1981

No. AMD-1/35/80.—Rectt. Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Rajagopal as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of May 13, 1981 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

The 20th May 1981

No. A. 32014/4/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department as Assistant Meteorologists in an officiating capacity in the same Department with effect from 15-4-1981 and until further orders:—

- 1. Shri S. Venkataramani
- 2. Shrl R.P. Kapoor
- 3. Shri Y.N. Kanitkar
- 4. Shri V.M. Mathew
- 5. Shri R.N. Zalpuri
- Shri G. Rakahit
 Shri V. Rama Rao
- 8. Shri A.K. Das
- 9. Shri R.D. Agnihotri
- 10. Shri K.V. Krishnamurthi
- 11. Shri P. Manickam
- 12. Shri M. Venkataramani 13. Shri H.C. Malhotra
- 14. Shri N.N. Tandon

15	Shri	CR	Chatteries	٠

- 16. Shri C.K. Mani
- 17. Shri M. Das
- 18. Shri Harbans Singh-I
- 19. Shri S.M. Rudra
- 20. Shri Gurbax Singh
- 21. Shri G. Krishnamurthy
- 22. Shri S.R. Sawhney
- 23. Shri Y.H. Joshi
- 24, Shri V. Nagar
- 25. Shri V. Natarajan
- 26. Shri Harbans Singh-II
- 27. Shrl K.S. Krishnamurthy
- 28. Shri S. Govindarajan
- 29. Shri R. Lakshminarayanan
- 30. Shri S. Venkataraman
- 31. Shri J.R. Banerjee
- 32. Shri N.C. Biswas
- 33. Shri K. Sundaram
- 34, Shri K.C. Pant
- 36. Shri K.S. Krishnaswamy
- 37. Shri S.N. Saxena
- 38. Shri L.H. Patterson
- 39. Sh. G.R. Swaminathan
- 40, Shri B.S. Nagar
- 41. Shri K. Gopalan
- 42. Shri Wazir Singh
- 43. Shri J.C. Sharma
- 44. Shri Mirza Nawab
- 45. Shrl Lawrence Joseph
- 46. Shri P.A. Kamble
- 47. Shri R. Ramasubramanian
- 48. Shri B.B. Das Sarma
- 49. Shri P.G. Gawal
- 50, Shri P.M. Gondole
- 51. Shri Rattan Lal
- 52. Shri R. Ashok Raj
- 53. Shri N.R. Wadnap
- 54. Shri H. Dhan
- 55. Shri N. Tigga
- 56. Shri E. Raju
- 57. Shri I.M. Naik

K. MUKHERJEE

Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th May 1981

No. A-32013/14/79-E.I.—The President has been pleased to appoint the following Dy. Director/Controller of Aeronautical

Inspection, to the post of Director of Aircraft Inspection/Aerc-nautical Inspection on regalar basis with effect from 13-03-81.

S. Name No.	Station of Posting.
1. Shri K.N. S. Krishna	Director of Aircraft Inspec- tion, Head Quarters.
2. Shri S.P. Marya	. Director of Aeronautical ins- pection, Regional Director office, New Delhi.
3. Shri S.N. Sharma	Director of Aeronautical Inspection, H. qrs.

New Delhi, The 15th May 1981

No. A-19011/7/80-E.I.—The President is pleased to grant ex-officio status of Deputy Director General of Civil Aviation to Deputy Director, Civil Aviation Security.

2. Accordingly Shri M. L. Bhanot, Deputy Director, Civil Aviation Security shall also be ex-officie Deputy Director General in the Civil Aviation Department.

The 16th May 1981

No. A. 12025/3/71-E. I. (Vol. II).—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri K. K. Sharma to the post of Hindi Officer in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis upto 31-12-81 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

THE 22nd May 1981

No. A. 32013/7/80-E. I.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/7/80-E.I. dated the 5th September, 1980 the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri Jagdish Chandra to the post of Regional Director in the Civil Aviation Department from 16-2-81 to 17-3-81.

S. GUPTA, Dy. Director of Administration.

stn. to

Date of

New Delhi, the 21st May 1981

Present stn

No. A. 32013/10/80-EC—The President is pleased to appoint the following two Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the date indicated against each or till the vacancles are available in the grade whichever is earlier and to post them to the station indicated against each:—

No.	of posting	which posted	taking over charge	
S/Shri 1. D.V.S. Dahiya	Aero, Comm. Station, Agartala.	Aero. Comm. Comm. Stn. Calcutta.		
B. M. Barari	Regional Office Calcutta.	Aero, Comm. Stn Calcutta	16-3-81 (FN)	

The 23rd May, 1981

No. A. 32013/2/80-EC—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis upto 30-6-81 w.e.f. the date indicated against each and to post themto the station indicated against each:—

S. Name Picsent Stn. of posting No.	Stn. to which posted. Date of taking over charg
S/Shrì	
1. C.N. Mahadev Aero. Comm. Stn, Palam	Aero. Comm. Stn, Palam 8-4-8 (FN
2. R. Ramamurthy Aero. Comm. Stn, Palam	Acro. Comm. Stn. Palam 8-4-8 (FN
3. K.G. Louis Aero. Comm. Stn, Hyderabad.	Acro. Comm. Stn, Hyderabad 14-4-8 (FN
4. M.G. Sudershan Civil Aviation Trg. Centre, Allahab	
5. M.V. Ramanan . Acro, Comm, Sin, Madras	Aero. Comm. Stn. Madras 16-4-81
6. A. Rajagopalan . Aero. Comm. Stn, Bombay	Aero Comm. Stn, Bombay 16-4-81 (FN
7. Mukhtiar Singh Aero. Comm. Stn, Lilabari	Aero. Comm. Stn, Gauhati. 23-4-8 (FN)
The 25th May, 1981	1 2 3
No. A-31014/1/79-EC.—The Director General of Civil	
Aviation is pleased to appoint the following Officers in the grade of Assistant Technical Officer in a substantive capacity in the	23. V.K. Sharma Aero. Comm. Stn, New Delhi 24. Harbhagvan Aero. Comm. Stn, Bombay.
Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation	25. T.D. Sharma Aero. Comm, Stn, Palam.
Department w.e.f. 1-4-81:-	26. M.K. Chatterjee . Aero. Comm. Stn, Calcutta.
II. Name Station of posting	27. P.K. Sengupta Aero. Comm. Stn, Ranchi. 28. G.D. Kulkarni Aero. Comm. Stn,
1 2 3	Bombay. 29. Rai Chand Radio Const. & Dev. Units. N. Delhi.
S/Shri	30. Piara Singh . Aero. Comm. Stn, Amritsar.
1. K.G. Louis Aero. Comm. Stn., Hyderabad	31. Indarjit Sharma . Aero. Comm, Stn, Gaya.
2. M.V. Ramanan . Aero. Comm. Stn, Madras.	32. T.R. Menon Aero. Comm. Stn., Calcutta.
 A. Rajgopalan Acro. Comm. Stn, Bombay. Mukhtiar Singh Aero. Comm. Stn, Gauhati. 	33. G.S. Kochikar . Aero, Comm. Stn, Imphal.
5. R. Ramamurthy . Acro. Comm. Stn, Palam	34. K.S. Balasubramaniam Aero, Comm. Stn, Bombay.
6. C.N. Mahadev . Aero. Comm. Stn, Palam.	35. Manohar Singh . Aero. Comm. Stn. Ahmedabad
7. M. Raghavan . Aero. Comm. Stn, Bombay.	36. P.N. Nayar Controller, C.R.S.D., New Delh
8. M.A. Rao Aero. Comm. Stn, Calcutta.	37. M.D. Ranganathan Aero. Comm. Stn, Tirupathy.
9. Sarjit Singh Aero. Comra. Stn, Nagpur.	38. H.L. Sharma . Aero. Comm, Stn, Palam.
0. Cyril Herman Acro. Comm. Stn, Hyderahad.	39. Y.P. Bhatla Aero, Comm. Stn, Lucknow.
1. M.P. Sama Civil Aviation Trg Centre,	40. B.R. Rao Aero, Comm. Stn. Bombay.
Allahabad.	41. V. Krishnamurthy Aero. Comm. Stn. Madras
2. S.K. Bhattacharya Aero, Comm. Stn, Agartula.	42. S.N. Singh Aero. Comm. Stn, Varanasi.
3. H.S. Sarma Radio Const. & Dev. Units,	43. M.K. Gore Aero. Comm. Stn, Bombay.
N. Delhi.	44. D.N. Biswas . Aero. Comm. Stn, Calcutta
4. N.S. Apte Aero. Comm. Stn, Bhavnagar.	45. A.K Misra Civil Aviation Trg.
5, I.M. Krishnan Aero, Comm. Stn, Maduari. 6 K.C. Dargura Radio Const. & Dev. Units	Centre, Allahabad.
16. K.C. Devgun Radio Const. & Dev. Units. N. Delhi.	 46. R. Srinivasan 47. K.G. Joseph Aero. Comm. Stn, Madras. Aero. Comm. Stn, Cochin.
7. V.P. Narang Controller, C.R.S.D., New Delhi	48. H.C. Towari Civil Aviation Trg. Centre,
18. S.S. Nepalli Aero. Comm. Stn. Calcutta.	Allahabad.
9. A.K. Dey . Aero. Comm. Stn, Calcuta.	49. K.B. Kriplani Aero, Stn, Bombay.
20. R. Vittal Singh Acro. Comm. Stn, Bangalore.	50. B.K. Mukherjee Aero. Comm. Stn, Calcutta.
1. T.N. Viswanathan . Aero. Comm. Stn, Coimbatore	51. A.C. Dutta Aero. Comm. Stn, Calcutta.
22. P.C. Jain Stock Taking Party c/o Controller,	52. Kalidas Mukherjee Aero, Comm. Stn., Calcutta.
Central Radio Stores Depot, N. Delhi.	53. S.C. Ghosh . Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.

1	2		3
54. S.S	S. Parashar		Aero. Comm. Stn, Nagpur.
55. T.	V. Gopalakris	hnan	Aero, Comm. Stn., Calcutta.
56. C.1	R. Dasgupta		Aero, Comm. Stn. Calcutta.
57. M	K. Chakravoi	't y	Aero, Comm. Stn, Calcutta.
58. S.I	P. Chakrabort	у	Acro. Comm. Stn, Calcutta.
59. M	.B. Gajbhiye		Aero. Comm. Stn, Gauhati.
60. N	.S. Sapre		Aero, Comm. Stn, Bombay.
61. B.	S. Bakshi		Controller, C.R.S.D., New Delhi.
62. C.	P. Rao		Aero. Comm. Stn, Keshod.

PREM CHAND. Assist. Dir. of Admn.

for Director General of Civil Avlation

New Delhi, the 23rd May 1981

No. A. 32014/2/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. G. Sinde, Superintendent as Administrative Officer (Group 'B' post) on ad-hoc basis, in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay, for a period of 6 months with effect from the forenoon of the 1st April, 1981.

J. C. GARG, Asstt. Director of Administration.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 23rd May 1981

No. 7/81.—Shri L. C. Bhatia, lately posted as Assistant Narcotics Commissioner, Gwalior, on transfer to the Head-quarters office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue order No. 41/81 (F. No. A-22012/33/81-Ad. II) dated 24-3-81, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 1-5-81 (Forenoon).

S. B. SARKAR, Director of Inspection.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 20th May, 1981

No. A-19012/904/81-Estt. V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of E.A.D./A.E. (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates shown against their names:—

S. Name of Officer No. with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE	Where posted
S/Shri		
V. U. Koundanya Design Assistant	10-3-1981(FN)	C.S.M.R.S.
Kamal Madnani, Design Assistant	11-3-1981(FN)	H.C.D. II Directorate, New Delhi.

The 22nd May 1981

CORRIGENDUM

No. A-19012/891/80-Adm. V.—The date of assumption of charge as E.A.D./A.E. in respect of Shri Rajender Prasad, Supervisor viz. 10-11-80 (F.N.) appearing at Sl. No. 4 of Notification No. A-32014/J/80-Adm. V dated 29th December, 1980 may be read as 3-11-80.

A. BHATTACHARYA Under Secretary, Central Water Commission.

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 21st May, 1981

No. 79/EB-I/1500/8.—It is hereby notified for general information that Guntakal (exclusive)—Nandyal (inclusive) Section has been transferred from the jurisdiction of Vijayawada Division of the South Central Railway to the Guntakal Division of that Railway with effect from 1-2-1981. The jurisdiction of Guntakal Division will now extend upto Nandyal (inclusive) with corresponding reduction in the jurisdiction of Vijayawada Division.

The adjustment has been made in the interest of the Railway's day-to-day administration for improving the operational efficiency in the area.

HIMMAT SINGH,
Secretary. Railway Board
and Ex-officio Joint Secretary
to the Government of India.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Delhi Machine Synidcate Private Limited

Delhi, the 20th May, 1981

No. 603/9903—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Delhi Machine Syndicate Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rashtriya Sahitya Niketan Limited

Delhi, the 20th May, 1981

No. 1060/9899—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rashtriya Sahitya Niketan Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.
P. C. Khurana and Brothers Private Limited

Delhi, the 20th May, 1981

No. 1377/9894—Notice is hereby given persuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s P.C. Khurana and Bros. Pvt. Limited has this

day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. N. RAGU
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi-

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s.
Galaxy Finance & Chit Fund Pvt. Limited.

Delhi, the 19th May 1981

No. 3827/9662--Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companeis Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Galaxy Finance & Chit Fund Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

HAR LALL
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Simca Auto Private Ltd.

Delhi, the 19th May 1981

No. H/6730/9804—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Simco Auto Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Gurnama Private Ltd.

Delhi, the 19th May 1981

No. 7276/9639—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gurnama Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Vasant Tea Company Private Ltd.

Delhi, the 19th May, 1981

No. 7455/9609—Notice is hereby given pursuant to subsection(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Vasant Tea Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Yanuna Tea Company Private Ltd.

Delhi, the 19th May, 1981

No. 7456/9646—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that a the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Yamuna Tea Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Ready Press of India Private Ltd.

Delhi, the 20th May 1981

No. H-2506/9890—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 56) of the Companies Act, 1956, that i

at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ready Press of India Private Ltd. unless cause is, shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

"In the matter of Companies Act, 1956 and of Raj & Raj Limited."

Kanpur, the 19th May, 1981

No. 7836/4184-LC—Notice is hereby given pursuant to to sub-section (5) of the Companies Act, 1956 that the name of the Raj & Raj Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

V. P. KAPOOR Registrar of Companies U.P., Kanpur.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Orient Minerals and Traders Private Ltd.

Orlssa, the 14th May, 1981

No. SO/563/81—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Orient Minerals and Traders Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. SEAL Registrar of Companies, Orissa.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. National Chit Fund Private Ltd.

Madras-600 006, the 7th May, 1981

No. DN 1774/560(5)/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. National Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Ranchi, the 1st April, 1981

F. No. Adm./GL-30/78-79—In modification of this Office Notification of even no. dated 21-4-1979 the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Special Range, Ranchi will henceforth be known as "Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Assessment Range", Ranchi.

C. B. RATHI Commissioner of Income-tax, Ranchi,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1981

Ref. No ASR/81-82/53—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A Factory Shed situated at Taran Taran Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar in Septembet, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh adopted s/o Shri Kishan Singh Smt. Sham Kaur d/o Shri Kishan Singh, Sh. Ajaib Singh s/o Sh. Sant Singh & Smt. Rashpal Kaur wd/o Sant Singh, S/Shri Inderpal Singh, Gusharan Singh, Hardip Singh, Rajinder Singh, ss/o Sh. Ajaib Singh, r/o Chowk Moni, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Murari Lal Batra s/o Sh. Madan Lal r/o o/s Chatiwind Gate, Amritsat.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. overleaf & Tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person (s) whom the undersigned knows to be interested in)the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

1/2 share of property No. 2392/1617 min, Khana Shumari No. 3157/14-25 situated at o/s Chatiwind Gate, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1708 dated 1-9-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar-3 Chanderpuri, Taylor Road,
Amritsar.

Date: 15-5-81

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1981

Ref. No. ASR/81-82/54-Whereas I, ANAND SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A Factory Shed situated at Taran Taran Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer -

at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Mohinder Singh adopted son of Sh. Kishan Singh, Smt. Sham Kaur wd/o Sh. Kishan Singh and Ajaib Singh s/o Sant Singh, Smt. Rashpal Kaur wd/o Sh. Sant Singh, S/Shri Inderpal Singh, Gurshran Singh, Hardeep Singh & Ralinder Pal Singh ss/o Sh. Ajaib Singh, r/o Chowk Moni, Amritsar.

(Transferors)

(2) Smt. Bimla Batra w/o Shri Murari Lal r/o outside Chatiwind Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No.2 overleaf & Tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 2399/1617 min Khana Shumarl No. 3157/14-25 min situated at o/s Chatiwind Gate, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1709 dated 1-9-80 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Amritsar 3-Chanderpuri, Taylor Road Amritsar.

Date:15-5-81 Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 21st May 1981

Ref No. Iac/Acq-I/SR-III/9-80/1333—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Neb sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Zile Singh
s/o Tokh Ram (1/3),
Har Karan, Chander
s/o Khubi alias Khuba (1/3),
r/o Vill. Neb Saral, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mathai Chacko s/o Late Sh. Valyakalayil Mathai Chacko r/o 82, Uday Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land area 5 bighas and 5 biswas, K. No. 255/(-9), 256(3-16), situated in village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated :21-5-81 Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref. No. IAC/Acq.—I/SR-III/9-80/1241—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill, Mchrauli, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Pershad s/o Ram Mehar r/o Lado Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mahinder Partap Singh s/o late Sardar Partab Singh r/o Panchshila Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in age. land area 12 bighas and 12 biswas M. No. 78, Killa No. 1 (4-16), 10(4-16), 11 (3-0) Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of IncomeTax Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Dated : 23-5-1981

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9·80/1334—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Neb sarai., Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Zile Singh s/o Tokh Ram (1/3) Har Karan, Chander s/o Kanahya (1/3), Richpal Singh, Tara Chand, Mai Chand s/o Khubi alias Khuba (1/3), r/o Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arun Mathai Chacko s/o Late Sh. Valyakalayil Mathai Chacko r/o 82, Uday Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land area 5 bighas and 5 biswas K. No. 255 (1-9), 256(3-16), Situated in village Neb Sarai Tehsil Mchrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, New Delhi,

Date: 21-5-81

Scal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref: No. 1AC/Acq-I/SR-III/9-80/1242—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

A'gr. land situated at Vill. Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—106GI/81

 Sh. Ram Pershad s/o Shri Ram Mehar r/o Village Lado Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mahinder Partap Singh s/o late Sardar Partab Singh, r/o Panchshila Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land area 12 bighas and 12 biswas M. No. 78, Killa No. 1 (4-16), 10 (4-16), 11(3-0) Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Dated : 23-5-81

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi the 23rd May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1214—Whereas I. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Lal. Chand, Siri Chand Sheo Chand sons of Chaman Lal of village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(Transfereor)

(2) Sh. Parveen Jain s/o Manak Chand Jain r/o C-2/54, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agr. land area 26 bighas & 1 biswas Khata No. 186 old K. No. 114 and New K. No. 193 min, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi,

Dated: 23-5-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

Now Delhi, the 23rd May 1981

Ref: No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1216—Whereas l, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill, Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Lal Chand,
Sirl Chand,
Sheo Chand
son of Chaman Lal of
Village Kapashera,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Jain w/o Ramesh Jain r/o C-2/54, S.D.A. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land area 13 bighas & 10 biswas Khata No. 375, old K. No. 113, New K. No. 193 min, village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Dolhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Dated : 23-5-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref: No. IAC/Acq-J/SR-III/9-80/1215—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, Agr. land situated at Vill. Bijwasan, Tchsil Mehrauli, New Delhl.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Lal Chand,
Siri Chand,
Sheo Chands sons of
Chaman Lal, of
Village Kapashera,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh Jain s/o Shri Manak Chand r/o C-2/54, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agr. land area 26 bighas & 1 biswas Khata No. 186, old K. No. 114 and New K. No. 193 min, village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Dated: 23-5-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref: No 1AC/Acq-1/SR-111/9-80/1382—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. M. K. Jain s/o Shri Fatch Chand Jain r/o C-41, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. J. C. Khandelwal s/o Gaurishaiji, C-1/33, S.D.A. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. No. 231 min, situated in village Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Dated: 23-5-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Dolhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/ 9-80/1344 - Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Khazan,
 s/o Chhajwa
 r/o Village Aya Nagar,
 Tehsil Mehrauli,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut. H-39, Green Park Extn. New Delhi,

(Transeferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/6th share in agr. land area 28 bighas and 1 biswas K. No. 1792/1 (1-17), 1793/1 min (3-15), 1848/3 (0-4), 1820/1 (1-18), 1821/2 (3-11), 1844/2 (3-11), 1845/2, (2-9), 1552/3 (1-6), 1553 1 (2-4), 1554/1 (2-4), 1555/2 (1-3), 1884/1 (2-4), 1885/3 (0-12), 1883/3 (1-3), & 1/4th share in 1871 min (4-0), situated in Village Aya Nagar, New D lhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authroty
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Dated: 21-5-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 21st May 1981

Ref: No. IAC/Acq/SR-III/9-80/1247—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Muni Ram and Mool Chand son of Mangat of Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. The Village Hut,
 H-39,
 Green Park Extn.,
 New Delhi.
 through Shri M. C. Gupta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. No. 1863/1 (3-0), 1870/3 mi (1-0) Village Aya Nagar, Tchsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Dated: 21-5-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC Acq-I/SR-III/9-80/1251—Whereas I VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sh. Muni Ram and Mool Chand sons of Mangat of Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. The Village Hut, H-39, Green Park Extn. New Delhi, Through M. C. Gupta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immrovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. Nos. 1858 (3-18), 1864/2 min (0-2) Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Dated: 2-5-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 21st May 1981

Ref: No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1407—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at.....on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuares of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—20—106GI/81

 Sh. Sohan Lal s/o Yadu
 r/o village Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut. H-39, Green Park Fxtn. New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 3 bighas and 1 biswas K. No. 770/1 (1-11), 772/2 (1-10) situated in Vill. Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authrotity
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range I
Delhi/ New Delhi

Dated: 21-5-81

FORM NO. J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 21st May 1981

Ref.: No., IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1408—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Ava Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Sohan Lal
 yo Yadu
 r/o Vill. Aya Nagar,
 Tehsii Mehrauli,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 5 bighas and 5 biswas K. No. 771/2, Village Aya Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authroty
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range I
Nelhi/New Delhi

Dated: 21-5-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1393—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Ganni
 yo Yaad Ram
 r/o Village Aya Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut, H-39, Gracen Park Extn., New Delhi through Shri M. C. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Georgette.

EXPLANATION:—The terms and explassions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 5 bighas and 12 biswas K. No. 1584/3 (1-2), 1810/1 (3-8), 1883/1 (0-12), situated in Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 21-5-81

FORM LT.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1248—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Muni Ram and Mool Chand sons of Mangat of Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut, H-39, Green Park, Extn., New Delhi through M. C. Gupta.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. No. 1857 min South side (3-5), 1864/2 min (0-15), Village Aya Nagar, Tehsil Mahrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranges-I
Delhi/New Delhi

Date: 21-5-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1345—Whereas I VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparence consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Prithi

2/0 Chhajwa

r/0 Village Aya Nagar,

New Delhi,

(Transferor)

(2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn., New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agr. land area 28 bighas and 1 biswa K. No. 1792/1 (1-17), 1793/1 min (3-15), 1848/3 (0-4), 820/1 (1-18), 1821/2 (3-11), 1844/2 (3-11), 1845/2 (2-9), 1552/3 (1-6), 1553/1 (2-4), 1554/1 (2-4), 1555/2 (1-3), 1884/1 (2-4), 1885/3 (0-12), 1883/3 (1-3) & 1/4th share in agr. land area 4 bighas K. No. 1871 min situated in Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 21-5-81 Seal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI,

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/79-80/1249—whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Muni Ram Mool Chand, sone of Mangat of Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. Nos. 1862/1 (3-0), 1864/2 min (0-12, 1870/3 min (0-8), Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli New Delhi

VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 21-5-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/9-80/1250.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (z) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Muni Ram and Shri Mool Chand sons of Mangat r/o Villago Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn., New Delhl. through M. C. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the eaid property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas K. No. 1867 (3-18), 1870/3 min. (0-2), Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 21-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1391.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hukam Singh s/o Shri Chet Ram r/o Village Aya Naşar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. The Village Hut, H-39, Green Park Extn., New Delhi through Shri M. C. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 7 bighas and 6 biswas K. No. 1552/2 (1-11),1553/2 (2-12), 1554/2 (2-12), 1555/1 (0-11) situated in Village Aya Nagar, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 21-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref. No. 1.A.C./Acq.-I/S.R.-III/9-80/1363.—Whereas 1, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Tajpul, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-106GI/81

(1) Smt. Manorama
w/o Amrit Lal
r/o D-14, NDSE-II,
New Delhi and
w/o Chanchal Rani
r/o Harbans Lal
r/o F-41, NDSE-I, New Delhi and
Yash Rani
w/o Rameshwar Nath
r/o A-271, Defence Colony,
New Delhi

(2) Shri Ram Sarup Jerath (H.U F.), s/o Achhru Ram r/o 389, Basant Avenue,

Amritsar (Punjab).

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land area 5 bighas, K. No. 113/1 (1-0), 121/2 (3-10), Village Tajpul, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 23-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-l/S. R.-III/9-80/1364.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ag. Land s'tuated at Vill Tajpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manorma w/o Amrit Lal r/o D-14, N.D.S.E.-II, New Delhi and Chanchal Rani w/o Shri Harbans Lal r/o F-41, N.D.S.E.-I, New Delhi, Yash Rani w/o Rameshwar Nath r/o A-271, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Sarup Jerath (H.U.F.), s/o Achhru Ram r/o 389, Basant Avenue, Amritsar (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land area 5 bighas K. No. 113/1 (1-0), 121/2 (3-10), situated in Village Tajpurl, New Delhi.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 23-5-1981

Seal;

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-111/9-80/1365—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Tajpul, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manorma
w/o Shri Amrit Lal
r/o D-14, N.D.S.E.-II,
New Delhi
Smt. Chanchal Rani
w/o. Shri Harbans Lal
r/o F/41 N.D.S.B.I.,
New Delhi &
Yash Rani
w/o Rameshwar Nath
r/o A-271, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Janak Jerath w/o Ram Sarup Jerath, r/o 389, Basant Avenue, Amritsar (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land area 5 bighas K. No. 113/1 (1-10), 121/2 (3-10), situated in Village Tajpul, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Date: 23-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 20th May 1981

Ref. No. GRG/20/80-81. Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 659, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vinod Kumar Mohinder Kumar sons of Shri Giani Ram, Bank Colony, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Surender Singh, Gurgaon Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 659/10 situated at Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3036 dated 5-9-80 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-5-1981

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st May 1981

Ref. No. HSR/36/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot measuring 1480 sq. yards situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument o

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I Shri Krishan Murari,
 - 2. Shri Balraj Rajinder Parshad,
 - 3. Smt. Kamla Devi Wd/o Shri Jagan Nath r/o Hissar.

(Transferor)

 Shiv Mandir Trust, Hissar through Shri Pyare Lal, Secretary, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from his service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 1480 sq. yards situated near D.N. College, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2826 dated 30-9-1980 with the Sub-Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st May 1981

Ref. No. AMB/71/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 108, Geeta Nagri, Ambala City situated at Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Shanta Sethi w/o Shri Ram Asra Sethi, Field Hostel H. No. 11-12, Thermal Power Colony, Sector 22, H.S.E.B., Faridabad.

(Transferor)

 Shri Ram Singh s/o Shri Bhagwan Singh, V. & P. O. Kakru, Teh. & District Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 108 Gecta Nagri, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2926 dated 20-9-1980 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-5-1981

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1981

Ref. No. BGR/60/80-81.— Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 801, Sector 7-C, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. K. Mehta s/o L. A. R. Mehta, 5D/84, N.I.T., Faridabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Kamra w/o Shri T. D. Kamra, 256, Denning Road, South Civil Lines, Jabalpur (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being House No. 801, Sector 7-C, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7134 dated 23-9-1980 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1981

Ref. No. RTK/14/80-81,--Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 747/Ward No. 16 (New No. 932/Ward No. 18) sltuated at Hari Nagar, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R ohtak in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gasian Chaman Lal s/o Gosian Gokal Chand, c/o M/s Beer Auto Store, G. T. Road, Kurnal Industrial Area, Azadpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chaudhary Ram
 S/o Shri Thakur Dass
 H. No. 747/Ward No. 16 (New No. 932/Ward No. 18).
 Hari Nagar, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 747/Ward No. 16 (New No. 932/Ward No. 18, situated at Hari Nagar, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2853 dated 8-9-1981 with the Sub-Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1981

Ref. No. JDR/64/80-81.--Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 140-A, Model Town, situated at Yamunagagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

22-106 GI/81

- Shri Chaman Lal Duggal s/o Shri Gian Chand Duggal, Model Town, Yamunanagar.
 - Subhash Duggal s/o Chamal Lal Duggal, R/o Model Town, Yamunanagar.

(Transferor)

Shri Brij Mohan
 Shri Rameshwar Dass,
 C/o M/s. Ramesh Metal Inds,
 Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 140-A/L, Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3610 dated 24-9-1980 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th May 1981

Ref. No. Chhachhroli/5/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 193 kanals 8 marlas situated at Chhachhroli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chhachhroli in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kripal Singh s/o Shri Shiv Charan Singh, R/o Chhachhroli Now House No. 433, Sector No. 35-A, Chandigarh,

(Transferor)

(2) S/Shri Perdipender Pal Singh and Kamaljit Singh sons of Shri Tejinder Singh, R/o Chhachhroli

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 193 kanal 8 marla situated at Chhachhroli and as more mentioned in the sale deed registered at No. 839 dated 22-9-1980 with the Sub-Registrar, Chhachhroli

G. S. GOPALA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 19-5-1981

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1981

Ref. No. KNL/83/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. C-685, G. T. Road, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Smt. Prem Lata
 wd/o Shri Ramesh Chandra
 H. No. 1540, Sector 13,
 Urban Estate, Kernal.

(Tsansferor)

- Shri Vijay Kumar, Sunil Kumar
 sons of
 Hari Sharan Dass,
 H. No. 619, Chashtian Mohalla,
 Karnal.
- (2) Shri Pawan Kumar, Anil Kumar Ss/P. Late Sant Ram, H. No. 301, Khatrian Mohalla, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. C-685, G. T. Ro: d, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3060, dated 15-9-1980 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-5-1981

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

New Delhi, the 15th May 1981

Ref. No. Panipat/38/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House at situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registeling Officer at at Panipat in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 1. Shri Darbara Singh S/o Shri Ishar Dass,
 2. Shri Gobind Singh s/o Darbara Singh, R/o 170-171, Sector 14, Rishi Colony, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Prabhu Dayal s/o Shri Mange Ram, R/o 118, Ram Nagar, Teh. Camp, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2701 dated 8-8-1980 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rang Robbek.

Date: 15-5-1981

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st May 1981,

Ref. No. Hissar/31/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Double Storeyed shop-cum-flat No. B. XV-267, Purani Anaj Mandi situated at Hissar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds

the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ruli Ram s/o Shri Sarup Aggarwal R/o Krishna Mandi, Hissar.

(Transferor)

(2) Mohinder Kumar S/o Shri Khazan Chand, R/o B. XV-267, Purani Mandi, Hissar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being B-XV/267 situated at Purani Anal Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2690 dated 19-9-1980 with the Sub-Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 21-5-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./939.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. D-73 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ram Gopal and Shri Banshi Lal sons of Shri Vradhi Chand Yadav, Plot No. D-73, Mangai Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ratan Lal S/o Shri Gujar Mai Jain, Plot No. D-38, Jyoti Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-73 situated at Mangal Marg (Northern Line) Bapunagar, Jaipur and morefully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2358 dated 10-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur,

Date: 21-5-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./940.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-73 situated at Jaipur

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Jalpur on 10-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Gopal and Banshi Lal sons of Shri Vradhi Chand Yadav, Plot No. D-73, Mangal Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ratan Lal s/o Gujar Mal Jain, Niwasi Plot No. D-38, Jyoti Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 73, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur and more-fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his registration No. 2367 dated 10-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 21-5-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-6 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Desh Bandhu Kheda S/o Shri Sunder Das Kheda, Plot No. B-1, Adrash Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Mahesh Upadhaya S/o Late Shri B.D. Upadhaya 741, Gandhi Nagar, Jalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of thepublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot of land of Show Room No. D-6, Baraf Khana, Adrash Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registred by S. R., Jaipur vide his No. 2331 dated 9-9-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 21-5 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-9-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
23-106 GI/81

Shrimati Sardar Kumari,
 17, Kalyan Kunj,
 Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Sukhjeet Singh S/o Shri Ranveer Singh Village Chak Uttamsingh Wala, District Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot of land with Boundary wall situated at 17, Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2360 dated 10-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Jalpur.

Date: 21-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. B. 108 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 30-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Snehlata
 W/o Shri Pushpendra Singh,
 Plot No. E-39,
 Shastri Nagar,
 Jalpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Anand Kanwar W/o Shri Chandra Moli Singh, Parshuram Marg, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Shop No. 3, S. B. 108, Tonk Road, Lal Kothi, Jaipur and morefully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 2819 dated 30-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 21-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May, 1981

Ref. No. I.A.C./Arq.—Whereas, 1, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 3 situated at Jaipur

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of '908), in the office of the Registering Officer Jaipur on 11-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shrimati Snehlata
 W/o Shri Pushpendra Singh,
 Plot No. E-39,
 Shastri Nagar,
 Jaipur.

(Transferor)

 Shrimati Anand Kanwar W/o Shri Chandramoli Singh, Parshuram Marg, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Shop No. 3, S. B. 108, Tonk Road, Lal Kothi, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2938 dated 11-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaiper

Date 21-5-1981 Seal ...

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May, 1981

Ref. No. 1. A. C./Acq./948.—Whereas, 1, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Moti Lal s/o Ram Lakhan Lakshari, Tehsil Ramganjmandi

(Transferor)

(2) Shri Narain Lal s/o Amar Lal Berwa, Tehsil Ramganjmandi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 Bigha 14 Biswa of Agricultural land at village Salil Kheda Tehsil Ramganjmandi District Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R. Ramganjmandi (Kota) vide his No. 6, dated 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-5-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Suwa Lal Nagla, Shri Motilal sons of Bhura Lashkari.

(Transferor)

(2) Shri Chandra s/o Shri Dev Bux Lashkari, Satal Kheda.

(Transferce)

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./949.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganimandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ramganjmandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

25 Bigha 2 Biswa of Agricultural land at village Satal Khedi Teh. Ramganjmandi District Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ramganjmandi (Kota) vide his registration No. 7 dated 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Kashi Ram
 Moti,
 Durjanpura,
 Ramganjmandi, District Kota.

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Limited, Ramganjmandi, Kota.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./945.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 23-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Bigha Agricultural land situated at Durjanpura, Teh. Ramganjmandi, Kota and morefully described in the sale deed registered by S. R., Ramganjmandi.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 22-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jalpur, the 23rd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./946.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganimandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganimandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kashi Ram s/o Moti, Durjanpura, Ramganjmandi (Kota).

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Limited, Ramganjmandi, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 Bigha 3 Biswa Agricultural land situated at Village Durjanpura, Tehsil Ramganjmandi, Kota and morefully described in the sale deed registered by S. R., Ramganjmandi, Kota vide his No. 10 dated 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./951.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Duli Chand S/o Shri Nand Ram, Durjanpura, Tohsil Ramganjmandi,

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Co. Limited, Ramganjmandi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Durjanpura, Tehsil Ramganjmandi District Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ramganjmandi vide his No. 8, date 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./950.-Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganjmandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ramganjmandi on 1-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

24-106 GI/81

(1) Shri Bhawani Singh S/o Bapu Singh Niwasi Kumbhot. Ramganjmandi.

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Company Limited, Ramganjmandi (Kota).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 Bigha 14 Biswa Agricultural land situated at village Kumbha Kot, Ramganjmandi (Kota) and morefully described in the sale deed registered by S. R. Ramganjmandi vide his No. 86 dated 1-9-1980.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./947.—Whereas, 1, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganj Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Bhanwar Lal Nlwasi Durjanpura, Tehsil Ramganjmandi (Kota).

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Limited, Ramganjmandi (Kota).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 Bigha 4 Biswa Agricultural land situated near Village Kumbhkot and morefully described in the sale deed registered by S. R. Ramganjmandi (Kota) vide his registration No. 9 dated 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-350009, the 2nd May 1981

Ref. No. P. R. 1369/Acq.-23-I/81-82,---Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 462 situated at Raiya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raikot on 6-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ramani Maniar & Co. Rajkot.

(Transferor)

 Shree Anjani Coop. Housing Society Ltd., Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2 Acre 25 Gunthas bearing S. No. 462, situated at Raiya Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5428 dated 6-9-1980.

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 2-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th April, 1981.

Ref. No. P. R. No. 1368/Acq./23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 2581 C. No. 1651/1-2-2, Khadia-I situated at Raipur, Kapadiwad, Soni's Khancho, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bhanumatiben Jivram Khemchand; Srinath Kripa Society, Bungalow No. 37, Near Uttamnagar, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

Smt. Urmiladevi Rajendraprasad Gupta;
 Savitriben Laxminarayan Agrawal;
 D-59, Mukta Ram Babu Street,
 Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 58 sq. yds. bearing S. No. 2581—C. No. 1651-1651/1-2-3, Khadia Ward-I, situated at Kapadiwad, Raipur, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 12356/80/19-9-80 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-4-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 13th May, 1981

Ref. No. III-485/Acq./81-82.—Whereas I, V. N. SHRIVAS-TAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Touzi No. 5753/18232 Thana No. 3, Khuta No. 67, Khesara No. 751, 752 situated at Rajapur Hassan P. S. Digha, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna, on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhuneshwar Pd. Singh and Shri Magneshwar Pd. Singh both sons of Shri Mahadeo Sharan Singh of Village Teus, P. S. Barbigha, District Monghyr at present Mohalla Kankarbagh Coloney, Patna-16.

(Transferor)

(2) Smt. Indira Agrawal W/o Shri Radhey Pd. Agarwal and d/o Shri Bindeshwari Pd. Agarwal resident of Daulatgani, Chapra Town, Chapra at present residing at Mohalla Kankarbagh Coloney, Patna-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead land measuring 4 Katha 1 dhur 1 dhurki situated at Mohalla Rajapur Hassan, P. S. Digha District Patna more fully described in dead No. 6753, dated 9-9-80 registered with D.S.R., Patna.

V. N. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Adquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 13-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 15th May 1981

Ref. No. III-486/Acq./81-82-Whereas, I, V. N. SRIVAS-AVTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 471, M. S. Plot No. 1358 situated at Mouza Lalpur P. S. Ranchi, District Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Manju Banerjec,
 W/o Sri Priya Ranjan Banerjee,
 resident of 13, Charu Chandra Mukherjee Road,
 Adampur,
 District Bhagalpur,
 through her attorney Priya Ranjan Banerjee.
 (Transferor)
- (2) Smt. Usha Rani Rathi, W/o Shri Raghubir Singh Rathi, resident of Burdwan Compound, Ranchi, Police Station Lalpur, District Ranchi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kathas 9 Chhataks and 37 sq. ft. alongwith double storeyed building situated at Lalpur District Ranchi more fully described in deed No. 7255 dated 12-9-1980 registered with D.S.R. Ranchi.

V. N. SRIVASTAVA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 15th May 1981

Ref. No. III-487/Acq./81-82.—Whereas, I, V. N. SRIVAS-TAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 628, Khata No. 1192, Ward No. 5 situated at Main Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ranchi on 3-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jagniwas Sharma,
 S/o Shri Uma Nath Sharma,
 - Shri Uma Nath Sharma,
 s/o Late Gopal Nath Sharma,
 - Smt. Bhawani Devi, w/o Shri Hariballab Mishra,

- 4. Smt. Rudrani Devi, w/o Shri Dayanand Sharma,
- Smt. Dakyani Devi,
 w/o Shri Praneshwar Pathak,
 Address: Village Bhandara, P. S. Lohardaga,
 District Ranchi 2 atPresent P. S. Bhandara.
 Address S. No. 3. Village Dharmu, P. S. Chandwa,
 District Palamu.
 Address Sl. No. 4. Village Danaikera, P. S. Lalyag.
 Address Sl. No. 5. Village Makra P. S. Dhadhra
 District Ranchi, at present Ratu Road Rani Satti

(Transferor)

(2) Shri Anand Swarup Gupta, Advocate, s/o Late Jagannath Prasad Gupta, R/o Main Road, Ranchi, Lower Bazar, P. O./P.S. Lower Bazar, District Ranchi.

Mandir Lane, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2 Ktha 1 Chatak with building situated at Main Road, Ranchi morefully described in deed No. 6989 dated 3-9-80 regis tered with D. S. R. Ranchi.

V. N. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th May, 1981

Ref. Nol A. P. No. 2637.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Abohar on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bagha Bai, Raj Kishan, Shri Sher Bahadur, Shrl Shashi Kant,

Smt. Asha Rani,

R/o Abohar Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Ghansham Dass S/o Shri Hans Raj R/o Abohar.

(Trznsferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2006 of September, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Julundur.

Date: 20-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2638.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Nawanshehr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehr on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25--106 GI/81

 Shri Deepak Kcapal s/o Shri Jaswant Rai, r/o 31, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Kaur W/o Dr. Gurbax Singh R/o Nawan Shehr.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2326 of September, 1980 of the Registering Authority, Nawan Shehr.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 20-5-1981

Se:al

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2639.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Kabool Pura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sham Lal s/o Shri Roop Lal r/o 13, Subash Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Avdesh Kumar Shrivastva, s/o Shri Basant Lal r/o 652, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3914 of September., 1980 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 22-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2640.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sham Lal s/o Roop Lal r/o 13, Mohalla Subash Nagar, Juliundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Manju Shrivastva W/o Shri Avdesh Kumar R/o 562, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4057 of September, 1980 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 22-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri C. Surendran, S/o Kunhikutty, Cholappurath House, Chevayur, Kozhikode.

(Transferor)

(2) Smt. K. A. Fareeda Rahiman, D/o Ahamed Haji, Kalathilkunnu House, Kozhikode.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Ernakulam, the 14th May, 1981

Ref. No. L. C. 507/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at West Hill on 24th September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4 right over 39 ·23 cents of land as per schedule attached to document No. 1886/80 dated 24th September, 1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam,

Date: 14-5-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 14th May 1981

Ref. L. C. No. 506/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Chalappuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalappuram on 2-9-1980, 3-11-1980 and 3-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri M. N. Syed Alavi, S/o Moldeenkutty Hajee, Tirurangadi Amson & Desom, Tirur Taluk, Malappuram District.
 - Shri E. P. Mohammed, S/o Kunhayamu, Eangapadiyil House, Venmukam Amsom, Tirur Taluk.
 - Smt. K. V. Juvairiya,
 D/o K. A. Ummer Haji,
 Kandoth Vattakulam House,
 Kalathinkunnu Amson & Desom,
 Kozhikode Taluk.

(Transferors)

(2) Shri A. K. Abdulla Haji, Smt. Kunhayisha, Jameela and minor Sakeena C/o Shalimar Hotel, S. M. Street, Calicut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 $6\,\cdot\!72$ cents of land with a building in Sy. No. 69/4B of Calicut Desom.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 14-5-1981

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 14th May 1981

Ref. L. C. No. 505/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S6. No. as per Schedule situated at Sringapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kodungallur on 5th September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Kunjilakshmy Thampuratty for Smt. Ammukutty Thampuratty
 - 2. Shri Ramavarma Raja
 - 3. Smt. Ganga Thampuratty for self and minor
 - 4. Ambika
 - 5. Smt. Sreedevi Thampayi for self & for minors
 - 6. Anitha and
 - 7. Arun
 - 8. Smt. Kunjilakshmi Thampayi for self & for minors
 - 9. Krishnakumar and
 - 10. Kayitha
 - 11. Smt. Kavukutty Thampayi for self & for minors
 - 12. Dhirish
 - 13. Mahesh and
 - 14. Durga
 - 15. Smt. Padmaja Thampuratty for self & for minors
 - 16. Anup and
 - 17. Ambili

Puthenkovilakom, Methala Village & Desom, Kodungallur Taluk.

18. Smt. Easwari Amma alias Ammini Amma, D/o Smt. Kavamma, Easwari Vilasom, Methala Villago, & Dosom, Kodungallur. Tq.

(Transferor)

(2) The Mother Superior, Christural Convent, Methala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official-Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

44.75 cents of land with two buildings in Sy. No. 79 of Methala Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 14-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May, 1981

Ref. L. C. No. 510/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ernakulam on 3rd September, 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri C. P. Jose, S/o Cherpanath Porinchu, Annamanada Desom, Mukundapuram.

(Transferor)

(2) Smt. Baby Mathai, W/o Thekkanath Mathai, Perumanoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

61 cents of land with building in Sy. No. 2603/21 of Ernakulam Village.

> V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May 1981

Ref. L. C. No. 511/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 3rd September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. P. Jose S/o Cherpanath Porinchu, Annamanada Desom, Mukundapuram.

(Transferor)

(2) Smt. Baby, W/o Thekkenath Mathal, Perumanoor.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6½ cents of land with building in Sy. No. 2603/21 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May, 1981

Ref. L. C. No. 512/81-82.— Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ernakulam on 16th September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——
26—106GI/81

 Shri Chandrasekhara Menon, S/o Smt. Lakshmikutty Amma alias Ammu Amma, Thekke Marayil, Karithala.

(Transferor)

(2) Shri K. J. George, S/o Shri K. V. John, Karukappillil House, 29/1261 B, Kadavanthara

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 cents of land in Sy. No. 898/2 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 19-5-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May 1981

Ref. L. C. No. 513/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22nd September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chandrasckhara Menon, S/o Lakshmikutty Amma alias Ammu Amma, Thekkemarayil, Marithala, Ernakulam.

(Transferor)

 Shri K. J. George, C/o Shri C. V. John, Karukappillil, 29/1261B, Kadavanthara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 ceats of land in Sy. No. 1374/2 and 898/2 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakularn

Date: 19-5-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 'OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM Ernakulam, the 19th May 1981

Ref. L. C. No. 514/81-82,—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ernakulam on 22nd September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trilly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandrasekhara Menon, S/o Lakshmikutty Amma alias Ammu Amma, Thekkomarayil, Karithala.

(Transferor)

(2) Shri K. J. George, S/o Shri K. V. John, Karukappillil House, 29/1261B, Kadavanthara, Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 cents of land in Sy. No. 898/2 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 6th May, 1981

Ref. No. 23/Sep./80.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part & 4262/1 Part, (Plot No. 23 & 24) situated at Polnayakanpettai, Tuticorin and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-II, Tuticorin (Document No. 2316/80—item No. 237) on 30-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Madura Coats Ltd., 10/4, Kasturba Road, Bangalore.

(Transferor)

 Mrs. P. Muthulakshmi Ammal, W/o Sri Potrivelu, No. 28, East Renganathapuram Street, Tuticorin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Polnayakanpettai, Tuticorin—Document No. 2316—Itom No. 237.)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 6-5-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUIITION RANGE-I, MADRAS Madras-600006, the 6th May 1981

Ref. No. 22/Scp./80.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at J.S.R.-II Tuticorin (Document No. 2315/80—

on 30-9-1980 item No. 236)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Madura Coats Ltd., 10/4, Kasturba Road, Bangalore.

(Transferor)

Shri P. Kathirvel,
 S/o Sri Perumal Naicker,
 No. 61, Kaliappa Pillai Street,
 Tutlcorin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. No. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Polnayakanpettai, Tuticorin—Document No. 2315/80—Item No. 236.)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 6-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Madura Coats Ltd., 10/4, Kasturba Road, Bangalore.

(Transferor)

 Shr P. Paramasivan Konar, S/o Shri Pulamada Konar,
 Diraviapuram Street, Tuticorin.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th May, 1981

Rcf. No. 21/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, situated at Polnayakanpetta, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J. S. R.-II, Tuticorm on 30-9-1980 (Document No. 2276/80—item No. 232)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1, Polnayakanpettai, Tuticorin.

(Document No. 2276/80-item No. 232).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 6-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th May, 1981

Ref. No. 24/Sep./80.—Whereas' I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part (Plot No. 41), situated at Polnayakkanpetta, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at J. S. R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2317/80—item No. 238)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Madura Coats Ltd., 10/4, Kasturba Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri S. Ayya Pillai, S/o Senthinayagam Pillai, Chillanatham Village, Ottapidaram Taluk, Tirunelveli District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part (Plot No. 41) Polnayakkanpettai, Tuticorin. (Document No. 2317/80—item No. 238.)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-l, Madras.

Date: 6-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 14th May, 1981

Ref. No. 111/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34, Pantheon Road, Madras-8, situated at Pantheon Road, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Perjamet, Madras on 15-9-1980 (Document No. 1102/80). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The South India Sales an Society, No. 12, Landon's Road, Madras-10

(Transferor)

 M/s. Parsn Foundation & Engineering Corporation, No. 601 Anna Salai (Old No. 121)
 Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building at Door No. 34, Pantheon Road, Madras-8—Document No. 1102/80.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authrity,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range-I, Madras

Date: 14-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th May 1981

Ref. No. 26/Sep./80 and 27/Sep./80.--Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T. S. No. 4255, 4257, 4258/1 Part and 5262/1 Part situated at Polnayakkanpettai, Tuticorin

(und more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LSR J.I. Tutioprin on 30.9-1080 (Document No. 2440/80)

J.S.R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2440/80—item)Nos. 249 & 250)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
27—106 GI/80

Madura Coats Ltd.,
 10/4, Kasturba Road,
 Bangalore-1.

(Transferor)

 Smt. S. Alagulakshmi Ammal, W/o Sri Sankaranarayanan,
 No. 26, Kanagasabapathy Pillai Street, Tuticorin.

 Smt. Meenakshiammal, W/o Sri Muth rulappa Pıllai, No. 26, Kanagasabapathy Pillai, Street, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/J Part and 4262/I Part, Polnayakkanpettai, Tuticorin—Document No. 2440/80 (Item Nos. 249 & 250).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madrqs.

Date: 6-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Rof. No. 17/Sep./80.—Whereas, J. R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Plot No. 37, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J. S. R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document on 2272/80—Item No. 228).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 MADURA COATS LTD' 10/4, Kasturba Road, Bangalore.

(2) Shri S. Perumal, S/o Sri Subba Naicker, 67/A-4, Vannar 1st Street, Tuticorin.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. Nos. 5255, 5257, 5258/1 Part, 5262/1 Part Plot No. 37, Polnayakanpettai, Tutlcorin.—Document No. 2272/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 6-5-1981

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th May 1981

Ref. No. 18/Sep./80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here/nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Plot No. 40, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at J.S.R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2273/80—item No. 229).

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (il of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Madura Coats Ltd. 10/4, Kasturba Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Koilpitchai Nadar, S/o A. Manuel Nadar, 149, Sivan Koll Street, Tuticorin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of one publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. Nos. 5255, 5257, 5258/1 Part and 5262/1 Part, Plot No. 40, Polnayakanpettai, Tuticorin.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 6-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th May 1981

Ref. No. 19/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 4255, 4257, 4258/1, Part and 5242/1 Part, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at J.S.R. II/Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2274/80-item No. 230)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Madura Coats Ltd., 10/4, Kasturba Road, Bangalore.

(Transferor)

 Sri K. Thangamariappan, S/o Sri Karmega Nadar, 48, T. R. Naidu Street, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. Nos. 4251, 4257, 4258/1 Part and 4242/1 Part, Polnaickenpettai, Tuticorin—Document No. 2271—item No. 230).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 6-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 6th May, 1981

Rcf. No. 20/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Plot No. 33, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at J.S.R. II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2275/80 item No. 231)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income to Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Madura Coats Ltd., 10/4, Kasturba Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Sri S. Anantharaman, S/o Sri Subramania Iyer, No. 30, Kanagasabapathy Pillai Street., Tuticorin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/l, Part, Plot No. 33, Polnayakanpettai, Tuticorin—Document No. 2275/80—item No. 23).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras

Date: 6-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madras, the 6th May, 1981

Rcf. No. 12/Sep./80 to 16/Sep./80.--Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part—Plot Nos. 34 & 35, situated at Polnaickenpettai, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at J. S. R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2271/

at J. S. R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2271/80—item Nos. 223 to 227)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Madura Coats Ltd., 10/4, Kasturba Road, Bangalore-1.

(Transferor)

- Mrs. Kamala Pecris, Dr. No. 46, Periakadai St., Tuticorin.
 - Sri J. Gerald Fernando Periakadai St., Tuticorin.
 - 3. Sri J. Terrence Fernando Periakadai St., Tuticorin.
 - 4. Sri J. Isanower Fernando Periakadai St., Tuticorin.
 - Sri J. Linus Fernando Periakadai St., Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part (Plot Nos. 34 & 35), Polnaickenpettai, Tutlcorin Town. Document No. 2271/80 · item 223 to 227).

R, RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 6-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS Madras, the 6th May, 1981

Ref. No. 8/Sep./80 to 11/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T. S. No. 4255, 4257, 4258/1, Part, 4262/1 Part—Plot No. 37, situated at Polnaickenpettai, Tuticorin Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at J.S.R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2270/80 (Item Nos. 219, 220, 221 & 22)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Madura Coats Lid., No. 10/4, Kasturba Road, Bangalore-1.

(Transferor)

- (2) 1. Shri A. Sankaran Pillai2. Sri S. Arunachalam,S/o Sri A. Sankaran Pillai
 - Sri S. Subramanian,
 S/o Sri A. Sankaran Pillai
 - Sri S. Ganesan, S/o Sri A. Sankaran Pillai
 No. 54, North Car Street, Extension, Tuticorin-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part Plot No. 36 at Polnaickenpettai, Tuticorin-2—Document No. 2270/80 (Item Nos. 219 to 222).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 6-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7ty May 1981

Ref. No. 48/Sep./80.—Whereas, I, RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Dr. No. 39 & 40, situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1917/80).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

I. Sri D. Palaniappan,
 Sri D. Kandasamy,
 Sons of Late S. V. Duraisamy Chettiar,
 No. 52, Chellathamman Koil Street,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Shri R. Dharmarajan, S/o Sri C. Ramahandran Chettiar, 5/369, Ellaipura Gandhi Street, Paramakudi (Ramnad District).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madural Document No. 1917/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 49/80.—Wheteas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 39 & 40, situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Document No. 1918/80) at 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
28—106GI/81

Sri D. Palanlappan
 Sri D. Kandasamy,
 Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
 No. 52, Chellathamman Koil Street,
 Madurai.

(Transferor)

Sri. R. Dharmarajan,
 S/o Sri C. Ramachandran Chettiar,
 5/369, Ellaipura Gandhi Street,
 Paramakudi (Ramnad District).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within ~5 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. No. 39 & 40, Workshop Road, Madurai + Document No. 1918/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 50/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1919/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri D. Palaniappan
 Shri D. Kandasamy,
 Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
 No. 52, Chellathamman Koil Street,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Shri R. Dharmarajan, S/o Sri C. Ramachandran Chettiar, 5/369, Ellaipura Gandhi Street, Paramakudi (Ramnad District).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madural— Document No. 1919/80.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 51/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1920/80).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

(1) 1. Sri D. Palaniappan

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri D. Kandasamy,
 Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
 No. 52, Chellathamman Koil Street,
 Madurai.

(Transferor)

Smt. D. Saradha Devi
 W/o Sri R. Dharmarajan,
 No. 52, Lakshmipuram 6th Street,
 Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—Document. 1920/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 7th May, 1981

Ref. No. 52/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pudumandapan, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1921/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri D. Palaniappan,
 - Sri D. Kandasamy,
 Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
 No. 52, Chellathamman Koil Street,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. D. Saradha Devi, W/o Sri R. Dharamarajan, No. 52, Lakshmipuram 6th Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—Document No. 1921/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981

FORM I.T.N S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May, 1981

Ref. No. 53/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40 situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1922/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (11 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Sri D. Palaniappan,
 Sri D. Kandasamy,
 Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
 No. 52, Chellathamman Koil Street,

(Transferor)

Smt. D. Saradha Devi,
 W/o Sri R. Dharmarajan,
 No. 52, Lakshmipuram, 6th Street,
 Madurai.

Madural.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai, Document No. 1922/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 54/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40, situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri D. Palaniappan,
 Sri D. Kandasamy,
 Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
 No. 52, Chellathamman Koll Street,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Sri R. Dharamarajan, S/o Sri C. Ramachandran Chettiar, 5/369, Ellaipura Gandhi Street, Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—Document No. 1923/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981

FORM FTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 55/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40, situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1924/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri D. Palaniappan,
 Sri D. Kandasamy,
 Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
 No. 52, Chellathamman Koil Street,
 Madurai.

(Transferor)

Smt. D. Saradha Devi,
 W/o Sri R. Dharmarajan,
 No. 52, Lakshmipuram 6th Street,
 Madurai.

(Transferes

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—Document No. 1924/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 35/Sep./80.—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Dr. No. 299/1, Tiruvottriyur High Road, situated at Madras-21 (and more fully described in the Schedulo annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Royapuram, Madras on 30-9-1980 (Document No. 1568/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri V. Padmanabhan,
 Srl V. Mohankumar,
 Srl V. Krishnamurthy,
 No. 33, Mettu Street,
 Madras-21.

(Transferor)

(2) Supreme Star Shipping Co. (Pvt.) Ltd., Vanguard House, II Line Beach, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from a date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Dr. No. 299/1, Thiruvottriyur High Road, Madras-21—Document No. 1568/80.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 7-5-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS Madras, the 7th May, 1981

Ref. No. 59/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 282, 284, 281/1 and ~283/1, situated at Pingi Village North Arcot District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Walajahpet on 15-9-1980 (Document No. 2411/80—Item No. 105)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
29—105GI/81

 Mr. A. Abdul Marayakrar, S/o Mr. A. Md. Isaq., Savukar Street, Melvishar (North Arcot District).
 Mrs. Noor Ajunnissa, W/o A. E. Abdul Rahman, Big Street, Melvishar (North Arcot District)

(Transferor)

Mr. M. Jameel Ahmed
 Mr. M. R. Zafeer Ahmed,
 Mr. M. R. Iqbal Ahmed,
 Partners in
 M/s. M.J.S. Iqbal & Co.,
 Melvishar
 (North Arcot District)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land and building at S. Nos. 281/1, 282, 283 and 284, Pingl Village, North Arcot District.—Document No. 2411/80)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras,

Date: 7-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Lakshmi Nagalingam
 IV Street, Abiramapuram, Madras-18.

(Transferor)

 C. Susheela Devi
 Chinnayya Pillai Street, Madras-17.

(Transferce).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 8th May, 1981

Ref. No. 15765.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land R.S. 114 Okkiam, situated at Thorappakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Saldapet (Document No. 2960/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 114 in Okkiam Thorappakkam (Document No. 2960/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 8-5-1981

Soal;

(1) Sri Dwipendra Nath Chatterice

(Transferor)

(2) M/s. Precision Pipes and Tubes Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd April, 1981

Ref. No. A.C.-16/D-IV/Cal./81-82.—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Khatlan No. 17, Dag. No. 18 sltuated at Mouza Khalla, P. S. Lilooah, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 Kh. 4 Ch. 42 Sq. ft., of land at Dog No. 78 Mouja-Khalia, Llicoah, Howrah more particularly described as per Deed No. 3133 of 1980.

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the iollowing persons, namely:-

Date: 23-4-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQQUISITION RANGE III, CALCUTTA Calcutta, the 19th May 1981

Ref. No. 902/Acq/R-III/81-82-Whereas I, I.V. S. Juneja,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 93/3B & 93/3C situated at Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanai Lai Chatterji

(Transferor)

(2) M/s. Benubon Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece and parcel of land measuring 5K-8Ch, being portion of land & situated at 93/3B and 93/3C, Kankulia Road, Calcutta, as covered by deed No. 4304.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date :19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III Calcutta, the 19th May 1981

Ref. No. 903/Acq. R-III/81-82— Whereas, 1, I. V. S. Juneia

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 93/3B and 93/3C situated at Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 8-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ashoke Kr. Chatterjee

(Transferor)

(2) Benuban Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K-8 Ch. bein portion of land and situated 93/3B and 93/3C, Kankulia Road, Calcutta as covered by deed No. 4358.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Calcutta

Dated: 19-5-1981

(1) Sri Gouri Sanker Bhattacharjee & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Mrigendra Kishore Sarkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCATTA

Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No. Sl. 574/Acqn. R-I/80-81—Whereas I, I.V.S.. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 223 situated at Gorachand Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

i APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land containing 5 Cottahs 11 chittacks 9 sft. being premises No. 223 Gorachand Road, registered under deed No. 817 dated 12-9-1980.

I.V.S. JUNEJA,
Competent | Authority,
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range: I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-5-1981

(1) M/s. Calcutta Credit Corporation 24, Park St. Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) !. Rajeev Daga2. Sanjeev Daga of 36/1, Jatin Das Road,

Calcutta.

[(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May, 1981

Ref. No. TR-394/80-81 Sl. No. 572 /Acq.-R-I—Whereas. I, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Mezzanine Floor situated at 24, Park St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat containing a covered area of 2886 sq. ft. on Premises No. 24, Park St. Calcutta registered vide deed No. I-9099P dated 30-9-80 in the office of Registrar of Assurance, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 20-5-1981

Scal:

Jaipur Investment Company Limited,
 Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Organised Investments Ltd., 18, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CACUTTA

Calcutta, the 20th May 1981

R. Mo.—TR-39)/80-81, Sl. No. 573/Acq. R-I—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31 situated at Hariram Goenka St. Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated on a land measuring 9 Cottah 14 Chittach mere or less at +31 Sir Hariram Goenka St. Calcutta registered vide deed No. I-5579 on 25-9-1980 in the office of Registrar of Assurance at Calcutta.

I.V.S. JUNEJA Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 20-5-81

FORM I.T.N.S.-

(1) Sm. Gita Rani Burman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Ranjana Nandi Majumdar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE—II, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No. AC-13/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. 502/6 situated at Basudeppur Road, Behala Calcutta-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. Alipur at Behala on 24-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. P-502/6, Basudippur Road, P.S. Behala, Calcutta-61 Area: 3 K—15 Ch. 27 sq. ft. (two stories Building). More particularly describe in deed No. 2466 P. of J.S.R. Alipore Behala of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:—
30—106GI/81

Date: 20-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No. AC-12/R-II/Cal/81-82—Whereas, J, K. SINHA. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 84, C.I.T. Road, Calcutta-10 situated at Schem No. IV M. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Sealdah on 22-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Birendra Nath Chouhury and 8 others.

(Transferor)

(2) (i) Bhaja Hari Saha and

(ii) Radhashyam Saha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5K-7ch. 10 sq. ft. at Premises No. 84, C.I.T. Road, Calcutta-10. Scheme No. IV M. More particularly described on deed No. 847 of S.R. Sealdah of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income -Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 20-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No. AC-31/ACQ R-IV/Cal/81-82--Whereas I, K. Sinha

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 f- and bearing

No. Dag No. 1047 situated at Midnapore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Renuka Ganguly Smt. Mira Ganguly
 Bally gunge Gardens Calcutta.

(Transferor)

(2) Ajoy Industries Ltd 23/24, Radha Bazar Stret, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Plece and parcel of land measuring 2.45 acres situated at Mauja Bhabanipur P.S. Sutahata Dist Midnapore more Particularly desclebed as per Deed No 5284 of 1980

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range No. IV
54, Rafi Ahmed Kidwal Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Date: 20-5-1981

Seal

(1) Kartick Chandra Khan and Orss.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) East End Park Co-operative Housing Society Lt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta-10, dated the 21st May 1981

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. AC-14/R-II/Cal/81-82—Whereas I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5 situated at Ram Mohan Mallick Garden Lane, Calcutta-10, P. S. Reeliaghata.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S. R. Sealdah on 3-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as nforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957); Land measuring 9 Bigha 8 Cottah 1 Ch. 38 sq. ft. at 5-Ram Mohan Mallick Garden Lane, P. S. Beliaghata, Calcutta-10, More particularly described in deed No. 792 of S. R. Sealdah of 1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Dated: 21-5-18.

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQ. R, CALCUTTA

Calcutta, dated the 21st May 1981

Ref. No. AC-34/Acq. R-IV/81-82—Whereas I K. SINHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 184 situated at J. N. Mukherjee Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Hindusthan Brown Boveri Ltd. 264/265 Annie Besant Road, Bombay-40025.

(Transferor)

(2) Om Development Pvt. Ltd. 4-B. B. D. Bag (East), Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8 B. 8 Kh 15 Chesituated at 184, J. N. Mukherijee Road, Salkia, Howrah more particularly described as per Deed No. 5399 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incoem-tax.
Acquisition Range
No. 54 Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Date: 21-5-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQ. R-VI, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1981

Ref. No. AC-35/R-IV/Cal/81-82—Whereas I K. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. at P. S. Bolepur, Dist-Birbhum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sulekha Bhowmic 32/31, Gariahat Road (South) Calcutta. (Transferor)
- (2) Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd. P-35, C.I.T. Road, Calcutta-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 17 satak including building situated at mouja—Surul, P. S. Bolpure, Birbhum, more particularly described as per Deed No. 5507 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax
Acquisition Range
54, Raff Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Date : 21-5-81. Seal

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1981

Ref- No. Sl. 575/Acqn, R-I/Cal/80-81--Whereas, J. I. V. S. Juneja,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26 situated at Burtolla St., Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 25-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ms. S.G. Investments & Industries Ltd.
- (2) M/s. Menaka Investments Ltd.

[Transferor]

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly four and partly five storeyed building withrlend measuring 11 cottans 6 Chittacks 27 sft. being premises No. 26, Burtolla St., Calcutta registered under deed No. 5578 dt. 25-9-80 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissions of Income-Tax,
Acquisition ange-I, Calcutta

Date 1 22-5-81 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQ. R.-II, CALCUTTA.

Cilcutta, the 22nd May 1981

Ref. No. Ac.-15/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Plot No. 61 C.I.T. Scheme No. VII(M) situated at V.I.P. Roag, P.S. Manikotta, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A. Calcutta on 30-9-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Satya Ranjan Konar.

(2) Sri Soumen Ghosh.

(Transferor)

(Transfeere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 K. 7 Ch. 16 Sq. ft. at Plot No. 61 C.1.T. Scheme No. VII (M), V.I.P. Road, Maniktolla, Calcutta. More particularly described in deed No. 5691 of S.R.A. Calcutta of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 22-5-81.

- (1) M/s S.G. Investments & Industries Ltd.
- (2) M/s. Menaka Investments Ltd.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

AA AC1, 1901(45 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQ. Range-I, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1981

Ref. No. Sl. 375/Acqn R-1/Cal/80-81—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding,

Rs. 25,000/- and bearing

No. 26 situated at Burtolla st., Calcutta.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the efforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly four and partly five storeyed building with land measuring 11 cottans 6 Chittacks 27 sft. being premises No. 26, Burtolla St., Calcutta registered under deed No. 5578 dt. 25-9-80 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 22-5-81

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritar, the 15th May 1981

Ref No. Amritsar/81-82/52—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No situated at Vijay Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaind property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Garjit Singh
 Shri Sarmukh Singh
 Bazar Swank Mandl,
 Amritsar gali Jamua, H.No. 1249/VI

(Transferor)

(2) Sh. Jaswant Singh s/o Sh. Gurbachan Singh r/o Chowk Chabutra, H) 23e No. 2163, Gujran Street, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. no. 2 and tanents if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other

[Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One old house on plot No.5 min & 6 min Khasra No. 421 min situated in Vijay Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 5218 dated 14-9-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritaer.

Date: 15-5-81